खाड़ी युद्ध : भारत के ऊर्जा क्षेत्र को झटका एलएनजी में कटौती - 14

प्रधानमंत्री मोदी बोले- भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था विश्व के लिए आशा की किरण - 15

दक्षिण अफ़्रीका और न्यूजीलैंड के बीच कप्तानों की भूमिका होगी अहम - 16

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 04:49 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2083 | बुधवार, 4 मार्च 2026, वर्ष 6, अंक 8, पृष्ठ 16 | मूल्य 6 रुपये

रंगों से आगे... आत्मा के रंगों की होली

होली केवल एक ऐसा पर्व न बने जहाँ हम एक-दूसरे को रंग लगा भर दें। होली वह उत्सव बने, जहाँ हम अपनी आत्मा के रंगों में रंग जाएं। बचपन की होली आज भी स्मृतियों में उतनी ही ताज़ा है। त्योहार आने से 15-20 दिन पहले ही उसका उत्साह शुरू हो जाता था। स्कूल से लौटते ही हम मित्र शाम का इंतज़ार करते। फिर सब मिलकर कस्बे के बाहरी हिस्सों की ओर निकल पड़ते -हाथ में फावड़ा या कुल्हाड़ी जैसी कोई चीज़, सूखी टहनियाँ और लकड़ियां इकट्ठा करने के लिए। हम सूखे पेड़ों की डालियां और लकड़ियां जमा करते और एक स्थान पर उन्हें इस प्रकार सजाते जैसे कोई गुफा बना रहे हों। पूर्णिमा की रात तक हमारी होलिका दहन की तैयारी पूरी हो जाती।

हम गोबर के उपले, ईंधन और अन्य सामग्री भी एकत्र करते और मोहल्ले के लोगों को समय की सूचना देते। पूरा आयोजन केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि आपसी समन्वय, सहयोग और आनंद का उत्सव होता था। समय के साथ तरीक़े भले बदल गए हों, पर होली का उत्साह आज भी वैसा ही जीवंत है। होली का आध्यात्मिक अर्थ रंगों और उल्लास से कहीं अधिक गहरा है। यह नवीनीकरण, क्षमा, समानता और आनंद का पर्व है। होलिका दहन में हम अपने भीतर की नकारात्मकता, अहंकार और कटुता को भी अग्नि को समर्पित करते हैं। इसके बाद रंगों का उत्सव जीवन की नई शुरुआत का प्रतीक बन जाता है जैसे अंधकार के बाद प्रकाश।

होली की सुबह एक अद्भुत दृश्य सामने आता है। घरों, गलियों और दिलों में जैसे कोई जादू उतर आता है। चेहरे रंगों से सराबोर होते हैं, हंसी संकोच की जगह ले लेती है, और वर्षों की दूरियां भी जैसे एक दिन के लिए मिट जाती हैं। यह मुक्ति केवल बाहरी नहीं, भीतर की भी होती है और यही होली का आध्यात्मिक सार है। रंग केवल सजावट नहीं, भावनाओं और संदेशों के प्रतीक हैं। लाल ऊर्जा और प्रेम का, पीला आस्था और पवित्रता का, हरा समृद्धि और नई शुरुआत का, और नीला अनंत आकाश जैसी व्यापकता का प्रतीक है। जब हम एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, तो अनजाने में हम शुभकामनाएं, अपनापन और सकारात्मकता भी बांटते हैं।

अमृत विचार में होली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि एक भावना है। हमारा प्रयास सदैव यही रहता है कि हम समाज के जीवन में सकारात्मक विचारों, निष्पक्ष समाचारों और नई सोच के सुंदर रंग भर सकें। इस पावन अवसर पर हम अपने सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, वितरकों, सहयोगियों और समर्पित टीम के प्रत्येक सदस्य को होली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। आइए, इस होली केवल रंग न खेलें — बल्कि मन, विचार और आत्मा को भी प्रेम, विश्वास और सद्भाव के रंगों से रंग दें। आप सभी को होली की शुभकामनाएं।

पार्थो कुनार, सीओओ

भीषण हमलों का ईरान की ओर से बेखौफ जवाब

ईरान का नतांज परमाणु स्थल क्षतिग्रस्त राष्ट्रपति कार्यालय भी बना निशाना

ईरान के दो ड्रोन हमलों के बाद रियाद में बंद किया गया अमेरिका का दूतावास

इजराइल के सैन्य ठिकानों पर भी बरसीं मिसाइलें, खाड़ी देशों पर भी हमले जारी

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी

ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच युद्ध मंगलवार को चौथे दिन में प्रवेश करने के साथ और घातक हो गया। अमेरिका-इजराइल ने राजधानी तेहरान समेत ईरान के अलग-अलग हिस्सों में भीषण हवाई हमले कर तमाम इमारतों को मलबे के ढेर में तब्दील कर दिया। इन हमलों से ईरान के नतांज परमाणु स्थल को भी क्षति पहुंची, हालांकि अभी विकिरण फैलने की आशंका को खारिज कर दिया गया है। ईरान ने इन हमलों का बेखौफ जवाब दिया। ईरानी सेना ने उसने इजराइल के सैन्य क्षेत्रों के साथ कतर स्थित अमेरिकी एयरबेस अल-उदैद पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में अमेरिकी दूतावास पर दो ड्रोन दागे गए जिसके दूतावास को बंद कर दिया गया है।

कतर के ऊर्जा संयंत्रों समेत खाड़ी के देश चौथे दिन भी ईरान के हमलों का निशाना बने। इससे पश्चिमी एशिया की ऊर्जा इकाइयों पर संकट के बादल छाए रहे। ईरान की सेना ने कतर में स्थित अमेरिकी एयरबेस अल उदैद को भी मिसाइल का निशाना बनाया। ओमान की बंदरगाह दुकम में मंगलवार को ड्रोन हमले के बाद एक तेल भंडारण इकाई को नुकसान पहुंचा।

ईरान ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद में अमेरिकी दूतावास पर ड्रोन से हमला किया, जिससे यहां आग लग गई और इमारत को भी नुकसान पहुंचा। इसके बाद इस दूतावास को फिलहाल बंद कर दिया गया है। अमेरिकी दूतावास ने एक्स पर एक बयान में कहा कि मंगलवार को सभी अपॉइंटमेंट रद्द कर दिए गए हैं। रियाद के साथ जेद्दा और धाहरान में भी कर्मचारियों को घर में ही रहने के निर्देश दिए गए हैं।

अमेरिका और इजराइल की ओर से ईरान पर मंगलवार को भीषण हवाई हमले किए गए और तमाम सरकारी व गैरसरकारी इमारतों को मलबे के ढेर में तब्दील कर दिया गया। तेहरान में राष्ट्रपति कार्यालय के अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के भवन और ईरान के सरकारी प्रसारक कार्यालय को भी निशाना बनाने का दावा किया गया है। मिसाइल लॉन्च साइटों के भी नष्ट होने की खबरें हैं। इन हवाई हमलों में ईरान के नतांज परमाणु स्थल को क्षति पहुंची है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने कहा है कि यह क्षति परमाणु स्थल के भूमिगत हिस्से के प्रवेश भवनों तक सीमित है। फिलहाल यहां विकिरण फैलने की आशंका नहीं है।

तेहरान में बमबारी से मलबे में तब्दील हुई एक इमारत पर लहराता ईरानी झंडा। ● एजेंसी

तेल अवीव में ईरान के मिसाइल हमले से ध्वस्त इमारत।

ईरान में मरने वालों की संख्या बढ़कर 787 हुई

ईरान की रेड क्रिसेंट की रिपोर्ट के अनुसार देश में अमेरिका-इजराइल के हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 787 से ज्यादा हो गई है। ईरान के हमलों में इजराइल में 12 लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा 777 घायल हुए हैं जबकि 11 लोग लापता हैं। युद्ध में अब तक अमेरिका के भी छह सैनिकों के मारे जाने की पुष्टि की गई है। इसके अलावा 18 सैनिक घायल हुए हैं।

पश्चिम एशिया में तीन भारतीय नाविकों की मौत, एक घायल

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच विदेशी ध्वज वाले जहाजों पर सवार तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई है जबकि एक घायल है। नौवहन महानिदेशालय ने मंगलवार को कहा, पश्चिम एशिया में भारतीय नाविकों से जुड़ी चार घटनाओं की सूचना मिली है। महानिदेशालय ने कहा कि प्रभावित नाविकों और उनके परिवारों को आवश्यक सहायता और सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

अमेरिका का अपने नागरिकों को खाड़ी देशों से निकलने का निर्देश

दुबई। ईरान के बड़े पैमाने पर हमलों के मद्देनजर अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बहरीन, इराक, जॉर्डन, कुवैत, कतर और संयुक्त अरब अमीरात में रहने वाले अमेरिकियों से देश छोड़ने का आग्रह किया है। दुबई और अबू धाबी जैसे शहरों वाले संयुक्त अरब अमीरात को लंबे समय से पश्चिम एशिया का एक सुरक्षित क्षेत्र माना जाता रहा है लेकिन हमलों के कारण उसे भी ईरान युद्ध में घसीट लिया गया है। कई दूतावासों को पहले ही बंद कर दिया गया है।

सिंधु दुबई से घर लौटीं

बेंगलुरु। ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने पुष्टि की है कि दुबई में फंसी रहने के बाद वह सुरक्षित रूप से अपने घर बेंगलुरु लौट आई हैं। सिंधु ने मंगलवार को एक्स पर लिखा, पिछले कुछ दिन बेहद तनावपूर्ण और अनिश्चित रहे, लेकिन अपने घर वापस आकर मैं सचमुच बहुत खुश हूं।

ईरानी ड्रोन हमले के बाद कोर्ट छोड़कर भागे खिलाड़ी

अबु धाबी। एटीपी चैलेंजर इवेंट के दौरान ईरानी ड्रोन हमले से नजदीकी ऑयल टर्मिनल में आग लगने के बाद खिलाड़ी और अधिकारी कोर्ट छोड़कर भाग गए। लाइव फीड में जापान के टेनिस खिलाड़ी हयातो मात्सुओका और रूस के डेनियल ओस्टापेनकोव, अंपायर और लाइन जजों के साथ कोर्ट से छोड़कर भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद फुजैराह में भी दो मैच रोक दिए गए और खेल रद्द कर दिया गया है।

शुभकामनाएं/सूचना

समस्त सुधी पाठकों, अभिकर्ताओं एवं विज्ञापनदाताओं को रंगों के पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं। इस अवसर पर बुधवार 4 मार्च को कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक शुक्रवार 6 मार्च को प्रकाशित होगा। -संपादक

ब्रीफ न्यूज

होली पर आज सड़क से सरहद तक हाई अलर्ट

देहरादून। आज रंगोत्सव पर उत्तराखंड में सड़क से लेकर सरहद तक हाई अलर्ट रहेगा। मिश्रित आबादी वाले इलाकों में खास सतर्कता रहेगी। वहीं, अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर भी कड़ी चौकसी रहेगी। एसएसपी देहरादून और हरिद्वार ने होली पर्व पर शांति व्यवस्था बिगाड़ने वालों और हुड़दंगियों को सख्त कार्रवाई की चेतावनी देते हुए सोशल मीडिया पर अफवाहें फैलाने से बचने की अपील की है।

एंथ्रोपिक के 'क्लाउड एआई' सेवाएं हुईं ठप

नई दिल्ली। एंथ्रोपिक के लोकप्रिय 'क्लाउड एआई' की सेवाएं मंगलवार को कुछ क्षेत्रों में ठप हो गईं। 24 घंटे के भीतर यह इस तरह का दूसरा व्यवधान था, हालांकि यह चैटबॉट जल्द ही फिर सामान्य हो गया।

हिजबुल्ला के लगातार हमलों के बाद लेबनान में घुसी इजराइल की सेना

तेल अवीव, एजेंसी

- सीमा पर कई चौकियों को खाली करके पीछे हटीं लेबनानी फौजें
- बेरुत हमले में ईरानी कुद्स फोर्स के अध्यक्ष रेजा खजाई की मौत

ईरान के समर्थन में लेबनान के आतंकी संगठन हिजबुल्ला ने मंगलवार को भी इजराइल में कई हमले किए। इसके जवाब में इजराइली सेना ने यहां भी मोर्चा खोल दिया है और लेबनान की सीमा पार कर अंदर घुस गई। लेबनानी फौजों को सीमा पर बनी कई चौकियों को खाली करके पीछे हटना पड़ा। इजराइली सेना ने 80 गांवों को खाली करने को कहा है।

इजराइली हमलों में बेरुत में ईरान की कुद्स फोर्स के अध्यक्ष रेजा खजाई की भी मौत हो गई है। इजराइली रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा है कि सेनाओं को लेबनान में और कई रणनीतिक जगहों पर कब्जा करने की इजाजत दे दी गई है। इससे पहले मंगलवार सुबह पांच बजे से हिजबुल्ला ने इजराइली सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर ड्रोन और रॉकेट हमले शुरू किए। हिजबुल्ला ने उत्तरी इजराइल में रामत डेविड एयरबेस और मेरोन मॉनिटरिंग बेस पर रडार साइटों और नियंत्रण कक्षों को निशाना बनाकर हमलावर ड्रोन भेजे। इसके साथ ही सीरियाई गोलन हाइट्स में नफाह सैन्य बेस पर रॉकेट हमले किए गए।

आमने-सामने के युद्ध के लिए तैयार : हिजबुल्ला

बेरूत। इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में 80 से अधिक गांवों के लोगों घर छोड़कर चले जाने को कहा है, वहीं हिजबुल्ला ने कहा कि वह आमने-सामने के युद्ध के लिए तैयार है। हिजबुल्ला ने कहा कि इजराइल की ओर से लेबनान पर लगातार हमले जारी रहने के बावजूद एक साल से अधिक समय तक युद्धविराम का पालन करने के बाद उसका धैर्य समाप्त हो गया है। उसके पास प्रतिरोध की ओर लौटने और इजराइल के साथ खुला युद्ध लड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

ईरान ने किया हमलों में 650 अमेरिकी सैनिक मारे जाने का दावा

तेहरान। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने अमेरिकी बलों के खिलाफ उसकी जवाबी कार्रवाई में उसके 650 सैनिकों के मारे जाने का दावा किया है। यह भी कहा कि उसके मिसाइल हमले में एक अमेरिकी लड़ाकू सहयोगी पोत को भारी नुकसान पहुंचा है। अमेरिका का विमानवाहक पोत अब्राहम लिंकन भी चार क्रूज मिसाइल दागने के बाद हिंद महासागर की ओर भाग गया है। उसकी मिसाइलों और ड्रोन ने बहरीन में अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े के मुख्यालय को कई बार निशाना बनाया। बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमलों में 160 सैनिक मारे गए हैं।

ईरान को अब तक भारी नुकसान, हमलों की बड़ी लहर बाकी : ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिकी सुरक्षा बल लगातार ईरान को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। शुरुआती हमलों में ही ईरान की 49 राजनीतिक और सैन्य हस्तियों का खात्मा कर दिया गया है। हालांकि अमेरिका के सैन्य अभियान का सबसे तीव्र चरण अभी शुरू होना बाकी है। ट्रंप ने कहा कि कार्रवाई बहुत प्रभावी है और अमेरिका अपनी सैन्य शक्ति का उपयोग कर रहा है।

ईरान ने बंद किया होर्मुज, भारत की चिंताएं बढ़ीं

तेहरान, एजेंसी

- मोदी ने ओमान, कुवैत और कतर के नेताओं के साथ की नाजुक होते हालात पर चर्चा

ईरान ने मंगलवार को अतिव्यस्त समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने का एलान कर दिया। साथ ही इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों को हमले की चेतावनी भी दी है। दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग को बंद करने की घोषणा से भारत की चिंता बढ़ गई है। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सिलसिले में खाड़ी देशों के नेताओं के साथ चर्चा की और चिंता जताई।

होर्मुज मार्ग से दुनिया भर में होने वाली तेल खपत का लगभग पांचवां हिस्सा इसी जलमार्ग से होकर गुजरता है। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओमान, कुवैत और कतर के नेताओं के साथ इस नाजुक स्थिति पर चर्चा की। इस बीच भारत की ओर से संघर्ष को समाप्त करने के लिए संवाद और कूटनीति का आह्वान किया गया है।

कच्चे तेल की कीमतों में आया और उछाल

ईरान की ओर से खाड़ी देशों के ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमलों और होर्मुज जलडमरू मध्य समुद्री मार्ग को बंद किए जाने के एलान के बाद मंगलवार को कच्चे तेल की कीमतों में और तेज उछाल आया। अंतर्राष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 82 से 85 डॉलर प्रति बैरल के बीच पहुंच गया जो 2024 के बाद का उच्चतम स्तर है। मंगलवार को इसमें लगभग 1.4 प्रतिशत से से 6.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अमेरिकी बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई भी उछलकर 76 से 77 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया है। विशेषज्ञों का दावा है कि यदि यह संघर्ष लंबा खिंचा तो कच्चे तेल की कीमतें 100 से 150 डॉलर प्रति बैरल तक भी जा सकती हैं।

भारतीय ध्वज लगे 37 जहाज, 1100 नाविक फंसे

नई दिल्ली। होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाला प्रमुख मार्ग बंद होने से 1100 से अधिक नाविकों समेत भारतीय ध्वज वाले 37 जहाज फारस की खाड़ी, ओमान की खाड़ी और आसपास के समुद्र में फंस गए हैं। इनमें से कुछ जहाज भारतीय बंदरगाहों की तरफ जा रहे थे। इन जहाजों में कच्चा तेल और एलएनजी है। कुछ जहाज पेट्रोलियम उत्पाद लाने के लिये खाड़ी देशों की ओर जा रहे थे।

आसमान में अद्भुत नजारा

नई दिल्ली। चंद्र ग्रहण के दौरान मंगलवार को लाख लोग आसमान में अद्भुत नजारा देखने के लिए लालायित रहे। यह चंद्र ग्रहण दोपहर 3:20 से लेकर 18:48 बजे तक रहा। गुवाहाटी से लेकर दिल्ली तक लोगों ने टेलिस्कोप की मदद से ब्लड मून देखा। पूर्वोत्तर राज्यों में सूर्यास्त के बाद पूर्ण चंद्र ग्रहण का स्पष्ट नजारा देखने को मिला। इससे पहले भारत में चंद्र ग्रहण सात-आठ सितंबर 2025 को दिखा था। चंद्र ग्रहण के बाद लोगों ने नदियों और सरोवरों में स्नान किया।

राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा ने घोषित किए नौ उम्मीदवारों के नाम

नई दिल्ली, एजेंसी

- पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बिहार से लड़ेंगे चुनाव

भाजपा के अध्यक्ष नितिन नवीन को आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए मंगलवार को घोषित सूची में बिहार से पार्टी का उम्मीदवार बनाया गया। भाजपा ने राज्यसभा चुनावों के लिए नौ उम्मीदवारों की सूची जारी की है, जिसमें पार्टी की पश्चिम बंगाल इकाई के पूर्व अध्यक्ष राहुल सिन्हा और छत्तीसगढ़ इकाई की उपाध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा को उनके राज्यों से मैदान में उतारा गया है।

असम के लोक निर्माण मंत्री जोगेन मोहन और विधायक तेराश गोवाला राज्य से संसद के उच्च सदन के चुनावों के लिए भाजपा के प्रत्याशी होंगे। भाजपा ने अपनी ओडिशा इकाई के अध्यक्ष मनमोहन सामल और मौजूदा राज्यसभा सदस्य सुजीत कुमार को भी आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए राज्य से अपना उम्मीदवार बनाया है। कुमार का कार्यकाल अप्रैल में समाप्त होगा। राज्य के पूर्व मंत्री सामल 2024 के ओडिशा विधानसभा चुनाव में हार गए थे। पार्टी नेता शिवेश कुमार बिहार से चुनाव लड़ेंगे, वहीं पार्टी के पूर्व लोकसभा सदस्य संजय भाटिया हरियाणा से राज्यसभा चुनाव में प्रत्याशी होंगे। शिवेश कुमार भाजपा की बिहार इकाई के महासचिव हैं।

कार्यक्रम | केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे सहकारिता सम्मेलन को संबोधित, सीएम धामी ने हरिद्वार पहुंचकर किया स्थलीय निरीक्षण, तैयारियों की समीक्षा

अमित शाह 7 को हरिद्वार में, युद्ध स्तर पर तैयारियां

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह आगामी सात मार्च को हरिद्वार में होंगे। इस दिन बैरागी कैंप में

होने वाले सहकारिता सम्मेलन की तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। धामी सरकार के चार साल बेमिसाल और सरकार की प्रमुख उपलब्धियों को केंद्र में रखते हुए चुनावी शंखनाद की भी उम्मीद है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को बैरागी कैंप पहुंचकर सम्मेलन की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। कार्यक्रम स्थल पर व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कहा कि केंद्रीय मंत्री शाह का उत्तराखंड आगमन राज्य के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। निर्देश दिए कि कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने मंच से लेकर बैठने की व्यवस्था, पार्किंग, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, स्वच्छता तथा यातायात प्रबंधन सहित सभी व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। निर्देश दिए कि सुरक्षा व्यवस्था में कोई शिथिलता न बरती जाए तथा पुलिस व प्रशासन आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। राज्य सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में अनुशासन, पारदर्शिता एवं सुचारू संचालन सर्वोपरि बताते हुए सीएम ने कार्यक्रम स्थल पर आने वाले आमजन की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

केंद्रीय मंत्री शाह इस दौरान कुंभ मेले की तैयारियों की भी समीक्षा करेंगे। सम्मेलन स्थल पर धामी सरकार की चार साल की उपलब्धियों व सहकारिता के साथ ही भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तीन कानूनों के क्रियान्वयन की प्रदर्शनी लगायी जाएगी। इस दौरान आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पांडे, आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप, डीएम हरिद्वार मयूर दीक्षित और एसएसपी नवनीत सिंह ने कार्यक्रम की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में सीएम को विस्तार से जानकारी दी। सीएम के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, अपर सचिव बंशीधर तिवारी सहित जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

हरिद्वार में कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

भव्य-दिव्य चारधाम यात्रा, कुंभ मेला, युद्ध पर भी बोले

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि, चारधाम यात्रा की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। यात्रा बेहतर होगी और देश-दुनिया के श्रद्धालु अच्छा अनुभव लेकर जाएंगे। इसी तरह भव्य-दिव्य कुंभ मेले के आयोजन के लिए भी शासन स्तर पर उच्चस्तरीय तैयारियां चल रही हैं। मैं स्वयं भी सभी बैठकों में प्रतिभाग कर रहा हूं। वहीं, उन्होंने कहा कि, युद्ध प्रभावित देशों से प्रवासी उत्तराखंडियों को निकालने के लिए हम पीएमओ और विदेश मंत्रालय के निरंतर संपर्क में हैं। हमारा प्रयास है कि सभी को जल्द सुरक्षित निकाल लिया जाएगा।

आप सभी को रंगोत्सव होली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभ रंगोत्सव होली

सिटी ब्रीफ

होली पर मेयर ने दिया प्रेम सद्भाव का संदेश

हल्द्वानी : बिठौरिया वार्ड में मंगलवार को होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय पार्षद दीपक बिष्ट, नवीन जोशी और ममता जोशी ने किया। कार्यक्रम में मेयर गजराज सिंह बिष्ट मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि प्रेम, सद्भाव और आपसी गिले-शिकवे मिटाने का पर्व है। कहा कि सभी लोग रंगों के इस पर्व को शांति और सद्भाव के साथ मनाएं। उन्होंने सभी को होली पर्व की बधाई दी। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष राजेन्द्र बिष्ट, मनोज पाठक, जिला उपाध्यक्ष नवीन भट्ट, पार्षद धीरज पांडे, मोहन पाठक, भगवान कार्की, प्रमोद बोरा, मनोज जोशी आदि उपस्थित रहे।

सूतक काल के दौरान सभी देवी-देवताओं के मंदिरों में श्रद्धालुओं का प्रवेश वर्जित रहा, लोगों ने घरों में भी नहीं किए शुभ कार्य

चंद्रग्रहण के चलते बंद रहे कैंची धाम समेत सभी मंदिरों के कपाट

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: साल के पहले चंद्र ग्रहण के प्रभाव के चलते मंगलवार को सरोवर नगरी नैनीताल के प्रमुख मंदिरों के कपाट निर्धारित समय तक बंद रखे गए। विश्व प्रसिद्ध बाबा नीम करोली महाराज के कैंची धाम, मां नयना देवी मंदिर, हनुमानगढ़ मंदिर सहित नगर के अन्य देवी-देवताओं के मंदिरों में सूतक काल के दौरान श्रद्धालुओं का प्रवेश वर्जित रहा।

चंद्र ग्रहण के कारण सुबह से ही मंदिरों के बाहर श्रद्धालुओं की आवाजाही तो रही, लेकिन कपाट बंद होने के चलते भक्तों ने मंदिरों के मुख्य द्वार पर ही माथा टेककर आशीर्वाद लिया। कई श्रद्धालु मंदिर परिसरों के बाहर एकत्र होकर भजन-कीर्तन और जप करते नजर आए। मां नयना देवी मंदिर के पुजारी हरीश पंत ने बताया कि चंद्र ग्रहण का प्रभाव शाम 6 बजकर 47 मिनट तक रहा। ग्रहण काल में मंदिर के कपाट बंद रखे गए और किसी भी प्रकार की पूजा-अर्चना मंदिर के अंदर नहीं की गई। सूतक काल समाप्त होने के बाद मंदिर प्रांगण को गंगाजल से विधिवत शुद्ध किया गया। इसके उपरांत मां नयना देवी की विशेष पूजा-अर्चना कर विधि-विधान से कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए। इसी प्रकार पाषाण देवी मंदिर, गोलू देवता मंदिर, शनि मंदिर, शिव मंदिर तथा हनुमानगढ़ मंदिर में भी ग्रहण काल के दौरान कपाट बंद रहे। सूतक समाप्ति के बाद मंदिरों में साफ-सफाई व शुद्धिकरण की प्रक्रिया पूरी की गई, जिसके बाद भक्तों को दर्शन की अनुमति दी गई।

ग्रहण समाप्त होने के पश्चात मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने परिवार सहित पहुंचकर मां नयना देवी और अन्य देवी-देवताओं के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार चंद्र ग्रहण के दौरान मंदिरों के कपाट बंद रखने और सूतक काल में पूजा-अर्चना न करने की परंपरा है। इसी परंपरा का पालन करते हुए नैनीताल के सभी प्रमुख मंदिरों में व्यवस्थाएं की गईं।

हल्द्वानी में चंद्र ग्रहण के दौरान बंद पड़े कालू सिद्ध मदिर के कपाट। ● अमृत विचार

मंदिरों के कपाट बंद, श्रद्धालुओं ने बाहर से ही टेका मत्था

हल्द्वानी : ग्रहण का असर आज हल्द्वानी के आध्यात्मिक वातावरण में साफ तौर पर देखने को मिला। सूतक काल शुरू होते ही शहर के तमाम छोटे-बड़े मंदिरों के कपाट श्रद्धालुओं के लिए पूरी तरह बंद कर दिए गए। परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं का पालन करते हुए, मंदिरों में पूजा-अर्चना और दर्शन पर अस्थायी रोक लगा दी गई है। शहर के कालू सिद्ध बाबा, शीतला देवी मंदिर और नवाबी रोड स्थित हनुमान मंदिर समेत सभी देवालयों के मुख्य द्वारों पर पट बंद होने की सूचना लगा दी गई। आमतौर पर श्रद्धालुओं की भीड़ से गुलजार रहने वाले इन परिसरों में मंगलवार को सन्नाटा पसरा रहा। पुजारियों ने मूर्तियों को वस्त्रों से ढंक दिया गया और गर्भगृह को पूरी तरह सुरक्षित कर दिया गया। सूतक काल और वर्जनाएं धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ग्रहण लगने से पूर्व ही सूतक काल प्रभावी हो जाता है, जिसमें मूर्तियों को स्पर्श करना और पूजा करना वर्जित माना जाता है ग्रहण के बाद होगा शुद्धिकरण मंदिर समितियों ने जानकारी दी है कि ग्रहण समाप्त होने के बाद पूरे मंदिर परिसर का विधि-विधान से शुद्धिकरण किया जाएगा। गंगाजल के छिड़काव, मूर्तियों के अभिषेक और विशेष आरती के बाद ही मंदिरों के कपाट दोबारा श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। कई प्रमुख मंदिरों में देर शाम विशेष शुद्धि पूजा का भी आयोजन किया गया है।

माहौल बिगाड़ने का आरोप, एक गिरफ्तार

नैनीताल: यहां तल्लीताल क्षेत्र स्थित धोबीघाट में होलिका दहन की तैयारी के दौरान कपड़े धोने की मशीन हटाने को लेकर शुरू हुआ विवाद सांप्रदायिक रूप लेने लगा। समय रहते उत्तराखंड पुलिस के हस्तक्षेप से स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया।

जानकारी के अनुसार सोमवार को मशीन हटाने को लेकर कहासुनी हुई थी, जिसे पुलिस ने शांत कराया। मंगलवार को मशीन दोबारा रखने पर फिर विवाद बढ़ गया। दोनों पक्षों में तनाव की स्थिति बनने लगी। मौके पर पहुंचे पुलिस बल ने हालात काबू में किए। एसआई सतीश उपाध्याय ने बताया कि माहौल बिगाड़ने और हुड़दंग करने के आरोप में धोबीघाट निवासी मो. रफी को बीएनएसएस की धारा 172 के तहत गिरफ्तार किया गया है। आगे की कार्रवाई जारी है।

आज धूमधाम से मनेगी छलड़ी, रंगों में सराबोर होगा शहर

उत्साह के साथ रंग खेलेंगे लोग, एक-दूसरे के घरों में जाकर देंगे होली की बधाई , प्रशासन ने शांतिपूर्ण होली के लिए किए इंतजाम

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक होलिका दहन के बाद आज शहर में रंगों का पर्व छलड़ी पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। सोमवार शाम शुभ मुहूर्त में शहर के विभिन्न इलाकों में विधि-विधान से होलिका दहन किया गया।

श्रद्धालुओं ने अग्नि की परिक्रमा कर सुख-समृद्धि की कामना की और एक-दूसरे को तिलक लगाकर पर्व की शुभकामनाएं दीं। आज बुधवार को सुबह से ही शहर रंगों में सराबोर नजर आएगा। बच्चे पिचकारी और रंग-बिरंगे गुब्बारों के साथ गलियों में मस्ती करते दिखाई देंगे, वहीं युवाओं की टोलियां ढोल-नगाड़ों की थाप पर 'होली है' के जयकारों के साथ माहौल को उत्सवमय बनाएंगी। विभिन्न मोहल्लों में होली मिलन कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जहां लोग एक-दूसरे को गुलाल लगाकर गिले-शिकवे दूर करेंगे।

छलड़ी यह उस खुशी का प्रतीक है जब भक्त प्रह्लाद सुरक्षित बच निकले थे और राक्षसी होलिका का दहन हो गया था। यह दिन समाज को संदेश देता है कि अधर्म चाहे कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, जीत हमेशा सत्य की ही होती है। वहीं छलड़ी के दिन ऊंच-नीच, अमीर-गरीब और जाति-पाति के भेदभाव मिट जाते हैं। जब चेहरे पर रंग और गुलाल लग जाता है, तो सब एक समान नजर आते हैं। कुमाऊं में लोग एक-दूसरे के घर जाकर गले मिलते हैं और पुराने गिले-शिकवे भुलाकर नए सिरे से रिश्तों की शुरुआत करते हैं। कुमाऊंनी परंपरा में छलड़ी के दिन टोलियां घर-घर जाकर 'होल्यार' के रूप में गीत गाती हैं। इसके बदले घर के बुजुर्ग उन्हें गुड़, मिठाई और दक्षिणा देते हैं। बदले में होल्यार पूरे परिवार के लिए सुख-समृद्धि की मंगलकामना करते हैं, जिसे आशीष देना कहा जाता है। साथ ही वैज्ञानिक दृष्टि से भी यह समय वसंत ऋतु के आगमन का होता है। सर्दियों की विदाई और प्रकृति में नए फूलों के खिलने का स्वागत रंगों के माध्यम से किया जाता है। छलड़ी का महत्व कुमाऊंनी लोक वाद्ययंत्रों, जैसे ढोल और दमाऊ के बिना अधूरा है। 'खड़ी होली' और लोकगीत सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का काम करते हैं।

हल्द्वानी में फ्लैग मार्च कर होली का पर्व शांतिपूर्वक मनाने का संदेश देते पुलिस के अधिकारी व जवान। ● अमृत विचार

होली पर चारों सरकारी अस्पतालों की ओपीडी बंद

हल्द्वानी : होली पर्व के अवसर पर शहर के चारों प्रमुख सरकारी अस्पतालों की ओपीडी सेवाएं बंद रहेंगी। प्रबंधन के अनुसार बेस अस्पताल हल्द्वानी, डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय अस्पताल, राजकीय महिला अस्पताल हल्द्वानी और आयुष अस्पताल हल्द्वानी में होली के दिन बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) पूरी तरह बंद रहेगा। हालांकि, आयुष अस्पताल को छोड़कर अन्य सभी अस्पतालों में इमरजेंसी सेवाएं 24 घंटे संचालित की जाएंगी। आयुष अस्पताल में इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध नहीं है। अस्पताल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि गुरुवार से सभी अस्पतालों में ओपीडी सेवाएं पूर्व की भांति शुरू कर दी जाएंगी। त्योहार के दौरान किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त संख्या में चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती की गई है।

हुड़दंगियों को लास्ट अल्टीमेटम, खुले हैं हवालात के दरवाजे

हल्द्वानी : रमजान के बीच होली बेहद सौहार्दपूर्ण वातावरण में हो, इसके लिए पुलिस पिछले कई दिनों से मशक्कत कर रही है। पुलिस की नजर में खास तौर पर हुड़दंगी और शराब पीकर रश ड्राइविंग करने वाले लोग हैं। इन्हें पुलिस पिछले चार दिनों से लगातार चेतावनी दे रही है और अब लास्ट अल्टीमेटम जारी किया है। यानी अगर अब भी नहीं माने तो हवालात के दरवाजे पुलिस ने खोल रखे हैं। एसपी क्राइम डॉ .जगदीश चंद्र ने इसको लेकर एक वीडियो भी जारी किया है। उन्होंने एक लाइन में स्पष्ट किया है कि 'कोई भी ऐसा हुड़दंग न करें जिससे घर जाने के बजाय जेल जाना पड़े।' उन्होंने बताया कि होली पर 400 से ज्यादा पुलिसकर्मी मुस्तैद रहेंगे। पुलिस के साथ पीएसी, आर्म्ड फोर्स, सीपीयू, सादी वर्दी में पुलिसकर्मी भी शांति बनाएं रखने के लिए तैनात हैं। उन्होंने कहा, एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर पुलिस ने विशेष तैयारी की है। निर्देश पर सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में निरंतर गश्त, संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती करने के साथ सघन चेकिंग कर रहे हैं। शराब पीकर वाहन चलाने वालों, हुड़दंग, मारपीट और जबरन रंग लगाने वालों, सोशल मीडिया पर भ्रामक और आपत्तिजनक पोस्ट पर करने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी शुरू कर दी गई है। एसपी ने अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को या डायल 112 पर दें। संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च भी किया जा रहा है। पूरा शहर सीसीटीवी की नजर में हैं। ऐसे में मादक पदार्थों की अवैध तस्करी करने वाले भी सावधान रहें। मंगलवार को भी पुलिस ने संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च किया है और होली के दिन भी पुलिस सड़क पर पूरी तरह मुस्तैद नजर आएगी।

नाबालिगों को न चलाने दें वाहन, होगी कार्रवाई

हल्द्वानी : होली के रंग में रंगे नाबालिगों को दोपहिया और चार पहिया वाहनों पर फर्राटा भरना देखना आम बात है, लेकिन यही बात ऐसे नाबालिगों के अभिभावकों को हवालात की हवा खिला सकते हैं। पिछले कुछ हादसों पर नजर डालें तो तेज रफ्तार के शौकीन नाबालिगों की वजह से सड़क पर कई लोगों की जान चुकी है। ऐसे में अपने बच्चों के हाथ में वाहन थमाते समय सौ बार सोचें। यदि हादसा होता है तो मुकदमा अभिभावक पर दर्ज होगा और जेल भी हो सकती है।

कम रही यात्रियों की भीड़ बसों में खाली रहीं सीटें

रोडवेज स्टेशन पर नहीं दिखी यात्रियों की अधिक भीड़। ● अमृत विचार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : परिवहन निगम के लिए होली का त्योहार भी आय अर्जित करने के लिहाज से फीका रहा। आमतौर पर हर साल होली से पहले बसों में सीट पाने को लेकर मारामारी रहती थी। लेकिन इस साल होली से पहले रोडवेज स्टेशन में आम दिनों की तरह माहौल देखने को मिला। निगम की बसों में बड़ी संख्या में यात्रियों के जाने से निगम की आय में भी इजाफा होता है। हालांकि इस बार हालात बिल्कुल उलट हैं और बसों का सामान्य संचालन हो रहा है। खासकर दिल्ली जैसे प्रमुख रूट पर भी यात्रियों का नहीं होना निगम के लिए चिंताजनक है। हल्द्वानी डिपो से दिल्ली के लिए मंगलवार को मात्र 17 ही बसें भेजी गईं। जिसमें 10 सीएनजी, 4 वॉल्वो और 3 बसें निगम की भेजी गईं। जबकि 5 बसों को निरस्त करना पड़ा। दिल्ली से हल्द्वानी लौटने वाली बसों में भी यात्रियों की संख्या सामान्य रही। बरेली के लिए बड़ी संख्या में यात्रियों ने सफर किया और रूट पर 5 बसें भेजी गईं। इसी तरह देहरादून के लिए 6, टनकपुर के लिए 4, पीलीभीत और कानपुर के लिए भी 1-1 बस चलाई गई। इधर, जयपुर के लिए यात्री नहीं होने के कारण मंगलवार को भी शाम 4 बजे रवाना होने वाली बस को निरस्त करना पड़ा।

डग्गामारी ने भी डाला निगम की आय पर डाका

यात्रियों की संख्या घटने और परिवहन निगम की आय प्रभावित होने के पीछे एक प्रमुख कारण शहर में बढ़ती डग्गामारी है। बाहरी राज्यों की निजी बसों के बढ़ते दखल और परिवहन निगम की लचर व्यवस्था के चलते यात्रियों का निगम पर भरोसा कम होते जा रहा है। साथ ही ठोस प्रवर्तन कार्रवाई नहीं होने के कारण भी निजी बस ऑपरेटरों के हौंसले बुलंद हैं।

खूब बिकीं रंग-बिरंगी पिचकारियां

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: होली के त्योहार का असर मंगलवार को बाजारों में साफ तौर पर देखा गया। बाजार में इस बार बच्चों के लिए खास तौर पर सुपरहीरो थीम्स की पिचकारियां आकर्षण का केंद्र बनी। बैकपैक टैंक वाली पिचकारियों से लेकर प्रेशर वाली गन तक, दुकानों पर बच्चों की भारी भीड़ उमड़ी रही। वहीं, युवाओं के बीच फनी मुखौटों और रंगीन विग की भी खूब मांग है।

व्यापारी कमलेश का कहना है कि पिछले दो दिनों में ग्राहकों की संख्या में इजाफा हुआ है। इस साल बाजार के ट्रेंड में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला। लोग केमिकल युक्त पक्के रंगों के बजाय हर्बल और ऑर्गेनिक गुलाल को प्राथमिकता दी। इको-फ्रेंडली होली का संदेश अब जमीनी स्तर पर असर दिखा रहा है। इधर मिठाई की दुकानों पर गुजिया की खुशबू महकी। गुजिया के अलावा इस बार चॉकलेट, केसर और शुगर-फ्री गुजिया की वैरायटी भी खूब बिक्री हुई। व्यापारियों के अनुसार, सूखे मेवे और खोवा के दामों में हल्की बढ़ोतरी के बावजूद लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। आगे व्यापारी कमलेश ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों की तुलना में इस बार बाजार में रौनक और व्यापार, दोनों ही बेहतर हैं।

हल्द्वानी बाजार में रंग और पिचकारियां खरीदते लोग। ● अमृत विचार

तस्करी रोकने में विफल रहे दरोगा सादिक हुसैन सस्पेंड

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश न लगा पाने के आरोप में बड़ी कार्रवाई सामने आई है। एडीजी के सख्त निर्देशों के बाद एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने पुलिस लाइन में तैनात दरोगा सादिक हुसैन को निलंबित कर दिया है।

हाल ही में पूर्व एडीजी स्तर से एनडीपीएस एक्ट के तहत की जा रही कार्रवाई की समीक्षा को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में जिलेवार प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसमें नैनीताल लाइन की कार्रवाई को अपेक्षित स्तर से कमजोर बताया गया। विशेष रूप से दरोगा सादिक हुसैन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए एडीजी ने नाराजगी जताई और एसएसपी को कार्रवाई के निर्देश दिए। एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने संबंधित दरोगा को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया। संबंधित दरोगा पहले से ही लाइन हाजिर चल रहे थे, बावजूद इसके एनडीपीएस मामलों में ठोस परिणाम सामने नहीं आ पाए। एसएसपी ने स्पष्ट किया है कि होली के बाद समीक्षा बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें सभी थानों और प्रभारियों के कार्यों का मूल्यांकन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी रोकने में जिन अधिकारियों का योगदान शून्य होगा, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पानी की होगी अतिरिक्त आपूर्ति, टैंकर रहेंगे तैयार

हल्द्वानी : होली के त्योहार छलड़ी पर शहरवासियों को पानी की समस्या न हो, इसके लिए जल संस्थान ने विशेष प्रबंध किए हैं। रंगों के इस उत्सव में पानी की बढ़ती मांग को देखते हुए विभाग ने आज दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक अतिरिक्त पानी की आपूर्ति की जाएगी।

त्योहार के दौरान अक्सर मुख्य पाइपलाइनों पर दबाव बढ़ जाता है या कुछ क्षेत्रों में तक पानी नहीं पहुंच पाता। इस समस्या से निपटने के लिए जल संस्थान ने शहर के प्रमुख चौराहों और घनी आबादी वाले मोहल्लों के लिए अतिरिक्त पानी के टैंकरों से पानी की आपूर्ति की जाएगी। यदि किसी भी वार्ड में पानी की कमी होती है, तो क्षेत्रीय पार्षद या जनता जल संस्थान के कर्मचारियों से संपर्क कर सकती है।

अमृत विचार

हल्द्वानी , बुधवार, 4 मार्च 2026

हल्द्वानी

होली पर गौला नदी में खनन पर तीन दिन का ब्रेक

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : रंगों के पर्व के चलते गौला नदी में तीन दिन तक फावड़े बेल्चों की खन खन सुनाई नहीं देगी। नदी में शुक्रवार से नियमानुसार खनन शुरू होगा। होली के अवकाश में अवैध खनन नहीं हो इसलिए वन टीमें गश्त करेंगी।

हुड़दंगी नदी में नहाने पहुंचे तो खैर नहीं

रेंजर चंदन सिंह अधिकारी ने बताया कि होली पर नदी में नहाने वाले पकड़े गए तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि शिकायतें मिलती हैं कि होली पर अक्सर लोग नशे की हालत में या सामान्य अवस्था में भी नहाने गए और गश्ती टीमों अथवा सूचना पर पकड़े गए तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। वन विभाग का प्रयास रहेगा कि लोगों को गौला नदी में नहीं नहाने दिया जाए।

तराई पूर्वी वन डिवीजन के गौला रेंजर चंदन सिंह अधिकारी ने बताया कि गौला नदी में शीशमहल से शांतिपुरी तक 11 गेटों से 7,458 वाहनों से खनन होता है। उन्होंने कहा कि गौला नदी में तीन से पांच मार्च तक कुल तीन दिन खनन बंद रहेगा। सभी गेट बंद कर दिए गए हैं हालांकि नदी के रास्तों पर खाई नहीं खोदी गई है। इसके अलावा अवकाश अवधि में अवैध खनन नहीं हो इसलिए गौला रेंज की वन टीमों के साथ ही एसओजी टीम भी निगरानी करेगी। वहीं, छह मार्च को खनन फिर से शुरू होगा।

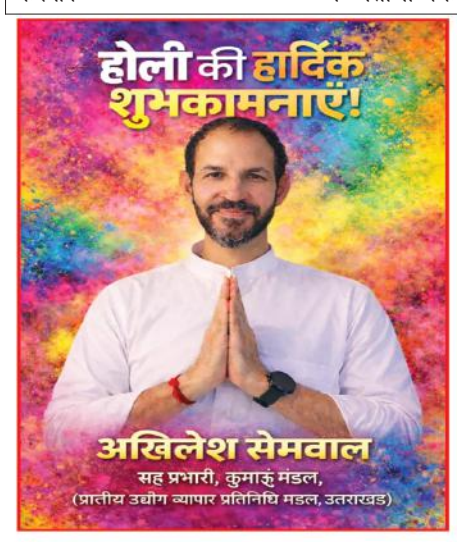

डॉ. पांडेय के निधन पर होली कार्यक्रम रद

हल्द्वानी: नैनीताल रोड स्थित शांतिनगर नागरिक समिति ने वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. सुरेश चंद्र पांडेय के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उनका निधन विगत दिनों एक सड़क दुर्घटना में हो गया था। मंगलवार को हुई शोक सभा में दो मिनट का मौन रखकर मृत आत्मा को श्रद्धांजलि दी गई। चार मार्च बुधवार को प्रस्तावित होली मिलन कार्यक्रम स्थगित किया गया। शोक व्यक्त करने वालों में समिति अध्यक्ष माधवी बेलवाल, गंगा बिष्ट, रूपा बिष्ट, एड. हीरा बल्लभ पलड़िया, जगदीश बिष्ट, नरेंद्र सिंह बिष्ट, त्रिलोक बेलवाल आदि रहे।

स्कूटी सवार दो चरस तस्कर गिरफ्तार

हल्द्वानी : खनस्यूं थानाध्यक्ष विजय पाल सिंह ने टीम के साथ खनस्यूं-हल्द्वानी मार्ग पर सिमलिया बैंड के पास चेकिंग कर रहे थे। पुलिस की चेकिंग को देख स्कूटी सवार मुड़कर भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर उन्हें दबोच लिया और तलाशी ली तो उनके पास से 200 ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम दीपक थुआल पुत्र जमन चन्द्र निवासी ग्राम हैड़ाखान और हर्षित रावत पुत्र अर्जुन सिंह रावत निवासी तल्ला कृष्णापुर तल्लीताल बताया। पहले की उम्र 21 और दूसरे की 22 वर्ष है। स्कूटी को सीज कर दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।

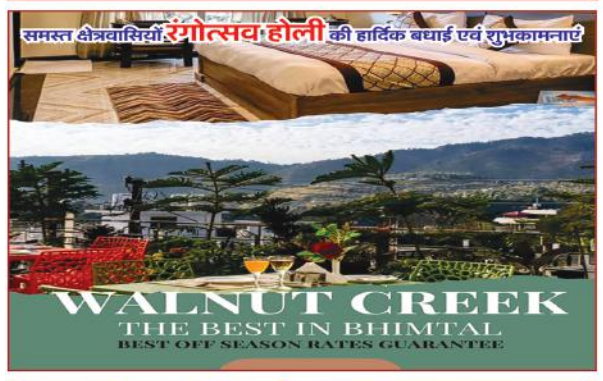

सिटी ब्रीफ

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद कल से जनपद दौरे पर

हल्द्वानी : पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद कल से जनपद नैनीताल के चार दिवसीय दौरे पर पहुंच रहे हैं। सूचना विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पूर्व राष्ट्रपति कोविंद कल यानी पांच मार्च को सुबह 11 बजे नई दिल्ली स्थित 12 जनपथ आवास से इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचेंगे। वह हवाई मार्ग से दोपहर 1 बजे पंतनगर स्थित एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वह दोपहर का भोजन करने के बाद दोपहर 2 बजे जीबी पंत विश्वविद्यालय से रवाना होकर लगभग तीन बजे काठगोदाम स्थित सर्किट हाउस पहुंचेंगे। यहां कुछ देर के हाल्ट के बाद भीमताल के लिए रवाना होगा। वह रात्रि विश्राम भीमताल में करेंगे। छह मार्च को मल्ला रामगढ़ और श्री रामचंद्र मिशन हिमालयन आश्रम सातखोल जाएंगे।

बाजार में मिलने वाले रासायनिक रंगों से एलर्जी, जलन, खुजली व संक्रमण की बनी रहती है आशंका, खानपान में भी बरतें सावधानी

रंग खेलें पर सावधानी से, आंखों और त्वचा की सुरक्षा का रखें खास ध्यान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः रंगों के त्योहार होली में जहां उमंग और उत्साह चरम पर होता है, वहीं थोड़ी सी लापरवाही आंख, त्वचा और बालों के लिए परेशानी का कारण बन सकती है। बाजार में मिलने वाले रासायनिक रंगों के कारण एलर्जी, जलन, खुजली और संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में चिकित्सकों ने लोगों से सावधानी बरतने और सुरक्षित तरीके से होली खेलने को कहा है।

बेस अस्पताल हल्द्वानी के पीएमएस व नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. केएस दत्ताल ने बताया कि होली के दौरान सबसे अधिक खतरा आंखों का होता है। रंगों में मौजूद केमिकल से आंखों में जलन, लालिमा, पानी आना या कॉर्निया में खरोंच तक की समस्या हो सकती है। उन्होंने सलाह दी कि होली खेलते समय चश्मे का प्रयोग करें, कॉन्टैक्ट लेंस न लगाएं और यदि रंग आंख में चला जाए तो तुरंत साफ पानी से आंख धोएं। जलन या दर्द बना रहे तो नजदीकी अस्पताल में तुरंत दिखाएं। आंखों को रगड़ना बिल्कुल नहीं चाहिए, इससे चोट गहरी हो सकती है।

त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीष के अनुसार होली खेलने से पहले चेहरे और खुले हिस्सों पर मॉइस्चराइजर या नारियल तेल लगाना चाहिए, जिससे रंग सीधे त्वचा में न समाए। फुल स्लीव कपड़े पहनना बेहतर रहता है। रंग छुड़ाने के लिए बार-बार साबुन का प्रयोग न करें, बल्कि हल्के क्लींजर और गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। जिन लोगों को पहले से एलर्जी या एक्जिमा की शिकायत है, वे खास सावधानी बरतें।

बालों की सुरक्षा के लिए भी पहले से तेल लगाना जरूरी है। सूखे बालों पर रंग तेजी से चिपकता है और उन्हें रूखा बना देता है। होली के बाद माइल्ड शैम्पू और कंडीशनर का उपयोग करें। बार-बार शैम्पू करने से बाल कमजोर हो सकते हैं।

बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. ऋतु रखोलिया ने कहा कि छोटे बच्चों की त्वचा और आंखें अधिक संवेदनशील होती हैं। बच्चों को केवल प्राकृतिक या हर्बल रंगों से ही होली खेलने दें।

उनके नाखून छोटे रखें ताकि खुजलाने से त्वचा न छिले। यदि बच्चे रंग या पानी गलती से मुंह में ले लें और उल्टी, पेट दर्द या जलन की शिकायत हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। चिकित्सकों का कहना है कि थोड़ी सी सतर्कता से होली का त्योहार सुरक्षित और आनंददायक बनाया जा सकता है। आंख, त्वचा, बाल और खानपान का ध्यान रखते हुए ही रंगों के इस पर्व का आनंद उठाएं, ताकि त्योहार की खुशियां किसी परेशानी में न बदलें।

मधुमेह और हृदय रोग रखें ध्यान

हल्द्वानी : होली पर गुझिया, नमकीन, चिप्स और अन्य चटपटे व्यंजनों का सेवन भी अधिक हो जाता है। चिकित्सकों के अनुसार अत्यधिक तला-भुना और मसालेदार भोजन गैस, एसिडिटी, उल्टी-दस्त और पेट दर्द की समस्या पैदा कर सकता है। त्योहार के दौरान पर्याप्त पानी पिएं, बीच-बीच में फल और सलाद लें तथा ओवरईटिंग से बचें। मधुमेह और हृदय रोग के मरीज मिठाइयों का सीमित मात्रा में सेवन करें। एसटीएच के एमएस डॉ. अरुण जोशी ने कहा कि अगर आप पहले से ही बीमार हैं तो होली पर खान का पान ध्यान जरूर ध्यान रखें।

स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार की मौत

रामनगरः रामनगर के पीरूमदारा चौकी क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 309 पर मंगलवार को दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां मातम में बदल दीं।

रामनगर के पीरूमदारा चौकी क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-309 पर मंगलवार को हुए सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने ओवरटेक करते समय बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे संयुक्त चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान सोहन लाल (61) निवासी भवानीपुर खुल्बे के रूप में हुई है। वह काशीपुर में निजी कंपनी में चालक थे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

आरटीई : 24 मार्च से 2 अप्रैल तक करें आवेदन

6 से 15 मार्च तक निजी स्कूल ऑनलाइन पोर्टल पर कर सकेंगे आवेदन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जिले में शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को निजी स्कूलों में प्रवेश दिलाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। शिक्षा विभाग ने इसके लिए विस्तृत शेड्यूल जारी कर दिया है।

मुख्य शिक्षा अधिकारी (सीईओ) गोविंद राम जयसवाल ने बताया कि 6 से 15 मार्च तक ऑनलाइन पोर्टल पर नए निजी विद्यालयों के पंजीकरण किए जाएंगे। साथ ही पहले से पंजीकृत निजी स्कूलों की ओर से अपने डेटा को अपडेट किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 23 मार्च तक खंड शिक्षाधिकारी (बीईओ) कार्यालय स्तर पर पंजीकृत निजी विद्यालयों की मान्यता की जांच, आरटीई के अंतर्गत आरक्षित सीटों की गणना और अन्य आवश्यक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। प्रक्रिया के तहत निजी विद्यालयों में प्रवेश के लिए अभिभावक 24 मार्च से 2 अप्रैल तक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। इसके बाद खंड शिक्षाधिकारी कार्यालय स्तर पर आवेदन पत्रों की जांच और विद्यार्थियों की पात्रता का सत्यापन किया जाएगा। प्रवेश प्रक्रिया के तहत 17 अप्रैल को लॉटरी निकाली जाएगी, जबकि 18 अप्रैल को लॉटरी के परिणाम घोषित किए जाएंगे। 18 से 30 अप्रैल के बीच चयनित बच्चों की सूची पोर्टल पर अपलोड कर दी जाएगी। शिक्षा विभाग ने अभिभावकों से तिथियों का पालन करते हुए समय पर आवेदन करने की अपील की है, ताकि पात्र बच्चों को आरटीई के तहत निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का लाभ मिल सके। सीईओ जायसवाल ने कहा कि विभाग ने आरटीई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बताया कि विभाग का उद्देश्य है कि आरटीई के तहत सभी पात्र विद्यार्थियों को प्रवेश मिले।

वार्ड के 1 किमी परिधि में स्थित स्कूलों में मिलेगी प्राथमिकता

आरटीई के तहत आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को वार्ड के 1 किमी की परिधि में स्थित स्कूल में प्रवेश मिलेगा। ऑनलाइन लॉटरी खुलने के बाद स्कूल आवंटित किया जाएगा। निजी स्कूलों में कुल सीटों का 25 प्रतिशत सीट आरटीई के लिए आरक्षित रखना जरूरी है। इसके तहत आर्थिक रूप से पिछड़े बच्चों के साथ ही आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के बच्चों को निजी स्कूल में प्रवेश मिलेगा।

बाघ के हमले में मारी गई महिला के परिजनों को चेक सौंपते विधायक बंशीधर भगत।

विधायक भगत ने मृतका के परिजनों को चेक सौंपा

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : वन विभाग ने बाघ के हमले में मारी गईं कमला फर्त्याल के परिजनों को मुआवजा राशि प्रदान की। कालाढूंगी विधायक बंधीधर भगत और रामनगर डीएफओ ध्रुव सिंह मर्तोलिया ने मृतका के परिजनों को 10 लाख रुपये का चेक सौंपा।

वन अधिकारियों के अनुसार, बीती 25 फरवरी को पनियाली के जंगलों में घास लेने गई कमला फर्त्याल (55) निवासी पनियाली, कठघरिया को बाघ ने निवाला बना लिया था। उनका अधखाया क्षत-विक्षत शव जंगल में दो किमी अंदर से बरामद हुआ था। इधर, मंगलवार को विधायक भगत व डीएफओ मर्तोलिया कमला फर्त्याल के पनियाली स्थित आवास पहुंचें और शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात की। विधायक ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि यह घटना अत्यंत पीड़ादायक है। इस कठिन समय में पूरा क्षेत्र, प्रशासन और सरकार पीड़ित परिवार के साथ है। फिर उन्होंने मृतका कमला की पुत्री भावना फर्त्याल को 10 लाख की मुआवजा राशि का चेक सौंपा। उन्होंने डीएफओ को क्षेत्र में बाघ की बढ़ती गतिविधियों को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

डीएफओ ने बताया कि बाघ को पकड़ने के लिए पिंजड़े लगाए गए हैं, पशु चिकित्सकों के नेतृत्व में दो टीमें बाघ की तलाश में जंगलों की खाक छान रही हैं। संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ाने के साथ ही ग्रामीणों से भी जंगलों में नहीं जाने की अपील की है। इस दौरान ग्राम प्रधान कपिल देवका, दलीप बिष्ट, भुवन चंद्र कर्नाटक, जगदीश देवका, भूपाल दत्त कांडपाल, नीलू नेगी रहे।

हकीकत में दगा दे गया दिल या साजिशन ट्रिगर हुआ हार्ट अटैक

सर्वेश तिवारी, हल्द्वानी

अमृत विचार : शहर के व्यवसायी अरुण सिंह बिष्ट की अचानक हुई मौत को लेकर अब कई गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। शुरुआती तौर पर मौत की वजह हार्ट अटैक बताई गई, लेकिन घटना के बाद से व्यापारी का मोबाइल फोन गायब होना पूरे मामले को संदिग्ध बना रहा है। संभावना ऐसी भी है कि जिस हार्ट अटैक को नेचुरल डेथ माना जा रहा है वो कहीं प्लांटेड हार्ट अटैक तो नहीं?

तल्ली हल्द्वानी निवासी अरुण सिंह बिष्ट का शव शनिवार की सुबह तकरीबन 9 बजे एसटीएच के बाहर उनकी कार से बरामद किया गया। शव शुक्रवार की सुबह 10 बजे से ही कार में पड़ा था। मौत के बाद से उनका मोबाइल और अंगूठी गायब है। सीसीटीवी में दो बार में दो दोपहिया सवार अरुण की कार के पास रुके। इनमे से एक ने अरुण का मोबाइल और अंगूठी पार कर दिया।

मोबाइल और अंगूठी चोरी करने वालों की नीयत चोरी थी या फिर साजिश, ये जांच का विषय है। हालांकि यदि यह साजिश है तो विशेज्ञयों का मानना है कि हार्टअटैक को जबरन पैदा भी किया जा सकता है। क्राइम और मेडिकल साइंस से जुड़े विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ विशेष परिस्थितियों में हार्ट अटैक को ट्रिगर किया जाना सैद्धांतिक रूप से संभव है। कुछ दवाएं या केमिकल सीधे दिल की कार्यप्रणाली को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे कार्डियक अरेस्ट की स्थिति पैदा हो सकती है। इसके अलावा अत्यधिक मानसिक दबाव, डर या तनाव भी अचानक हार्ट अटैक का कारण बन सकता है।

विशेषज्ञ यह भी बताते हैं कि कई बार पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह "हार्ट अटैक" लिख दी जाती है, लेकिन यदि विसरा जांच और टॉक्सिकोलॉजी रिपोर्ट गहराई से न हो तो बाहरी कारणों की पहचान मुश्किल हो जाती है। कोतवाल विजय मेहता का कहना है कि मामले में अभी पोस्टमार्टम रिपोर्ट का आना बाकी है। विसरा सुरक्षित कर लिया गया है। जरूरत पर इसकी भी जांच कराई जाएगी। इसके बाद ही मौत के सही कारण पता लगेंगे। मोबाइल और अंगूठी ले जाने वाले की तलाश की जा रही है।

मोबाइल फोन सबसे अहम कड़ी

हल्द्वानी : इस पूरे मामले में सबसे महत्वपूर्ण पहलू मृतक का मोबाइल फोन माना जा रहा है। मोबाइल में अंतिम कॉल, संदेश, हालिया संपर्क, लोकेशन और किसी संभावित विवाद से जुड़े सुबूत मौजूद हो सकते हैं। ऐसे मामलों में मोबाइल का गायब होना अक्सर सबूत मिटाने की आशंका को जन्म देता है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि यदि मोबाइल बरामद होता है तो कॉल डिटेल रिकॉर्ड्स और डिजिटल डेटा से मौत से पहले के आखिरी घंटों की पूरी तस्वीर सामने आ सकती है।

'संदेहास्पद परिस्थितियों में मृत्यु' का केस

हल्द्वानी : फिलहाल यह मामला "संदेहास्पद परिस्थितियों में हुई मौत" की श्रेणी में देखा जा रहा है। जांच अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट, विसरा जांच और डिजिटल साक्ष्यों पर टिकी हुई है। हालांकि इस मामले में अभी तक परिजनों की ओर से कोई बयान या तहरीर सामने नहीं आई है। क्राइम एक्सपर्ट्स की मानें तो हर हार्ट अटैक हत्या नहीं होता, लेकिन हर संदिग्ध हालात में हुआ हार्ट अटैक सिर्फ नेचुरल भी नहीं माना जा सकता।

हार्ट अटैक कैसे 'ट्रिगर' कराया जा सकता है?

हल्द्वानी : सिर्फ क्राइम थ्योरी और जांच के नजरिए से देखें तो कुछ दवाइयों और केमिकल के जरिये हार्ट अटैक को ट्रिगर कराना संभव है। कुछ दवाएं या केमिकल ऐसे होते हैं जो अचानक ब्लड प्रेशर बढ़ा देती हैं, हार्ट रिदम बिगाड़ देती हैं और कोरोनरी आर्टरी में स्पाज़्म पैदा कर देती हैं। पोस्टमॉर्टम में अक्सर ये पकड़ में नहीं आते, जब तक कि विसरा सुरक्षित किया जाए और टॉक्सिकोलॉजी जांच कराई जाए। मानसिक दबाव या डर से भी हार्ट अटैक हो सकता है।

आयुक्त व डीएम ने दी होली की बधाई

हल्द्वानी : कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत ने मंडलवासियों को होली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने समस्त नागरिकों से अपील की है कि होली का पर्व सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मनाएं तथा सामाजिक मर्यादाओं का पालन करें। आयुक्त ने इस संबंध में मंडल के सभी जिलाधिकारियों एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि जनपद स्तर पर लगातार संयुक्त रूप से चेकिंग अभियान चलाया जाए।

उधर जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने जनपदवासियों को होली पर्व की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि रंगों का यह पावन त्योहार सभी के जीवन को सुख, शांति, समृद्धि और आपसी भाईचारे के रंगों से भर दे। यह पावन अवसर हमें प्रेम, सद्भाव और एकता का संदेश देता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि होली का पर्व सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मनाएं तथा सामाजिक मर्यादाओं का पालन सुनिश्चित करें।

खाड़ी देशों में फंसे लोगों का डाटा जुटाएगा प्रशासन

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- सीडीओ ने जिला पंचायत राज, राजस्व व खंड विकास से जुड़े अधिकारियों को दिए डाटा संकलन के निर्देश

अमृत विचार : जिला प्रशासन ने खाड़ी देशों में फंसे हुए नागरिकों का डाटा जुटाना शुरू कर दिया है। इसके लिए उन्होंने जिला पंचायती राज, खंड विकास अधिकारियों एवं तहसीलदारों को जरूरी दिशा निर्देश दिए हैं।

सीडीओ अरविंद पांडे ने बताया कि संज्ञान में आ रहा है कि जनपद के नागरिक खाड़ी देशों में फंसे हुए हैं। खाड़ी देशों में तनाव और मिसाइलों से हमले हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि डीएम ललित मोहन रयाल ने खाड़ी देशों में फंसे लोगों का डाटा जुटाने को कहा है। साथ ही फंसे हुए लोगों का डाटा भी केंद्र से शेयर किया जाएगा ताकि उनके रेस्क्यू के लिए प्रयास किया जा सके।

इसी क्रम में सीडीओ ने जिला पंचायत राज अधिकारी, जिले के सभी तहसीलदारों व और खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों, क्षेत्रीय राजस्व उपनिरीक्षकों के माध्यम से डाटा संकलन किया जाए। साथ ही इस डाटा को तीन दिनों के भीतर मुहैया कराया जाए।

डाटा में इन बिंदुओं को किया जाएगा शामिल

हल्द्वानी : सभी विभाग खाड़ी देशों में फंसे हुए लोगों के नाम, पिता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, खाड़ी देशों के नाम (जिसमें रह रहे हैं), कब से रह रहे हैं, परिजनों का मोबाइल नंबर व अन्य जानकारियां जुटाई जाएंगी। सीडीओ ने संबंधित विभागों से इसी फॉर्मेट में डाटा जुटाने के लिए कहा है।

कोल्ट्स क्रिकेट एकेडमी में होली मिलन कार्यक्रम में रंगों में सराबोर क्रिकेटर।

कोल्ट्स क्रिकेट एकेडमी में होली मिलन की धूम

हल्द्वानी : रंगों के पावन पर्व होली के उपलक्ष्य में कोल्ट्स क्रिकेट एकेडमी में भव्य होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एसोसिएशन के सदस्यों और क्रिकेटरों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर भाईचारे का संदेश दिया और पर्व की खुशियां साझा कीं। सोमवार शाम को आयोजित इस उत्सव में क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने कुमाऊंनी होली के गीतों और संगीत की थाप पर जमकर नृत्य किया। देर रात तक चले इस कार्यक्रम के दौरान पूरा माहौल होली के रंगों और हर्षोल्लास से सराबोर रहा। सभी उपस्थित सदस्यों ने एक-दूसरे को गले लगकर होली की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर क्रिकेट जगत के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और अन्य लोग मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के अध्यक्ष दीपक मेहरा, जिला क्रिकेट एसोसिएशन अल्मोड़ा के सचिव हर्ष गोयल, और जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष कमल पपनै शामिल थे।

जौहार समाज की महिलाओं ने धूमधाम से मनाया रंगोत्सव

हल्द्वानी : जौहर शौका समाज की महिलाओं ने लोकगीतों पर नृत्य व गीत गाकर रंगोत्सव मनाया। मंगलवार को जौहार शौका महिला संगठन हल्द्वानी की ओर से एमबीपीजी कॉलेज रोड स्थित जौहार मिलन केंद्र सभागार में खड़ी होली का पर्व मनाया।

इसमें हल्द्वानी के विभिन्न मोहल्लों के जौहार शौका समाज की महिलाओं ने होली गीतों व भजनों पर नृत्य किया। इस होली का आयोजन बिठौरिया, कुसुमखेड़ा, पीलीकोठी के 48 परिवारों की ओर से किया गया। इस दौरान जौहार शौका महिला संगठन की अध्यक्ष पुष्पा धर्मसक्तू, सचिव चमेली जंगपांगी, सांस्कृतिक सचिव विमला, जमुना, ममला, द्रौपदी, नीमा, कमला, शांति आदि रहीं।

अमृत विचार

हल्द्वानी, बुधवार, 4 मार्च 2026 नैनीताल

रामनगर में अलग-अलग मुहूर्त में हुआ होलिका दहन

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: रामनगर नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अलग-अलग समय पर होलिका दहन किया गया। ग्रामीण एवं पर्वतीय मोहल्लों में सोमवार की रात होली जलाई गई, जबकि नगर क्षेत्र में मंगलवार प्रातः 4 बजे से 5 बजकर 30 मिनट तक शुभ मुहूर्त में विधि-विधान के साथ होलिका दहन किया गया।

होलिका दहन के अवसर पर श्रद्धालु अपने हाथों में गन्ना लेकर पहुंचे और पूजा-अर्चना की। मान्यता है कि गन्ना अर्पित करने से जीवन में समृद्धि, सुख-शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। सोमवार की सायं महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में पूजा-अर्चना की, वहीं पुरुषों और बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक इस धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया। पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा संपन्न कराई गई। होलिका में अग्नि प्रज्वलित होते ही श्रद्धालुओं ने परिक्रमा कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। कई लोगों ने नई फसल के प्रतीक के रूप में गन्ना अग्नि में अर्पित किया और एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं।

रामगंगा में मर्चुला क्रोकोडाइल प्वाइंट पर दिखा रोमांचक नजारा, मौके पर मौजूद पर्यटकों ने कैमरों में किया कैद

बेफिक्र हिरण को मगरमच्छ ने पल भर में बनाया निवाला

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के बीचों-बीच बहने वाली रामगंगा नदी से मंगलवार को एक ऐसा दृश्य सामने आया, जिसने देखने वालों के रोंगटे खड़े कर दिए। मर्चुला के प्रसिद्ध क्रोकोडाइल प्वाइंट पर एक मगरमच्छ ने पलक झपकते ही हिरण (काकड़) को अपना शिकार बना लिया। यह पूरा घटनाक्रम वहां मौजूद पर्यटकों और स्थानीय लोगों के कैमरों में कैद हो गया और देखते ही देखते वीडियो वायरल हो गया।

वीडियो में दिखाई देता है कि एक हिरण बेखबर नदी किनारे पानी पीने पहुंचता है। उसे जरा भी आभास नहीं होता कि रेत पर लकड़ी की तरह स्थिर पड़ा एक मगरमच्छ घात लगाए है। जैसे ही हिरण उसके करीब पहुंचता है, मगरमच्छ बिजली की फुर्ती से हमला कर हिरण को अपने जबड़ों में जकड़ लेता है। हिरण संभल पाता, उससे पहले ही मगरमच्छ उसे घसीटते हुए रामगंगा के गहरे पानी में ले जाता है। पानी में उतरते ही दोनों कुछ क्षणों में ओझल हो जाते हैं। यह पूरा दृश्य जंगल के उस कठोर सच को सामने लाता है, जहां हर पल जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष जारी रहता है।

रामगंगा नदी में निश्चिंत होकर निकलता हिरण।

रेत में लेटे मगरमच्छ के पास पहुंचता हिरण।

हिरण को जबड़े में दबाकर नदी में ले जाता मगरमच्छ।

जंगल में हर पल संघर्ष

यह दृश्य जहां पर्यटकों के लिए रोमांच और हैरानी का कारण बना, वहीं वन्यजीवन की वास्तविकता को भी उजागर करता है। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक डॉ. साकेत बडोला ने बताया कि यह पूरी तरह प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा है। शिकारी और शिकार दोनों ही पारिस्थितिकी तंत्र (ईको सिस्टम) के महत्वपूर्ण अंग हैं। ऐसी घटनाएं जंगल के संतुलन को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती हैं।

पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र

रामगंगा नदी और मर्चुला क्षेत्र वन्यजीव प्रेमियों के लिए लंबे समय से आकर्षण का केंद्र रहे हैं। यहां प्रकृति का अनछुआ और वास्तविक रूप अक्सर देखने को मिल जाता है। सीटीआर के निदेशक डॉ. बडोला ने पर्यटकों से अपील की है कि वे जंगल सफारी के दौरान पूरी सावधानी बरतें और किसी भी वन्य जीव को परेशान न करें। जंगल का हर दृश्य रोमांचक जरूर होता है, लेकिन यह प्रकृति का अपना नियम और संतुलन है, जिसे समझना और सम्मान देना आवश्यक है।

लेक्स इंटरनेशनल में पारंपरिक बैठकी होली की रंगारंग प्रस्तुति

चीर बंधन की होली सिद्धि को दाता विघ्न विनाशन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: लेक्स इंटरनेशनल स्कूल में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बैठकी होली धूमधाम के साथ मनाई गई। विद्यालय प्रांगण में शिक्षकों द्वारा चीर बंधन की होली सिद्धि को दाता विघ्न विनाशन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके उपरांत कक्षा पांचवीं से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने होली आई रे कन्हाई, कान्हा मार गयो रे आदि होलियों एवं नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया।

कक्षा 11वीं की छात्रा मान्या मुटनेजा ने होली के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। शिक्षक वर्ग द्वारा अजब होली खेलें भोले बाबा, मेरो रंगीलो देवर घर ऐरो छ, राजा दशरथ के वीर तथा हो मुबारक मंजरी फूलों भरी की सामूहिक प्रस्तुति दी गई। शिक्षिका हेमा मेहता ने मेरी साड़ी पे मत डालो रंग रसिया, उर्वशी पांडे ने नदी यमुना के तीर, किरण रौतेला ने होलियों में गूंजे रे गुलाल, ममता तिवारी ने कन्हैया तुम्हें जाने न दूंगी, डॉ. नीता पंत ने रंग डालो न मुझ पर बार-बार तथा संगीत शिक्षक अजय कुमार ने नथ बेसर बलम मंगवा दे प्रस्तुत कर कार्यक्रम को संगीतमय बना दिया।

लेक्स इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित बैठकी होली कार्यक्रम। ● अमृत विचार

समापन अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य एसएस नेगी ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को सपरिवार होली की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यालय एक आवासीय संस्थान है, जहां देश के विभिन्न प्रांतों से विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करने आते हैं। ऐसे में सभी को उत्तराखंड की संस्कृति से परिचित कराना आवश्यक है, ताकि वे इस प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत से जुड़ सकें।

कार्यक्रम का संचालन कक्षा छह की छात्राओं एंजल सौम्या एवं मनुश्री पंत ने किया। संगीत विभाग के अमृत कुमार ने तबले पर, अजय कुमार ने हारमोनियम पर तथा राजेश चंद्रा ने खंजड़ी पर संगत दी। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक मंडल से पीके चौहान, अभिभावकगण, समस्त शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

धानाचूली में होली गाते होल्यार। ● अमृत विचार

होली के रंगों में रंगे होल्यार घर-घर गूंज रही खड़ी होली

संवाददाता, धानाचूली

अमृत विचार: पर्वतीय अंचल में इन दिनों होली का उल्लास अपने चरम पर है। धानाचूली, चौखुटा, धारी, ओखलकांडा और रामगढ़ क्षेत्र के गांव-गांव में होल्यार पारंपरिक वेशभूषा में सजकर घर-घर पहुंच रहे हैं। ढोलक, मंजीरे और हारमोनियम की मधुर थाप पर गाई जा रही खड़ी होली से पूरा वातावरण भक्तिरस और श्रृंगार रस में सराबोर है।

ग्रामीण सुबह से ही टोलियां बनाकर निकल पड़ते हैं। किसी घर के आंगन में कृष्ण-राधा के संवादों पर आधारित खड़ी होली गाई जाती है, तो कहीं शिव-पार्वती की छेड़छाड़ से माहौल रंगीन हो उठता है। होली के इस रंगारंग माहौल में गांवों में विशेष पकवानों की भी धूम है। सूजी का हलवा, आलू के गुटके, गुजिया और पकौड़ी बनाकर होल्यारों का स्वागत किया जा रहा है। हर घर में अतिथियों को अबीर-गुलाल लगाकर मिठाई खिलाने की परंपरा आज भी जीवित है। पर्वतीय अंचल की खड़ी होली की खासियत यह है कि यह केवल रंग खेलने तक सीमित नहीं, बल्कि शास्त्रीय रागों पर आधारित सामूहिक गायन की परंपरा है। देर रात तक बुजुर्गों के साथ युवा पीढ़ी भी पूरे उत्साह से भाग ले रही है, जिससे लोकसंस्कृति को नया जीवन मिल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि खड़ी होली आपसी भाईचारे और प्रेम का संदेश देती है। रंगों का यह पर्व पहाड़ की वादियों में एकता और उल्लास की नई छटा बिखेर रहा है।

ऑल सेंट्स कॉलेज में होली पर प्रस्तुति देतीं विद्यालय की छात्राएं। ● अमृत विचार

ऑल सेंट्स कॉलेज में बिखरी रंगों की छटा

नैनीताल : होली के पावन अवसर पर ऑल सेंट्स कॉलेज में उल्लास, उमंग और रंगों का अनुपम संगम देखने को मिला। विद्यालय परिसर रंग-बिरंगी सजावट और उत्साह से सराबोर रहा। कक्षा 1 से लेकर कक्षा 12 तक के सभी बोर्डर्स ने अपने होम अवे फ्रॉम होम में एक परिवार की तरह मिलकर होली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ बच्चों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों से हुआ। विद्यार्थियों ने लोकप्रिय होली गीतों पर रंगारंग नृत्य कर वातावरण को उत्सवमय बना दिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या एंजिना रिचर्ड्स ने समस्त विद्यार्थियों एवं स्टाफ को रंगों के इस पावन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए सभी के लिए एक रंगीन, हर्षोल्लासपूर्ण, आनंदमय एवं सुरक्षित होली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर यह स्पष्ट रूप से अनुभव किया गया कि विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र ही नहीं, बल्कि संस्कार, परंपरा और पारिवारिक स्नेह का भी सशक्त माध्यम है।

फ्लैग मार्च निकालते कार्बेट पार्क के अधिकारी एवं कर्मचारी।

वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए कॉर्बेट में फ्लैग मार्च

रामनगर : होली पर्व के मद्देनज़र वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर उच्च स्तर से लगातार दिशा-निर्देश जारी किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क के पार्क वार्डन बिंदर पाल के नेतृत्व में बिजरानी उप प्रभाग की बिजरानी रेंज, सर्पदुली रेंज, सुरक्षा इकाई तथा रामनगर वन प्रभाग की कोसी रेंज और स्थानीय पुलिस बल के साथ गर्जिया वन परिसर से सांवल्दे वन परिसर तक फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च से पूर्व समस्त स्टाफ गर्जिया परिसर में एकत्रित हुआ, जहां पार्क वार्डन द्वारा ब्रीफिंग कर होली के दौरान अवैध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने और उन्हें विफल करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने वन एवं वन्यजीव संरक्षण हेतु नियमित सघन गश्त, कॉम्बिंग और रात्रि एंबुश संचालन के निर्देश भी दिए। बिजरानी रेंज के वन क्षेत्राधिकारी नवीन चंद्र पांडे ने वन क्षेत्र के आसपास निवासरत ग्रामीणों से विशेष अनुरोध किया कि वे घरों के आसपास कूड़ा न जलाएं, क्योंकि इससे वनाग्नि फैलने का खतरा बढ़ जाता है। यह फ्लैग मार्च गर्जिया परिसर से ढिकुली-लदुवा मार्ग होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग-309 से लखनपुर चौक-कोटद्वार रोड, चोरपानी, गौजानी, कानियां, हिम्मतपुर डोटियाल होते हुए सांवल्दे परिसर तक पहुंचा।

ब्रीफ न्यूज

100 किलो मांस के साथ आरोपी दबोचा

रुड़की : कोतवाली रुड़की पुलिस ने मंगलवार को 100 किलोग्राम पशु के मांस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। टीम प्रभारी एसआई आनंद मेहरा ने बताया कि सूचना मिली थी कि इमली चौक स्थित साजिद टेंट हाउस के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से भैंस वंशीय पशु का मांस बिक्री के उद्देश्य से ले जा रहा है। टीम ने तत्काल मौके पर दबिश दी और आरोपी शहजाद पुत्र रईस निवासी रामपुर, कोतवाली गंगनगर रुड़की को मौके से पकड़ लिया गया। उसके कब्जे से 100 किलो भैंस वंशीय मांस बरामद हुआ। आरोपी के विरुद्ध पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है।

आम की बौर से एलर्जी लोग पहुंच रहे हैं अस्पताल

देहरादून : इन दिनों देहरादून में आम और लीची के पेड़ पर बौर आए हुए हैं. जो देखने में खूबसूरत लग रहे हैं, लेकिन बौर से निकलने वाले पोलन के संपर्क में आने कुछ लोग एलर्जी, सांस की दिक्कत जैसी समस्याओं से दो चार हो रहे हैं. यही वजह है कि दून अस्पताल की ओपीडी में एलर्जी से संबंधित मरीज ज्यादा पहुंच रहे हैं। भले ही यह एक सामान्य मौसमी समस्या है, लेकिन ऐसे मरीजों की संख्या दून अस्पताल में बढ़ रही है. ऊपर से ड्राई मौसम बीमारियों का कारण बन रहा है. मौसम के शुष्क होने से ड्राइनेस बढ़ रही है, जिससे हवा के साथ धूल का कंपोनेंट बढ़ गया है. इससे लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। राजकीय दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल देहरादून के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. आरएस बिष्ट का कहना है कि देहरादून लीची और आम के लिए प्रसिद्ध रहा है. इन दिनों लीची और आम के पेड़ों पर बौर आनी शुरू हो गई है, जो एलर्जी का मुख्य कारण बन रही है. इससे निकलने वाले पोलन या बौर के रोंगटेदार रेशों की वजह से लोगों को खुजली, सांस लेने मे दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा।

होली पर आज ऋषिकेश में राफ्टिंग पूर्णतः बंद

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड में होली पर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से मुनि की रेती थाना क्षेत्र में गंगा नदी में राफ्टिंग संचालन पर आज रंगोत्सव पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

प्रशासन ने हुड़दंग और संभावित दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए यह निर्णय लिया है। गंगा नदी राफ्टिंग प्रबंधन समिति के सचिव जशपाल चौहान ने बताया कि होली के दिन गंगा में रिवर राफ्टिंग पूरी तरह बंद रहेगी। यदि कोई भी आदेशों का उल्लंघन करते हुए राफ्टिंग करता पाया गया तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंगलवार को जानकारी देते हुए थाना प्रभारी मुनि की रेती प्रदीप चौहान ने बताया कि होली के मद्देनजर क्षेत्र में व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। थाना एवं चौकी प्रभारियों को चप्पे-चप्पे पर निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस गश्त बढ़ाई जाएगी तथा पूरे क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार नजर रखी जाएगी। कहा कि पुलिस जवानों की तैनाती के साथ कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता बरती जाएगी, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो और पर्व शांतिपूर्ण हो सके।

6 से 9 मार्च के बीच हो रहे टिहरी लेक फेस्टिवल में 9 स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे ट्रैकिंग अभियान

हिमालय के ट्रैकिंग रूट्स से परिचित कराएगा टिहरी लेक फेस्ट

संवाददाता, टिहरी

अमृत विचार: टिहरी के पयर्टन को बढ़ावा देने के लिए आगामी 6 से 9 मार्च के बीच आयोजित किए जा रहे टिहरी लेक फेस्टिवल के दौरान जिले में 9 स्थानों पर ट्रैकिंग अभियान भी संचालित किए जाएंगे जिसके जरिए प्रतिभागी, हिमालय की खूबसरती का दीदार करने के साथ ही ग्रामीण जनजीवन से भी परिचित होंगे।

झील के कारण टिहरी हाल के समय में वाटर स्पोर्ट्स का बड़ा डेस्टिनेशन बन चुका है लेकिन टिहरी में इसके अलावा भी पयर्टकों के लिए बहुत कुछ छिपा हुआ है। खासकर पहाड़ी ढलानों, जंगलों और बुग्याल से होकर गुजरने वाले ट्रैकिंग रूट्स, इसलिए जिला प्रशासन टिहरी लेक फेस्टिवल के दौरान पयर्टकों को नया अनुभव दिलाने के लिए 9 स्थानों पर ट्रैकिंग अभियान संचालित करने जा रहा है। उक्त सभी ट्रैकिंग अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित किए जाएंगे, जिस कारण पयर्टक टिहरी के ग्रामीण जनजीवन से भी परिचित हो सकेंगे।

जिलाधिकारी नीतिका खंडेलवाल का कहना है कि, इन ट्रैकिंग अभियानों का उद्देश्य केवल साहसिक गतिविधि तक सीमित नहीं है। यह पहल स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने और टिहरी को एडवेंचर डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान पयर्टकों के साथ प्रशिक्षित गाइड भी साथ चलेंगे, पयर्टकों की सुरक्षा और सुविधा के लिए समुचित इंतजाम किए गए हैं।

एस्ट्रो नाइट की भी लें आनंद

फेस्टिवल के दौरान 'एस्ट्रो नाइट' का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें साफ आसमान के नीचे तारों का अवलोकन कराया जाएगा। दिन में ट्रैकिंग और रात में तारामंडल का अनुभव-यह संयोजन प्रतिभागियों को प्रकृति से गहरे जुड़ाव का अवसर देगा। टिहरी जिला प्रशासन और उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद के संयुक्त प्रयासों से आयोजित किए जा रहे हिमालयन ओटू-टिहरी लेक फेस्टिवल का शुभारंभ 6 मार्च को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के हाथों किया जाना प्रस्तावित है।

कभी मुरझाए चेहरों पर आज खिल रहे होली के रंग

जिलाधिकारी सविन बंसल के विशेष प्रयासों से मुख्यधारा से जुड़ने लगा सड़क पर बिखरा बचपन

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन और जिलाधिकारी सविन बंसल के संवेदनशील एवं दूरदर्शी प्रयासों से सड़क पर भटकता और भिक्षावृत्ति व बालश्रम में संलिप्त बचपन अब शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ने लगा है। जिला प्रशासन द्वारा संचालित यह आधुनिक इंटेंसिव केयर सेंटर (आईसीसी) ऐसे बच्चों के जीवन में नई आशा की किरण बनकर उभरा है।

कभी मुरझाए हुए चेहरों पर अब त्योहारों की खुशियां दिखाई दे रही हैं। उनकी आंखों में भविष्य के सुनहरे सपने संजोए जा रहे हैं। सेंटर के बच्चों ने उत्साहपूर्वक होली का पर्व मनाया। रंगों के साथ खिलखिलाती हंसी यह संदेश दे रही थी कि अब यह बचपन उपेक्षा का नहीं, बल्कि अवसरों का प्रतीक है। तीज-त्योहारों में सहभागिता से बच्चों में आत्मविश्वास एवं सामाजिक जुड़ाव की भावना विकसित हो रही है।

दरअसल, आईसीसी में न केवल उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा का ध्यान रखा जा रहा है, बल्कि उनके भविष्य की स्पष्ट दिशा भी तय की जा रही है। जिला प्रशासन की इस अभिनव पहल के तहत अब तक 174 से अधिक बच्चों को भिक्षावृत्ति एवं बाल श्रम से मुक्त कर शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जा चुका है। रेस्क्यू अभियान के माध्यम से चिन्हित बच्चों को आधुनिक केयर सेंटर में लाकर काउंसलिंग, ब्रिज कोर्स, नियमित शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य परीक्षण एवं मानसिक संबल प्रदान किया जा रहा है।

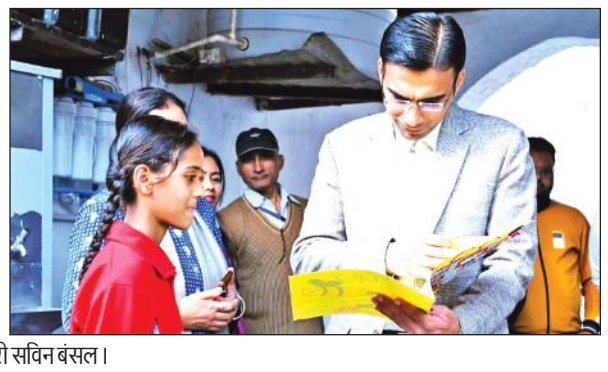

होली मनाते आधुनिक इंटेंसिव केयर सेंटर के बच्चे और एक बालिका के साथ जिलाधिकारी सविन बंसल।

प्रेरित करती हारिश की कहानी

हारिश, कक्षा 6, साधुराम इंटर कॉलेज का छात्र है। वह शारीरिक रूप से अत्यंत सक्रिय है और सभी प्रकार की खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेता है। वह मई माह 2025 में आईसीसी से जुड़ा था। उससे पहले वह किसी भी विद्यालय में नामांकित नहीं था और उसे औपचारिक स्कूली शिक्षा का पूर्व अनुभव भी नहीं था। आईसीसी से जुड़ने के बाद अगस्त 2025 माह में उसे कक्षा 6 में मुख्यधारा में प्रवेश दिलाया गया। विद्यालय में प्रवेश के पश्चात उसने नियमित उपस्थिति दर्ज कराई है तथा प्रत्येक खेल गतिविधि में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी सक्रियता और प्रतिभा का उत्कृष्ट परिचय दिया है।

उद्देश्य आत्मनिर्भर व आत्मविश्वासी नागरिक बनाना

जिलाधिकारी बंसल का कहना है कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित, सम्मानजनक और शिक्षित जीवन का अधिकार है। प्रशासन का उद्देश्य केवल बच्चों को रेस्क्यू करना नहीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर व आत्मविश्वासी नागरिक बनाना है। आज जो बच्चे कभी सड़कों पर थे, वही अब विद्यालयों में नियमित रूप से अध्ययन कर रहे हैं, खेल प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे हैं तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं। उनकी बदलती जिंदगी अन्य जरूरतमंद बच्चों और समाज के लिए प्रेरणा बन रही है। जिला प्रशासन की यह पहल समाज के सहयोग से अधिक सशक्त रूप से आगे बढ़ाई जा रही है, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा और सम्मानजनक जीवन से वंचित न रहे।

युवक का फिरौती के लिए अपहरण, पांच गिरफ्तार

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: कोतवाली विकासनगर क्षेत्र में एक युवक का घर से ही अपहरण कर एक लाख की फिरौती मांगी गई। पुलिस ने रिकॉर्ड समय में युवक को बरामद कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने मंगलवार को बताया कि, भोजावाला निवासी पुष्पा देवी ने सोमवार रात आधा दर्जन युवकों द्वारा उसके बेटे शक्ति पुंडीर का घर से अपहरण कर ले जाने और बदले में एक लाख रुपए की फिरौती मांगी थी। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल के निर्देशों पर गठित पुलिस टीमों ने सोमवार की देर रात ही त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहृत शक्ति सिंह को विकासनगर क्षेत्र से सकुशल बरामद करते हुए घटना में शामिल पांच आरोपियों विकास वैरोगी और नीरज निवासी सहारनपुर, उत्तर प्रदेश, प्रवीन सिंह, सचिन प्रसाद और नवीन सिंह निवासी विकासनगर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में सामने आया कि, अपहरणकर्ता जबरन घर में घुसे थे और खुद को धार्मिक संगठन से जुड़ा होना बताकर तथा युवक पर मादक पदार्थों की तस्करी का झूठा आरोप लगाकर उसे पुलिस को सौंपने की बात कहते हुए जबरन उठाकर ले गए थे। कुछ देर बाद ही युवक की मां को कॉल कर एक लाख रुपये की फिरौती मांगी थी।

कोतवाली विकासनगर पुलिस द्वारा पकड़े गए अपहरण करने के आरोपी। ● अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

3.92 ग्राम स्मैक के साथ युवक को पकड़ा

सितारगंज : रात्रि गश्त के दौरान पुलिस ने 3.92 ग्राम स्मैक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस ने आरोपी युवक के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया है। सोमवार रात को गांव कच्ची खमरिया, नानकमत्ता निवासी प्रीतम सिंह (72) हाल निवासी उकरौली को पुलिस ने चोरगलिया मार्ग पर गुजरात अंबुजा नामक कंपनी को जाने वाले रास्ते से 3.92 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है।

नोजगे के 10 बच्चों ने पास की सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा

खटीमा : नोजगे पब्लिक स्कूल के 10 विद्यार्थियों ने सैनिक स्कूल, घोड़ाखाल की प्रवेश परीक्षा पास की है। परीक्षा पास करने वालों में नैतिक राणा, अर्शलीन कौर, भावेश गिरि, ऐरवदीप सिंह, जोधवीर सिंह, अक्षत राणा, आयुष पन्त, अमन खर्कवाल, अर्चित सिंह, प्रियांशु चन्द शामिल हैं। प्रबंध निर्देशिका सुरेंद्र कौर ने विद्यार्थियों एवं उनके परिजनों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

चाकू लेकर घूम रहे युवक को पकड़ा

सितारगंज : पुलिस ने चाकू लेकर घूम रहे युवक को गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस ने युवक के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। रात्रि चेकिंग के दौरान पुलिस ने गांव गोविंदनगर निवासी सत्यम राय (25) को एमबीआर गेट से कैलाश नदी को जाने वाले रास्ते से अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। पूछताछ में युवक ने बताया कि वह नशों का आदी है।

नमाजी को पीटने के आरोपी मंदिर प्रबंधक ने किया आत्मसमर्पण

सोमवार रात्रि पहुंचा थाना पंतनगर, अभियुक्त को 14 दिन के लिए भेजा गया जेल

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: चर्चित नमाजी पिटाई प्रकरण के अभियुक्त ने नाटकीय अंदाज में थाना पंतनगर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। सरेंडर करने से पहले अभियुक्त ने खुलेआम मीडिया के सामने अपना बयान दिया। पुलिस ने अभियुक्त को न्यायालय में पेश कर दिया है, , जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भे दिया गया।

24 फरवरी की दोपहर को सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल हुई। जिसमें अटरिया मंदिर का प्रबंधक अरविंद शर्मा रेशमबाड़ी के रहने वाले शाहिद नाम के व्यक्ति को बेरहमी से पीट रहा था। आरोप था कि दिहाड़ी मजदूरी करने वाला नमाजी रमजान की नमाज पढ़ रहा था। प्रबंधक का यह आरोप था कि नमाजी को तीन बार मना किया था और नमाजी जानबूझकर मंदिर प्रांगण की भूमि पर नमाज पढ़ते हुए धार्मिक उन्माद फैलाने की कोशिश कर रहा था।

वीडियो वायरल होते ही सिडकुल चौकी प्रभारी सुरेद्र बिष्ट ने घटना की जानकारी ली और अभियुक्त अरविंद शर्मा के खिलाफ कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया था। पिछले कई दिनों से पुलिस लगातार अभियुक्त की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही थी। प्रकरण के छह दिन बाद अभियुक्त अरविंद अपने समर्थकों के साथ फिल्मी स्टाइल में सोमवार की रात्रि सवा 11 बजे आया। पहले उसने मीडिया कर्मियों को बयान दिया और फिर थाना प्रभारी के कार्यालय जाकर खुद को पुलिस के हवाले कर दिया। अभियुक्त को देखते ही पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और मंगलवार को न्यायालय में पेश किया।

थाने के अंदर बयान देते वक्त मूंछों को ताव देता आरोपी अरविंद शर्मा। ● अमृत विचार

मूंछों पर ताव देता नजर आया आरोपी

रुद्रपुर : खाकी से बेखौफ नमाजी पिटाई प्रकरण के अभियुक्त अरविंद से जब एक मीडियाकर्मी ने सवाल पूछा तो उसका कहना था कि यदि कोई भी उसकी जमीन पर नमाज पढ़ेगा तो वह इस बार हड्डी-पसली तोड़ कर रख देगा। चाहे अंजाम कुछ भी हो। अपने बयानबाजी के दौरान अभियुक्त थाना पंतनगर गेट पर मीडिया के सामने ही बार-बार मूंछों पर ताव देते हुए नजर आया। अभियुक्त का यह अंदाज कहीं न कहीं पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है। इससे साफ है कि अभियुक्त खाकी से बेखौफ हो चुका है।

फेसबुक पर सरेंडर का ऐलान किया

रुद्रपुर : नमाजी पिटाई प्रकरण के नामजद अभियुक्त अरविंद शर्मा ने जहां थाना पंतनगर में सवा 11 बजे आत्मसमर्पण किया था। उससे पहले साढ़े 10 बजे अभियुक्त ने अपने फेसबुक पेज पर खुद को पुलिस के हवाले करने की जानकारी दी और हिंदूवादी संगठनों से थाना पंतनगर पहुंचने का ऐलान किया। यही कारण है कि रात्रि सवा 11 बजे संगठनों के नेता वीडियो बनाते हुए अभियुक्त के साथ थाना पंतनगर पहुंचे थे और सोशल मीडिया में मामला काफी चर्चा का विषय बन गया।

> नमाजी पिटाई प्रकरण में अटरिया मंदिर कमेटी के प्रबंधक अरविंद के खिलाफ कई धाराओं में मुकदमा दर्ज था। सोमवार की देर रात्रि अभियुक्त द्वारा थाने में आकर सरेंडर किया। कारण मामला धार्मिक उन्माद से जुड़ा है और कई धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस अभियुक्त को न्यायालय में पेश करेगी।
>
> **-नंदन सिंह रावत,** थाना प्रभारी, पंतनगर

ट्रक चालक को बाइक सवार ने टक्कर मारी

घायल का उपचार करता स्वास्थ्य कर्मी।

बाजपुर: रामराज रोड पर सड़क पार कर रहे ट्रक चालक को बाइक सवार ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों व आसपास के लोगों की मदद से घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों को हायर सेंटर रेफर कर दिया।

भोना कॉलोनी निवासी 50 वर्षीय राकेश शर्मा बाइक से अनाज मंडी से अपने घर की ओर जा रहे थे। सोमवार देर रात करीब नौ बजे रामराज रोड पर मोहल्ला संजय कॉलोनी के सामने सड़क पार कर रहे वार्ड-11 पहाड़ी कालोनी निवासी 62 वर्षीय निर्मल सिंह पुत्र जगतार सिंह को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक असंतुलित होकर गिर गई, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे लोगों ने तत्काल घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घटना के बाद कुछ देर तक मौके पर अफरातफरी का माहौल बना रहा।

पुलिस ने 1.18 लाख लीटर लहन किया नष्ट

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : अवैध कच्ची शराब के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए जिला पुलिस ने लाखों लीटर लहन नष्ट कर दिया और कई भट्टियां ध्वस्त कर दीं। पुलिस ने 81 शराब माफियाओं को भी दबोच लिया, जबकि आठ वाहनों को सीज कर दिया है।

मंगलवार को एसएसपी अजय गणपति कुंभार ने बताया कि थाना प्रभारियों के नेतृत्व में कच्ची शराब के खिलाफ एक सप्ताह का विशेष अभियान चलाया गया। जिसके तहत जसपुर में तीन अभियुक्त, 107 लीटर शराब व तीन भट्टियां नष्ट, सात हजार लीटर लहन नष्ट किया, जबकि थाना कुंडा की कार्रवाई शून्य रही, काशीपुर ने चार अभियुक्त, 165 लीटर शराब, एक वाहन सीज, एक भट्टी व 35 हजार लीटर नष्ट, आईटीआई ने दो अभियुक्त, 39 लीटर शराब, दो भट्टियां ध्वस्त, 3500 लीटर लहन, बाजपुर ने एक अभियुक्त, 20 लीटर शराब, एक भट्टी नष्ट, पांच हजार लीटर लहन नष्ट की। इसी तरह केलाखेड़ा ने एक अभियुक्त पकड़ा, 40 लीटर शराब, एक भट्टी, चार हजार लीटर नष्ट, जबकि दिनेशपुर की कार्रवाई शून्य रही। थाना पंतनगर ने एक अभियुक्त, 20 लीटर शराब पकड़ी। ट्रांजिट कैंप पुलिस ने दो अभियुक्त, 35 लीटर शराब जब्त, जबकि रुद्रपुर कोतवाली की कार्रवाई शून्य रही। किच्छा पुलिस ने दो अभियुक्त, 49 लीटर शराब, एक भट्टी, तीन हजार लीटर लहन, पुलभट्टा ने एक अभियुक्त, 11 लीटर शराब जब्त, सितारगंज में दो अभियुक्त,135 लीटर शराब, एक भट्टी, दो हजार लीटर लहन नष्ट किया। नानकमत्ता ने चार अभियुक्त व 135 लीटर शराब जब्त की। खटीमा ने तीन अभियुक्त व 95 लीटर शराब बरामद की। झनकईया ने एक अभियुक्त, 17 लीटर शराब जब्त की। एसएसपी ने बताया कि अभियान के तहत 81 मुकदमे, 75 नशा माफिया गिरफ्तार, 1.894 लीटर शराब, 1.18 लीटर लहन नष्ट किया गया।

68 लीटर कच्ची शराब के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

सितारगंज : पुलिस ने चार आरोपियों को 68 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गांव पिपलिया निवासी वंशो बाई (62) को वन शक्ति मंदिर के पास से 10 लीटर शराब, गांव पिपलिया निवासी स्वर्ण सिंह (32) को पिपलिया की ओर जाने वाले जंगल से 20 लीटर कच्ची शराब, गांव बरूआबाग निवासी सिमरजीत सिंह (19) को बंदरिया चौक, सिडकुल से 18 लीटर कच्ची शराब और गांव बसघर निवासी परमजीत सिंह (45) को पिपलिया के पखस जंगल से 20 लीटर शराब के साथ गिरफ्तार किया है।

छह सेक्टर में रहेगा जिला एसएसपी करेंगे मॉनिटरिंग

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और होली पर्व को शांतिपूर्वक बनाने के लिए एसएसपी अजय गणपति कुंभार ने ठोस रणनीति बनाते हुए जनपद पुलिस को आदेशित किया है। इसके चलते जिले को छह सेक्टर में विभाजित किया गया है। इसके अलावा सूचना मिलते ही भारी मात्रा में फोर्स की तैनाती भी कर दी है। साथ ही हिदायत दी है कि यदि किसी भी व्यक्ति ने हुड़दंग या फिर धार्मिक उन्माद फैलाने का प्रयास किया तो पुलिस फौरन चिह्नित कर कठोर कार्रवाई करेगी।

मंगलवार को एसएसपी अजय गणपति कुंभार ने बताया कि अधीनस्थों के साथ तीन बार की बैठक के माध्यम से यह निर्णय के बाद जिले को छह सेक्टर में बांटा गया है।

सभी क्षेत्राधिकारी को थाना-चौकी का नोडल अधिकारी बनाया गया है और थाना-चौकी प्रभारियों को टीम लीडर नियुक्त किया है। जो होली के दौरान दिन भर संवेदनशील एवं अति संवेदनशील इलाकों में गश्त की गति को बढ़ाएं। हुड़दंग या फिर धार्मिक उन्माद के अलावा शांति व्यवस्था में खलल डालने पर फौरन एसपी सिटी को जानकारी देंगे। इसके बाद एसपी सिटी के साथ फौरन क्यूआरटी की टीम मौका मुआयना करेगी और स्थिति को नियंत्रित किया जाएगा।

मैत्री ने जीती साइंस डे प्रतियोगिता

खटीमा: नोजगे पब्लिक स्कूल (हैप्पी मैम) की आठवीं की छात्रा मैत्री तिवारी ने जीवाईएस स्वामीनाथन साइंस डे प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल की है। प्रतियोगिता का आयोजन गेटा ट्रस्ट, आंध्र प्रदेश द्वारा किया गया। यह प्रतियोगिता आनलाइन स्तर पर आयोजित की गई थी। जिसमें 17 राज्यों के विद्यार्थियो ने प्रतिभाग किया। भारतीय वैज्ञानिक विषय पर आइडिया पोस्टर प्रेजेंटेशन थी। 25 फरवरी को हुई प्रतियोगिता में मैत्री तिवारी ने जूनियर कैटेगरी में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है।

मैत्री तिवारी।

9416 नशीले कैप्सूल, 1300 टेबलेट के साथ माफिया धरा

- मेडिकल स्टोर की आड़ में चल रहा था धंधा, एसटीएफ-गदरपुर ने की बड़ी कार्रवाई

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: एसटीएफ एवं थाना गदरपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में नशीले कैप्सूल, टेबलेट और प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद की और अभियुक्त के खिलाफ एनडीपीएस का मुकदमा दर्ज किया। आरोप था कि अभियुक्त मेडिकल स्टोर की आड़ में नशे का धंधा चलाता था। पुलिस ने अभियुक्त को न्यायालय में पेश कर दिया है।

मंगलवार को नशीली दवाई प्रकरण का खुलासा करते हुए एसएसपी अजय गणपति कुंभार ने बताया कि पिछले लंबे समय से थाना गदरपुर इलाके में प्रतिबंधित दवाइयों की सप्लाई होने की सूचनाएं मिल रही थी। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए फौरन एसटीएफ और थाना गदरपुर पुलिस की एक संयुक्त टीम बनाई गई। सुरागरसी और मुखबिर का सहारा लिया। 2 मार्च को सूचना मिली कि गदरपुर स्थित एक मेडिकल स्टोर पर प्रतिबंधित दवाइयों की बड़ी खेप आई है। जिसके आधार पर संयुक्त टीम ने ड्रग्स इंस्पेक्टर के साथ मिल कर दबिश दी तो मेडिकल स्टोर के अंदर 9416 नशीले कैप्सूल, 1300 टेबलेट और 51 प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद हुए। इतनी बड़ी खेप संबंधी जानकारी मांगी तो मेडिकल स्टोर संचालक वार्ड-एक गदरपुर निवासी राजकुमार ने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। जिसके आधार पर अभियुक्त के खिलाफ एनडीपीएस का मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

आरोपी के साथ खुलासा करते एसएसपी अजय गणपति। ● अमृत विचार

पत्नी के नाम पर रजिस्टर्ड है मेडिकल स्टोर

रुद्रपुर : मेडिकल स्टोर संचालक राजकुमार से हुई पूछताछ में यह पता चला कि कुमार मेडिकल स्टोर पिछले लंबे समय से संचालित है। एक वर्ष पहले ही संचालक एवं अभियुक्त ने प्रतिबंधित दवाइयों की बिक्री का धंधा संचालित किया था, जबकि मेडिकल स्टोर अभियुक्त की पत्नी के नाम पर रजिस्टर्ड है। इसके अलावा अभियुक्त भ्रमित करने के लिए दवाइयां अन्य डिब्बों में छिपा कर रखा था।

गच्चा देने में सफल हो सकता था

रुद्रपुर : एसटीएफ दरोगा केपी मठपाल ने बताया कि जिस वक्त संयुक्त टीम दबिश की तैयारी कर रही थी। उस वक्त मेडिकल स्टोर संचालक राजकुमार को कार्रवाई की भनक लग चुकी थी। कई घंटे की प्रतीक्षा के बाद जब अभियुक्त मेडिकल स्टोर पर आया और दवाइयों की खेप खपाने का प्रयास किया तो संयुक्त टीम ने धर दबोचा।

2026 में यह सबसे बड़ी है कार्रवाई

रुद्रपुर : ड्रग्स इंस्पेक्टर निधि शर्मा ने बताया कि वर्ष 2026 की पहली बड़ी कार्रवाई मानी जा सकती है। कारण जिस प्रकार बड़ी खेप बरामद हुई है। उसके एमआरपी के अनुसार बरामद दवाइयां एक लाख से अधिक कीमत की है, लेकिन अभियुक्त कई गुना महंगे दामों पर बिक्री करता था। अभियुक्त के मेडिकल स्टोर लाइसेंस के निरस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने चलाया सत्यापन अभियान

नैनीताल: होली शांतिपूर्ण संपन्न कराने के उद्देश्य से मल्लीताल बाजार में पुलिस ने सत्यापन अभियान चलाया। इस दौरान किराएदारों, बाहरी व्यक्तियों और संदिग्धों की जांच की गई। एसआई प्रवीण तेवतिया ने बताया कि अभियान के दौरान सत्यापन से संबंधित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर पांच से अधिक लोगों का पुलिस एक्ट में चालान किया गया। अभियान आगे भी जारी रहेगा।

786 के नोट के बदले लाखों का लालच देकर की ठगी

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: पुराने और दुर्लभ नोटों को ऊंची कीमतों पर बेचने का झांसा देकर साइबर ठगों ने एक व्यक्ति से हजारों रुपये की ठगी कर ली। घटना के संबंध में आईटीआई कोतवाली पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात ठगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ग्राम बांसखेड़ा खुर्द निवासी संजय कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 19 अगस्त 2025 को फेसबुक चलाते समय उन्हें ''राजज्ञानी इंडियन करेंसी'' नामक एक वीडियो दिखाई दिया। वीडियो में 786 नंबर वाले नोटों को लाखों रुपये में खरीदने का दावा किया गया था। दिए गए व्हाट्सएप नंबर पर संपर्क करने पर ठगों ने संजय के पास मौजूद नोटों की फोटो मंगवाई और उन्हें 77.57 लाख रुपये में खरीदने का लालच दिया।

इसके बाद, रजिस्ट्रेशन और फाइल प्रोसेसिंग के नाम पर ठगों ने अलग-अलग चरणों में कुल 50,917 रुपये क्यूआर कोड के माध्यम से जमा करा लिए। रकम वसूलने के बाद ठगों ने फोन उठाना बंद कर दिया, जिससे पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ। पुलिस अब तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर ठगों की तलाश कर रही है।

शिक्षा भारती आदर्श भारती लिटिल चैंप के वार्षिकोत्सव में कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे।

शिक्षा भारती लिटिल चैम्प का वार्षिकोत्सव संपन्न

खटीमा : शिक्षा भारती आदर्श विद्यालय लिटिल चैम्प का वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, शिक्षा भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल के संस्थापक हरिश्चंद्र पांडे, प्रबंधक विनय पांडे, प्रधानाचार्य दीप उप्रेती, सीमा उप्रेती, विकास पांडे ने सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समां बांधा। आदर्श विद्यालय के प्रबंधक भास्कर जोशी और प्रधानाचार्य अल्का जोशी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए बच्चों, अभिभावकों और अतिथियों को होली की बधाई दी।

एसी का कॉपर तार चुराने वाला गिरफ्तार

काशीपुर: पुलिस ने लिवाइस शोरूम के छह एसी से कॉपर तार चोरी के आरोप में मोहम्मद मोबीन निवासी मोहल्ला महेशपुरा को गिरफ्तार कर लिया। चरन सिंह निवासी किलावली थाना कुंडा ने बीते दिन कोतवाली पुलिस को तहरीर सौंपी थी। इसमें बताया कि वह रामनगर रोड स्थित लिवाइस कंपनी के शोरूम में मैनेजर के पद पर कार्यरत है। बीती एक मार्च की रात छत पर लगे एसी के कॉपर पाइप कीमती लगभग 15 हजार रुपये को चोर चोरी कर ले गये। पुलिस ने संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी। सीओ बाजपुर विभव सैनी के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक हरेन्द्र सिंह ने एक पुलिस टीम का गठन किया। टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

मदर्स होम के 6 छात्रों का सैनिक स्कूल में चयन

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार : नगर के वार्ड नंबर 2 में स्थित मदर्स होम के छह विद्यार्थियों का सैनिक स्कूल में चयन हुआ है। विद्यालय प्रबंधक वीरेंद्र सिंह रौतेला ने बताया कि वंश नेगी, दिव्या जोशी, शिवांश बेलवाल, वंशिका, कृष्णा जोशी और भव्या गोस्वामी ने सैनिक स्कूल की लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की है।

उन्होंने बताया कि इससे पूर्व भी मदर्स होम के कई विद्यार्थियों का नवोदय विद्यालय एवं सैनिक स्कूल में चयन हो चुका है, जिससे विद्यालय का शैक्षिक स्तर निरंतर बेहतर हो रहा है।

प्रधानाचार्य शशि रौतेला सहित राधिका रौतेला, प्रविता गुणवंत, सपना गोस्वामी, शालिनी बिष्ट, पूजा, कमला बिष्ट, वर्षा सती, किरण चंद, ममता मेहता, कविता बोरा, किरण जोशी, नेहा बिष्ट, हेमा जोशी, रेखा सती, रेनू मेहरा, अर्पणा बिष्ट, तारा भट्ट, सपना बिष्ट, जयश्री, भावना रावत, पूनम पांडे, गीता गोस्वामी तथा विद्यालय कार्यकारिणी के सदस्य पूरन जोशी, पुष्कर अधिकारी, महेश चंद्र तिवारी, प्रीति अरोड़ा, दीवान बिष्ट और उमेश पांडे ने चयनित छात्रों एवं विद्यालय परिवार को बधाई दी।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना

मैं, MAYA DEVI, पत्नी MOHAN CHANDRA, निवासी 190, हरिओम कॉलोनी, जवाहरनगर नगला, ऊधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड, यह सूचित करती हूँ कि मैंने अपना नाम MAYA JOSHI से बदलकर MAYA DEVI कर लिया है। अतः भविष्य में मुझे मेरे नए नाम MAYA DEVI से ही जाना जाए।

सूचना

मैं, MOHAN CHANDRA, पुत्र JEWA NAND, निवासी 190, हरिओम कॉलोनी, जवाहरनगर नगला, ऊधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड, यह सूचित करता हूँ कि मैंने अपना नाम MOHAN CHANDRA JOSHI से बदलकर MOHAN CHANDRA कर लिया है। अतः भविष्य में मुझे मेरे नए नाम MOHAN CHANDRA से ही जाना जाए।

पत्रकार असद जावेद को मातृ शोक

खटीमा, अमृत विचार : पत्रकार असद जावेद की माता 68 वर्षीय फरीदा खानम का लंबी बीमारी के चलते निधन हो गया। उनका निधन हो गया। भूड़ निवासी असद जावेद की माता फरीदा खानम पिछले काफी दिनों से अस्वस्थ थी। जिनका उपचार बरेली के एक निजी अस्पताल में चल रहा था। सोमवार को उनकी तबीयत बिगड़ने पर रेफर करने पर हायर सेंटर ले जाते समय रास्ते में उनका निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार डिग्री कॉलेज रोड स्थित कब्रिस्तान में किया गया। उनके निधन पर विधायक भुवन कापड़ी, नानकमत्ता विधायक गोपाल सिंह राणा, पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, राशिद अंसारी, उमेश राठौर, नासिर खान, मोहसिन बेग, प्रेम प्रकाश जोशी, डॉ. प्रदीप बड़वाल, अखिलेश जोशी, फरियाद, दिनेश चंद, ओम प्रकाश मौर्य, हीरा राजपूत, स्वतंत्र प्रकाश आजाद, शंकर पलियाल, केदार सोनकर, दीपक फुलेरा, इस्त्याक अंसारी, मुस्तकीम मलिक, विनीत राणा ने शोक जताया।

कार्यक्रम | राजीव गांधी नवोदय विद्यालय कोटाबाग में छात्राओं के लिए करियर गाइडेंस कार्यक्रम का आयोजन

करियर के प्रति सचेत रहने के लिए प्रेरित किया

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: मंगलवार को राजीव गांधी नवोदय विद्यालय, स्यात कोटाबाग में समग्र शिक्षा के अंतर्गत कक्षा 9 से 12 तक अध्ययनरत बालिकाओं के लिए करियर गाइडेंस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में बालिकाओं के करियर रुझानों को जानने के लिए पर्चियां ड्रॉप बॉक्स में डलवाकर उनका सर्वे किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों ने छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद छात्रों में अपने करियर को लेकर उत्सुकता बढ़ जाती है। विषय विशेषज्ञों के रूप में विद्यालय के पुरातन छात्र युवराज बिष्ट (जिला उद्यान अधिकारी), आईआईटी मुंबई से एम.टेक. सॉफ्टवेयर इंजीनियर विशाल रावत, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रीति सक्ता और डॉ. अंजली नेगी (एम.डी.) ने बालिकाओं को विभिन्न करियर अवसरों और संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। उन्होंने सभी को अपनी रुचि को समझने, सकारात्मक सोच बनाए रखने, कठिन परिश्रम करने और अनुशासित रहने को भविष्य में सफलता का मंत्र बताया। कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य चेतन प्रकाश तिवारी ने प्रतिभागियों को अपने करियर के प्रति सचेत रहने और समय का सदुपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

करियर गाइडेंस कार्यक्रम में उपस्थित छात्राएं और विशेषज्ञ। ● अमृत विचार

पदमपुरी-बबियाड़ मार्ग के डामरीकरण को मंजूरी

संवाददाता, धानाचूली

अमृत विचार: भीमताल विधानसभा क्षेत्र के धारी ब्लॉक अंतर्गत पदमपुरी-बबियाड़ मार्ग के डामरीकरण के लिए 1 करोड़ 59 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत हो गई है। यह जानकारी विधायक राम सिंह कैड़ा ने दी।

विधायक ने बताया कि पदमपुरी-बबियाड़ मोटर मार्ग लंबे समय से क्षतिग्रस्त अवस्था में था, जिससे ग्रामीणों और किसानों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। क्षेत्रवासियों द्वारा सड़क के डामरीकरण की मांग उठाए जाने पर उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को डीपीआर तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश दिए थे। विधायक कैड़ा ने मुख्यमंत्री से सड़क के डामरीकरण हेतु धनराशि स्वीकृत करने का अनुरोध किया था। उनकी मांग पर मुख्यमंत्री द्वारा 1.59 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई। शासनादेश जारी होने के बाद टेंडर प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि शीघ्र ही मोटर मार्ग पर डामरीकरण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा, जिससे क्षेत्र की जनता को राहत मिलेगी। विधायक कैड़ा ने इस स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

ब्रीफ न्यूज

गूलरभोज रेलवे स्टेशन पर कानूनी जागरूकता शिविर आयोजित

गूलरभोज : गूलरभोज रेलवे स्टेशन पर विश्व श्रवण दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रेलवे अधिकारी जयप्रकाश मीना की अध्यक्षता में आयोजित इस शिविर में तहसील गदरपुर की टीम संख्या-7 के पीएलवी कुंवर सिंह, मीना और कुमारी दीपा ने 62 ग्रामीणों को जागरूक किया। कार्यक्रम में ग्रामीणों को कानों की देखभाल के साथ-साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की नि:शुल्क कानूनी योजनाओं, नालसा टोल-फ्री नंबर और आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान कानूनी सहायता से संबंधित पम्फलेट्स भी वितरित किए गए। शिविर में पैनल अधिवक्ता मंजू सरकार व पीएलवी सोनामती घोष उपस्थित रहे।

लेखराज बने आजाद समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष

काशीपुर : आजाद समाज पार्टी, (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने काशीपुर निवासी लेखराज गौतम को पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि लेखराज को दी गई जिम्मेदारियों का वह बखूबी निर्वहन करेंगे। वहीं प्रदेश अध्यक्ष बनाये जाने पर आंबेडकर पार्क जन कल्याण सेवा समिति अध्यक्ष चंद्रहास गौतम, अशोक प्रधान, हरिप्रसाद प्रधान, दानवीर, राम सिंह, ऋषिपाल रवि, पंकज गौतम आदि ने स्वागत किया।

किशनपुर में जल्द बनेगा प्राथमिक स्कूल का भवन

जसपुर : शिक्षा विभाग अब जल्द ही किसानों के बच्चों के लिए प्राथमिक स्कूल का भवन बनवाने जा रहा है। इसके लिए विभाग ने तैयारियां कर ली हैं। बीडीसी एवं जिला पंचायत की बैठक में स्कूल के जर्जर भवन का मुद्दा उठने के बाद शिक्षा विभाग ने कार्रवाई शुरू की है। जिपं सदस्य नईम प्रधान ने बताया कि ग्राम किशनपुर प्राथमिक स्कूल का भवन जर्जर होने के कारण टूट चुका है। जिस कारण स्कूली बच्चे काफी समय से गांव के गुरुद्वारे में पढ़ रहे हैं। इस मामले को उन्होंने बीडीसी एवं जिला पंचायत की बैठक में प्रमुखता से उठाया था। बताया कि जिपं की बैठक में सीईओ ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि नये भवन के रकम स्वीकृत हो चुकी है।

रिफंड का झांसा देकर युवती से ठगे 32 हजार

सितारगंज : सितारगंज के एक गांव की युवती को ई-कॉमर्स कंपनी की वेबसाइट पर ऑनलाइन शॉपिंग करना महंगा पड़ गया। प्रोडक्ट को वापस करने की प्रक्रिया में साइबर ठगों ने उसे झांसे में लेकर 32 हजार की ठगी कर दी। गांव कुंवरपुर निवासी अनामिका ने बताया कि ई-कॉमर्स कंपनी की वेबसाइट पर ऑनलाइन शॉपिंग कर एक पार्सल मंगवाया था। प्रोडक्ट पसंद न आने के कारण उसने वेबसाइट पर उसे वापस करने की रिक्वेस्ट डाली थी। रिटर्न रिक्वेस्ट डालने के बाद उसे एक अनजान नंबर से फोन आया। उसे कुछ स्टेप फॉलो करने के लिए कहा गया। जैसे ही उसने उन स्टेप्स को फॉलो किया। उसके बैंक खाते से दो किस्तों में करीब 32 हजार रुपये कट गए।

पड़ोसियों पर मारपीट का आरोप लगाया

बाजपुर : ग्राम मुड़िया कला निवासी खातून पत्नी शफीक शाह ने पुलिस को बताया कि दो मार्च की रात गांव के ही कुछ लोग आपसी विवाद के दौरान उसके घर के सामने शोर-शराबा कर रहे थे। आरोप है कि जब वह घर से बाहर पहुंची तो आरोपितों ने उसके साथ अभद्रता करते हुए मारपीट कर दी।

रोडवेज बस के ब्रेक फेल, बस और डिवाइडर के बीच फंस गए सैलानी

काठगोदाम में रेलवे स्टेशन तिराहे के पास हादसा, चालक हिरासत में, पर्यटक घायल

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

रामनगर में काशीपुर मार्ग पर डिवाइडर पर चढ़ा डंपर। ● अमृत विचार

अमृत विचार : काठगोदाम रेलवे स्टेशन तिराहे के पास सुबह बड़ा हादसा हो गया। शहर की ओर आ रही रोडवेज बस का अचानक ब्रेक फेल हो गया। अनियंत्रित बस सड़क पर गलत दिशा में चली गई और सामने से रहे स्कूटी सवार गोंडा के पर्यटक चपेट में आ गए। बस उन्हें काफी दूर तक खींच कर ली गई। बस तब रुकी जब पर्यटक बस और ड्राइवडर के बीच फंसकर बुरी तरह घायल हो गए। राहगीरों की मदद से किसी तरह घायलों को निकाला गया। पुलिस ने चालक को हिरासत में लेने के साथ घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है।

बताया जा रहा है कि गोंडा उत्तर प्रदेश निवासी अंकित कुमार (18वर्ष) और रमेश गुप्ता (18वर्ष) टैक्सी स्कूटी लेकर कैंची धाम दर्शन करने निकले थे। दोनों अभी काठगोदाम रेलवे स्टेशन तिराहे के पास पहुंचे थे कि तभी काठगोदाम की ओर से शहर की ओर जा रही तेज रफ्तार रामनगर डिपो की बस ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। बस दोनों को काफी दूर तक खींच कर ले गई। दोनों बस और डिवाइडर के बीच फंस कर बुरी तरह घायल हो गए।

पुलिस ने लोगों की मदद से फंसे घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में दोनों की हालत नाजुक बनी हुई है। काठगोदाम थानाध्यक्ष विमल मिश्रा ने बताया कि बस के चालक को हिरासत में लिया गया है। पूछताछ में चालक ने बस के ब्रेक फेल होने की बात कही है। मामले में तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार डंपर डिवाइडर से टकराया

रामनगर : रामनगर-काशीपुर मार्ग पर देर रात एक तेज रफ्तार डंपर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराया। यह हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग 309 पर रामनगर के टांडा क्षेत्र के पास हुआ। दुर्घटना में डंपर चालक को मामूली चोटें आई हैं। गनीमत रही कि उस समय सड़क पर अन्य वाहन मौजूद नहीं थे, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार काशीपुर की ओर जा रहा डंपर देर रात तेज रफ्तार के चलते संतुलन बिगड़ने से डिवाइडर से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि डंपर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। चालक को हल्की चोटें आई थीं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद सामान्य बताया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

वर्कशॉप से निकलते ही बस के ब्रेक फेल हुए

हल्द्वानी : हादसे को अंजाम देने वाली रामनगर डिपो की बस बनने के लिए रोडवेज के काठगोदाम स्थित वर्कशॉप गई थी। मंगलवार को बस ठीक होने के बाद वापस डिपो जा रही थी, लेकिन वर्कशॉप से निकलते ही बस हादसे का शिकार हो गई। अब बस फिर वर्कशॉप ले जाई जाएगी। चालक का दावा है कि बस के ब्रेक फेल हुए, लेकिन परिवहन निगम के अधिकारी इस बात से इत्तेफाक नहीं रखते। वर्कशॉप के प्रभारी फोरमैन सुनील कुमार का कहना है कि रामनगर डिपो की बस दो दिन पहले रीजनल वर्कशॉप में मरम्मत के लिए पहुंची थी। बस के इंजन का काम हुआ था। ब्रेक फेल होने की बात तर्कहीन है। यदि ब्रेक फेल होता तो, बस वर्कशॉप से 150 मीटर दूरी पर स्थित मेन गेट तक कैसे जाती। साथ ही घटनास्थनल भी मेन गेट से करीब 150 मीटर दूरी पर है। बस में पूरा काम होने के बाद वर्कशॉप से बाहर निकली है।

6 स्वयंसेवी युवा आपदा मित्र की लेंगी विशेष प्रशिक्षण

हल्द्वानी: राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित युवा आपदा मित्र के प्रशिक्षण शिविर के लिए राजकीय महिला डिग्री कॉलेज की छह स्वयंसेवियों का चयन किया गया है। युवा कल्याण विभाग की ओर से आयोजित सात दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की 15वीं वाहिनी, गदरपुर में आयोजित किया जा रहा है।

चयनित छात्राओं में कविता परगाईं (बीएससी चतुर्थ सेमेस्टर), भूमिका (बीएससी चतुर्थ सेमेस्टर), इशिका बनकोटी (बीएससी द्वितीय सेमेस्टर), सानिया अधिकारी (बीए चतुर्थ सेमेस्टर), खुशबू आर्या (बीए द्वितीय सेमेस्टर) और अर्चना परगाईं (बीकॉम चतुर्थ सेमेस्टर) शामिल हैं। प्रशिक्षण शिविर के दौरान स्वयंसेवियों को आपदा प्रबंधन, त्वरित प्रतिक्रिया, प्राथमिक उपचार और राहत व बचाव कार्यों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को आपदा की परिस्थितियों में सजग, सक्षम और सेवा के लिए तत्पर बनाना है। प्राचार्य प्रो. आभा शर्मा ने कहा कि इस तरह के राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर छात्राओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करते हैं। एनएसएस प्रभारी डॉ. रितुराज पंत मौजूद रहे।

पर्यटक ने ओवरडोज का आरोप लगाया

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: दिल्ली निवासी एक महिला पर्यटक ने बीडी पांडे जिला अस्पताल में दवा का ओवरडोज दिए जाने का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। मामला इतना बढ़ गया कि पर्यटक दंपती कोतवाली पहुंच गए, जहां पुलिस ने दोनों पक्षों से पूछताछ कर स्थिति स्पष्ट की।

जानकारी के अनुसार महिला अपने पति के साथ नैनीताल घूमने आई हुई थी। मंगलवार दोपहर करीब ढाई बजे वह गर्भावस्था से पूर्व हार्मोन का इंजेक्शन लगवाने बीडी पांडे अस्पताल के आपातकालीन कक्ष पहुंची। वहां तैनात चिकित्सक ने महिला के उपचार संबंधी दस्तावेजों की जांच की और उसके निजी चिकित्सक द्वारा सुझाई गई दवा की निर्धारित डोज नर्सिंग कर्मी को लगाने के निर्देश दिए। इंजेक्शन लगाने के बाद महिला ने आरोप लगाया कि उसे दवा की ओवरडोज दी गई है। इस दौरान उसका पति आपातकालीन कक्ष में वीडियो बनाने लगा, जिससे विवाद और बढ़ गया। अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों व गाइनोकोलॉजिस्ट ने दंपती को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे संतुष्ट नहीं हुए और सीधे कोतवाली पहुंचकर शिकायत की।

कोतवाली में पुलिस ने चिकित्सकों को बुलाकर पूछताछ की। डॉक्टरों ने बताया कि दवा निर्धारित मात्रा में ही दी गई है। उनके अनुसार वाइल से महिला के बताए अनुसार पूर्व में दो डोज लगाई जा चुकी थीं और एक डोज देने के बाद भी वाइल में दवा शेष थी, जिससे स्पष्ट है कि ओवरडोज नहीं दिया गया। पुलिस ने शेष दवा को इंजेक्शन में भरकर मात्रा जांचने का सुझाव भी दिया, लेकिन पर्यटक इस पर सहमत नहीं हुए और कोर्ट में मामला देखने की बात कहकर लौट गए। डॉ. अनिरुद्ध गंगोला ने बताया कि महिला के दस्तावेजों में एक बार में आधा एमएल दवा देने का उल्लेख है और उसी अनुसार दवा दी गई। वहीं एसआई आशा बिष्ट ने बताया कि पर्यटकों की मौखिक शिकायत पर दोनों पक्षों के बीच वार्ता कराई गई।

खनस्यूं तहसील में सप्ताह में एक दिन तहसीलदार बैठाने की मांग

● ओखलकांडा प्रधान संगठन अध्यक्ष ने एसडीएम से की मुलाकात

संवाददाता, धानाचूली

धारी में एसडीएम अंशुल भट्ट को ज्ञापन सौंपते प्रधान मदन परगांई। ● अमृत विचार

अमृत विचार: खनस्यूं तहसील में स्थायी तहसीलदार की नियुक्ति न होने से स्थानीय लोगों को हो रही परेशानियों को लेकर प्रधान संगठन ओखलकांडा के अध्यक्ष मदन परगांई ने अंशुल भट्ट, एसडीएम धारी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में मांग की गई कि जब तक खनस्यूं तहसील में स्थायी तहसीलदार की नियुक्ति नहीं हो जाती, तब तक सप्ताह में कम से कम एक दिन धारी के तहसीलदार को खनस्यूं तहसील में बैठाया जाए, ताकि स्थानीय लोगों के राजस्व संबंधी कार्य यहीं संपन्न हो सकें। मदन परगांई ने कहा कि तहसीलदार के अभाव में खनस्यूं क्षेत्र के ग्रामीणों को छोटे-बड़े राजस्व कार्यों के लिए धारी तहसील आना पड़ता है। इससे उनका समय और धन दोनों व्यर्थ खर्च होता है। दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों को विशेष रूप से दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यदि सप्ताह में एक दिन भी तहसीलदार खनस्यूं में बैठेंगे, तो नामांतरण, जाति एवं आय प्रमाण पत्र, भूमि संबंधी अभिलेखों सहित कई आवश्यक कार्य स्थानीय स्तर पर ही निपट सकेंगे और जनता को राहत मिलेगी। इस पर एसडीएम धारी अंशुल भट्ट ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए आश्वासन दिया कि शीघ्र ही व्यवस्था बनाकर सप्ताह में एक दिन तहसीलदार को खनस्यूं तहसील में बैठाने की पहल की जाएगी, जिससे क्षेत्रवासियों को सुविधा मिल सके।

38 चालान और एक वाहन सीज

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : होली के त्योहार को लेकर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मंगलवार को चेकिंग अभियान चलाया गया। आरटीओ प्रवर्तन व सड़क सुरक्षा अरविंद पांडे के निर्देशन में तीन टीमों ने हल्द्वानी, काठगोदाम और धारी तहसील क्षेत्र में संयुक्त रूप से कार्रवाई की। एआरटीओ प्रवर्तन हल्द्वानी जितेंद्र सिंगवान ने हल्द्वानी व काठगोदाम क्षेत्र में चेकिंग की, जबकि परिवहन कर अधिकारी पवन कुमार ने जिला प्रशासन और पुलिस के साथ धारी क्षेत्र में अभियान चलाया। संयुक्त प्रवर्तन कार्रवाई के दौरान कुल 38 चालान किए गए और एक वाहन को सीज किया गया। इसके अलावा केमू की दो बसों का ओवरलोडिंग में चालान किया गया।

मंडलायुक्त दीपक रावत और डीएम ललित मोहन रयाल के निर्देश पर अभियान चलाया गया। हल्द्वानी में परिवहन उपनिरीक्षक आरसी पंवार और परिवहन उपनिरीक्षक गिरीश कांडपाल ने टीम के साथ अभियान चलाया। इस दौरान अनाधिकृत रूप से संचालित वाहनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई और सभी वाहन चालकों की एल्कोमीटर से जांच की गई, ताकि कोई भी चालक नशे की हालत में वाहन चलाते हुए न मिले। प्रशासन व परिवहन विभाग ने सभी वाहन चालकों से अपील की है कि होली के दौरान यातायात नियमों का पालन करें, नशे की हालत में वाहन न चलाएं और त्योहार को सुरक्षित व खुशहाल माहौल में मनाएं।

जामा मस्जिद में जूता चोरी की घटना सीसीटीवी में कैद

बाजपुर: नगर स्थित शहर जामा मस्जिद में जूता चोरी की एक घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। एक अज्ञात युवक नमाजी के कीमती जूते चोरी कर ले गया, जिसकी फुटेज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। नगरीय क्षेत्र में स्थित मस्जिद में सोमवार की रात ईशा की नमाज अदा करने के दौरान अज्ञात चोर ने मौके का फायदा उठाकर बाहर रखे जूते उठा लिए और वहां से निकल गया। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड हो गई। बाद में जब नमाजी को अपने जूते नहीं मिले तो कैमरे की जांच की गई, जिसमें चोरी की पुष्टि हुई। घटना का वीडियो सामने आने के बाद लोगों में रोष व्याप्त है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि चोरी जैसी घटनाएं अब धार्मिक स्थलों तक पहुंच गई हैं, जो बेहद चिंताजनक है। लोगों का कहना है कि चोरों का कोई धर्म नहीं होता और वह पवित्र स्थलों को भी नहीं छोड़ रहे हैं। सोशल मीडिया पर फुटेज साझा करते हुए लोगों ने अज्ञात युवक की पहचान कराने की अपील की है, ताकि उसे पकड़ा जा सके। वहीं कुछ लोगों ने मस्जिद परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत करने की मांग भी की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि धार्मिक स्थलों पर आने वाले श्रद्धालुओं और नमाजियों की सुरक्षा के लिए निगरानी व्यवस्था को और सख्त किया जाना चाहिए। फिलहाल इस मामले में पुलिस से लिखित या मौखिक शिकायत नहीं की गई है।

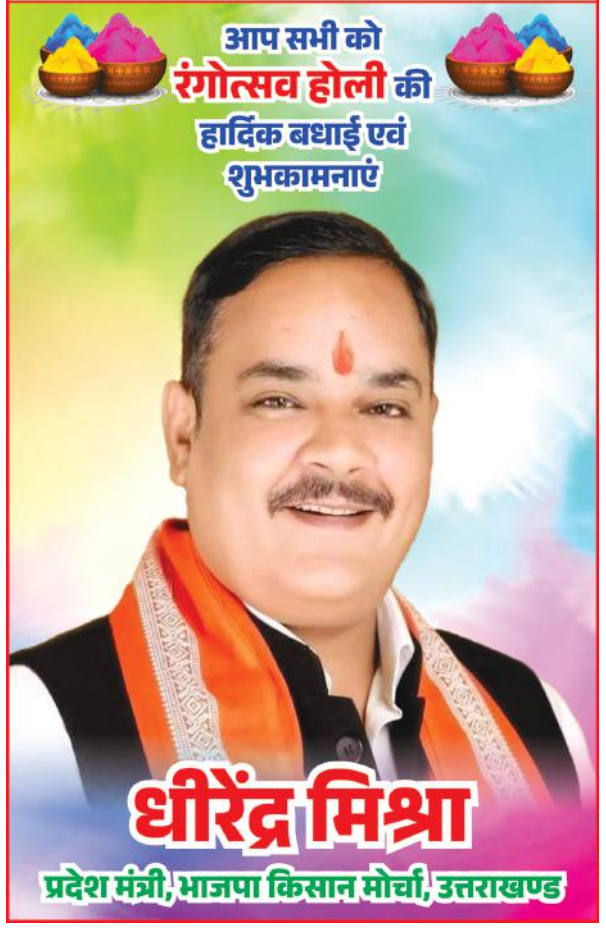

अमृत विचार

हल्द्वानी, बुधवार, 4 मार्च 2026

फूलों की होली और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का लोगों ने लिया आनंद

वृंदावन-बरसाना की मंडली ने आयोजित किया कार्यक्रम, लठमार होली रही आकर्षण

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः वृंदावन-बरसाना की मंडली ने आयोजित कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रमों में फूलों की होली, लठमार होली जैसे कार्यक्रम हुए और लोगों ने भरपूर आनंद लिया।

भाजपा नेता आशीष गुप्ता के कार्यालय पर होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें वृंदावन-बरसाना से आयी मंडली ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जिसमें होली भजन, बरसाना की प्रसिद्ध लठमार होली व फूलों की होली आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भरपूर आनंद लिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक हरभजन सिंह चीमा, विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, पूर्व सांसद बलराज पासी, पूर्व प्रदेश संगठन महामंत्री संजय, पूर्व महामंत्री भाजपा खिलेन्द्र चौधरी, प्रदेश प्रवक्ता भाजपा गुरविंदर सिंह चंडोक, दर्जा राज्य मंत्री मंजीत सिंह राजू, अनुसूचित जाति आयोग अध्यक्ष मुकेश कुमार, पूर्व प्रदेश मंत्री सीमा चौहान आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में फूलों की होली खेलते भाजपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

होली के दौरान ट्रेनों पर कीचड़ और पत्थर नहीं फेंकने की अपील

काशीपुर : होली के दौरान चलती गाड़ी पर गोबर, कीचड़, पत्थर आदि न फेंकने की हिदायत पूर्वोत्तर रेलवे ने आमजन से की है। स्टेशन, गाड़ियों में स्वच्छता बनाये रखने में रेल प्रशासन को सहयोग करें। यात्रीगण गाड़ियों की छत, कप्लिंग पर बैठकर अथवा पायदान पर लटक कर यात्रा न करें। रेल यात्रियों को मंडल रेल प्रबंधक, इज्जतनगर वीणा सिन्हा ने आमजन से अपील की है कि चलती गाड़ी पर गोबर, कीचड़, पत्थर आदि न फेंके। इससे यात्री एवं रेलकर्मी घायल हो सकते हैं। स्टेशन पर एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिये पैदल उपरिगामी पुल का उपयोग करें। यात्रा के दौरान किसी भी अपरिचित व्यक्ति से खाद्य सामग्री स्वीकार न करें, इसमें जहर मिला हो सकता है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा ने बताया कि यात्रा टिकट हेतु दलालों के चंगुल में न फंसे, यात्रा टिकट सदैव रेलवे टिकट काउंटर अथवा रेल वन एप व आईआरसीटीसी के वेबसाइट या आईआरसीटीसी के अधिकृत एजेन्ट से प्राप्त करें। प्रमुख नगरों के लिये होली विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। इन गाड़ियों में बर्थ आरक्षित करा कर अपनी यात्रा को सुखद बनाए। यात्रा के दौरान किसी भी सहायता के लिये हेल्प लाइन नंबर 139 डायल करें।

होली पर्व पर बाजार में जमकर खरीदारी

खटीमा: नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में होली पर्व को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। नगर ही नहीं गांवों में रंगों और मिठाई की दुकानों पर खासी भीड़ रही। लोगों ने जमकर रंग और गुलाल खरीदा। इधर सोमवार को देर शाम नगर के मुख्य चौक पर पूजा अर्चना के साथ होलिका दहन किया गया। मंगलवार को चंद्रग्रहण के चलते होली के रंगों का पर्व बुधवार को मनाया जाएगा। जिसकी तैयारी में घरों में गुजिया सहित तमाम मीठे पकवानों की तैयारी हो रही है।

मुख्य बाजार में अबीर गुलाल खरीदते लोग। ● अमृत विचार

बाजार में भीड़ देखकर कारोबारियों के चेहरे खिले

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: आज होली खेली जाएगी। इसको लेकर लोगों ने बाजार में जमकर खरीदारी की। सुबह से ही बाजार में लोगों की काफी भीड़ नजर आयी। इस दौरान लोगों ने अबीर, गुलाल, पिचकारी, गुजिया और अन्य खाद्य सामग्री की खरीदारी की। लोगों की भीड़ को देखकर व्यापारियों के चेहरे खिल उठे।

मंगलवार को सुबह से ही मुख्य बाजार में भीड़ लगनी शुरू हो गयी थी। इस दौरान अबीर, गुलाल की दुकानों के साथ ही मिठाई की दुकानों में लोगों की काफी भीड़ नजर आयी। प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष संजय जुनेजा ने बताया कि पिछले कई दिनों से बाजार सुस्त पड़ा हुआ था। पिछले दो दिन से बाजार में लोगों की काफी भीड़ उमड़ रही है।

उन्होंने बताया कि बड़े कारोबारियों से अधिक छोटे कारोबारियों के लिए यह पर्व थोड़ा ठीक है। हालांकि अब होली का पर्व भी काफी महंगा होने लगा है। पहले लोग 200 से 400 रुपये में अबीर-गुलाल और बच्चों के लिए पिचकारी आदि खरीद लाते थे, लेकिन अब अबीर-गुलाल महंगे होने के साथ ही बच्चों की पिचकारी भी महंगी हो गयी है।

खटीमा में होली पर्व पर खरीदारी करते लोग। ● अमृत विचार

लालकुआं नगर में फ्लैग मार्च करते पुलिस और पीएसी के जवान। ● अमृत विचार

लालकुआं में पुलिस प्रशासन ने निकाला फ्लैग मार्च

लालकुआं: होली पर्व को शांतिपूर्वक संपन्न करने एवं मजबूत सुरक्षा व्यवस्था का संदेश देने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा नगर में फ्लैग मार्च किया गया। इधर नगर कोई आसपास बिदुखता व हल्दूचौड़ क्षेत्र में होली का त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाया गया। समाचार लिखे जाने तक कोई हुड़दंग आदि की सूचना नहीं थी। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक बृजमोहन सिंह राणा के नेतृत्व में पुलिस बल एवं महिला पीएसी कर्मियों ने लालकुआं नगर, बंगाली कॉलोनी, हाथीखाना और 25 एकड़ तक फ्लैग मार्च किया, इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल कतारबद्ध होकर नगर भ्रमण कर रहे थे, तथा उक्त फ्लैग मार्च संपूर्ण शहर में घूमता हुआ वापस कोतवाली में संपन्न हो गया।

क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: होली पर्व पर नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में सोमवार देर रात तक एवं मंगलवार की रात सात बजे के पश्चात श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार व क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। जगह-जगह होली पूजन के आयोजन किए गए, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

सोमवार की सायं से लेकर देर रात तक एवं मंगलवार को चंद्रग्रहण समाप्ति के पश्चात सात बजे के बाद लोगों ने श्रद्धाभाव से होली पूजन किया। मान्यता है कि इस दिन व्रत और पूजा-पाठ करने से भगवान श्रीकृष्ण प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। ज्योतिष शास्त्रों के अनुसार होलिका दहन से पूर्व पूजा करने से घर में माता लक्ष्मी का वास होता है और सुख-समृद्धि आती है। पौराणिक कथा के अनुसार दानवराज हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र प्रह्लाद को विष्णु भक्ति से रोकने के लिए बहन होलिका के माध्यम से उसे अग्नि में बैठाने का प्रयास किया था। किंतु प्रभु की कृपा से प्रह्लाद सुरक्षित रहे और होलिका अग्नि की भेंट चढ़ गई। तभी से होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक माना जाता है। क्षेत्र में बुधवार तड़के करीब चार बजे होलिका दहन किया जाएगा।

बाजपुर में मोहल्ला मझरा प्रभु में होलिका पूजन करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

ग्रामीणों ने होलिका की पूजा की, बच्चों में उत्साह

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: ग्राम पंचायत गांव बाजपुर में सोमवार देर रात करीब साढ़े आठ बजे होलिका दहन कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर ग्रामीणों ने विधि-विधान से होलिका की पूजा-अर्चना कर परिवार व क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

रात होते ही गांव में निर्धारित स्थल पर होलिका दहन किया गया। इससे पूर्व लोगों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा की और परिक्रमा लगाकर अपने परिवार के लिए मंगलकामनाएं कीं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार लोगों ने होलिका पूजन कर बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दिया। कार्यक्रम में बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। ग्रामीण बड़ी संख्या में गन्ना और जौं लेकर पहुंचे और होलिका में अर्पित किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान गांव में भक्तिमय और उत्सवपूर्ण माहौल बना रहा। होलिका दहन के बाद लोगों ने एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं और शांतिपूर्ण ढंग से पर्व मनाने का संकल्प लिया। ग्रामीणों ने कहा कि ऐसे आयोजन आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं।

खटीमा के झनकट में होल्यारों के साथ ग्राम प्रधान। ● अमृत विचार

खटीमा और झनकट में जमकर खेली गई होली

खटीमा : नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलकर होली खेली। उन्होंने लोगों से आपसी भाईचारे, सौहार्द और सहयोग की भावना के साथ नगर के विकास के लिए निरंतर कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी प्रियंका आर्य, सफाई नायक विजय गौरव, संतोष गौरव, सूरज कुमार, दीपेश जोशी, खुशमुद्दीन, रामपाल, हीरालाल आदि मौजूद रहे। इधर झनकट की ग्राम प्रधान रीता बोरा के आवास पर महिला होल्यारों ने जमकर होली का रंग जमाया। इस दौरान – तुम दूर दिशा मत जाओ खेलो कन्हैया आंगना आदि बोलो पर कुमांऊनी होली का रंग जमाया। इस दौरान स्वांग, होली– ठिठौली का भी होल्यारों ने आनंद लिया। वरिष्ठ व्यवसायी ललित बोरा ने उपस्थित होल्यार अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर पूर्व विधायक डॉ. प्रेम सिंह राणा, भुवन जोशी, हरीश मेहता, भावना मनोला, मोना मनोला, कमला, मधु आदि मौजूद रहे।

शांति भंग करने वालों पर कड़ी नजर रखी जाएगी

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: होली पर्व को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क हो गई है। हुड़दंग, शराबखोरी और शांति भंग करने वालों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। किसी भी सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करेगी। पुलिस द्वारा संवेदनशील क्षेत्रों, सार्वजनिक स्थलों और मुख्य चौराहों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। इसके अलावा चीता मोबाइल पुलिस टीम दिनभर क्षेत्र में गश्त करती रहेगी, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

पुलिस क्षेत्राधिकारी विभव सैनी ने बताया कि प्रत्येक गतिविधि पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। यदि कोई व्यक्ति बेवजह हुड़दंग कर माहौल खराब करने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आमजन से अपील की है कि होली पर्व को आपसी भाईचारे और शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं तथा किसी पर जबरन रंग न लगाएं। पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट मीडिया पर भी निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी तरह की भ्रामक सूचना या भड़काऊ पोस्ट से माहौल खराब न हो। पुलिस कंट्रोल रूम और गश्ती दलों को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

भाजपा ने दिया भाईचारे का संदेश

● होली मिलन कार्यक्रम में फूलों की होली खेली गई

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: नगर में भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल द्वारा अनाज मंडी स्थित पं.गोविंद बल्लभ पंत पार्क में होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने फूलों की होली खेलकर एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम का आयोजन भाजपा मंडल अध्यक्ष टिंकू यादव व सांसद प्रतिनिधि रमेश गर्ग की नेतृत्व में किया गया। इस दौरान सभी ने आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ होली पर्व मनाने का संदेश दिया। मुख्य अतिथि के रूप में दर्जा कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व सांसद बलराज पासी व दर्जा गन्ना राज्य मंत्री मंजीत सिंह राजू मौजूद रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि होली प्रेम, एकता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। इस अवसर पर पूर्व दर्जा राज्य मंत्री राजेश कुमार, लोकतंत्र सेनानी गोपाल कोछड़, सांसद प्रतिनिधि विजयपाल सिंह जाटव, उमा जोशी, स्तुति गुप्ता, कुसुम सैनी, पूजा जिंदल, गुरमुख सिंह, विकास गुप्ता, तनिकेत पासी, मयंक शर्मा, ममता जैन, जयराम सिंघल, बिट्टू चौहान, चंद्रिका फौगाट, दिव्या, प्रतिभा सक्सेना सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में कार्यक्रम में सहभागिता की।

बाजपुर में होली मिलन कार्यक्रम को संबोधित करते कैबिनेट दर्जा मंत्री बलराज पासी।

हालात बरेली–पीलीभीत मार्ग पर रही यात्रियों की सबसे अधिक भीड़, हरिद्वार मार्ग की पांच बसों को दोनों मार्ग पर भेजा

दो दिन में रुद्रपुर डिपो को हुई 25 लाख की आय

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: होली पर्व पर दो दिन में रुद्रपुर डिपो की आय करीब 25 लाख 94 हजार रुपये हुई है। इससे डिपो प्रबंधन में भी खुशी देखने को मिली। वहीं मंगलवार को भी सुबह के समय रुद्रपुर बस स्टेशन में यात्रियों की भीड़ काफी रही। यह भीड़ पीलीभीत और बरेली मार्ग पर रही। यात्रियों की संख्या को देखते हुए डिपो प्रबंधन ने हरिद्वार रूट की पांच बसों को इन मार्गों पर एक-एक चक्कर संचालित किया।

यहां बता दें कि रुद्रपुर औद्योगिक नगरी होने के कारण यहां हजारों की संख्या में लोग नौकरी करते हैं। होली हो या दीपावली इस दौरान यहां यात्रियों की आवाजाही लगी रहती है। हालांकि इस बार होलिका दहन 2 मार्च को और होली का पर्व 4 मार्च को है। इस कारण कई यात्री 1 मार्च को ही अपने घरों को रवाना हो चुके थे। वहीं कई यात्री 2 मार्च को तो कई 3 मार्च को अपने घरों को रवाना हुए।

रुद्रपुर स्टेशन पर बस में चढ़ते यात्री। ● अमृत विचार

पिछले कई दिनों से रुद्रपुर डिपो की आय लक्ष्य के सापेक्ष काफी कम हो रही थी। पिछले दो दिन में डिपो की आय लक्ष्य के करीब पहुंची है। पिछले दो दिन में डिपो की आय लक्ष्य 15 लाख 79 हजार से 25 लाख 94 हजार रुपये के करीब हुई है।
–मधुसूदन मिश्रा, महाप्रबंधक, रुद्रपुर डिपो

मंगलवार की सुबह भी यात्रियों की काफी भीड़ स्टेशन परिसर में नजर आयी। इसके बाद यात्रियों की भीड़ थोड़ी कम हो गयी। डिपो प्रबंधन के अधिकारियों इस बार ज्यादातर यात्री बरेली और पीलीभीत मार्ग पर निकले। यात्रियों की संख्या को देखते हुए हरिद्वार रूट की बसों को पहले बरेली और पीलीभीत मार्ग पर भेजा गया। इसके बाद इन बसों को हरिद्वार रवाना किया गया।

दिल्ली और देहरादून रूट पर लगाई अतिरिक्त बसें

काशीपुर : दिल्ली के आनंद विहार बस अड्डे पर यात्रियों की भरमार को देखते हुए काशीपुर डिपो से छह अतिरिक्त बसों को लगाया गया है। वहीं, देहरादून रूट पर भी दो अतिरिक्त बसों का संचालन हो रहा है। होली पर दिल्ली से पहाड़ जाने वाले यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। आनंद विहार बस अड्डे पर यात्रियों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। काशीपुर डिपो की ओर से यात्रियों को सुविधा देने के लिए अतिरिक्त छह बसों का संचालन किया जा रहा है। यात्रियों की संख्या को देखते हुए उत्तराखंड परिवहन निगम के अलावा यूपी रोडवेज की बसें भी रामनगर, हल्द्वानी रूटों पर चल रही है। काशीपुर डिपो के सहायक महाप्रबंधक नवीन आर्य ने बताया कि काशीपुर से रोजाना 14 बसों का संचालन दिल्ली रूट पर होता है।

खटीमा के सरस्वती एकेडमी बिगराबाग में होली खेलते बच्चे। ● अमृत विचार

सरस्वती एकेडमी में पकवानों और गुलाल के साथ मनी होली

खटीमा : सरस्वती एकेडमी बिगराबाग में होली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पारंपरिक पकवानों की प्रदर्शनी रही, जिसमें बच्चों ने गुजिया, पापड़ और मिठाइयों के स्टॉल लगाए। इसके पश्चात विद्यालय परिवार ने एक–दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। चेयरपर्सन ज्योति पाल ने बच्चों और शिक्षकों को पर्व की बधाई दी। प्रधानाचार्य रामयश ने छात्रों को भारत के विभिन्न क्षेत्रों में प्रचलित होली की विविध परंपराओं और उनके सांस्कृतिक महत्व से अवगत कराया। इस आयोजन ने विद्यार्थियों को अपनी जड़ों और सामूहिक उत्सव की भावना से जोड़ने का कार्य किया।

वर्ल्ड ब्रीफ

मुख्यमंत्री धामी ने दी रंगोत्सव की बधाई

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को रंगोत्सव की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि, उत्तराखंड राज्य इस समय विकास का रंगोत्सव मना रहा है। केंद्र और राज्य सरकार की विकास योजनाओं का समाज के अंतिम पंक्ति तक के व्यक्ति तक लाभ पहुंचाया जा रहा है। वहीं, उत्तराखंड भाजपा के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने भी सभी को रंगोत्सव की बधाई देते कहा कि, हम सब खुशनसीब हैं कि दुनियाभर में युद्ध के माहौल में भी भारत शांतिपूर्ण तरीके से रंगों के उत्सव में मस्त है।

अल्मोड़ा में पुलिस लाइन में होली गायन करतीं महिला होल्यार। ● अमृत विचार

चिलियानौला में सामूहिक रूप से होली गायन करती होल्यारों की टीम। ● अमृत विचार

सांस्कृतिक नगरी में होली पर जमकर उड़ा अबीर-गुलाल

छलड़ी से एक दिन पूर्व नगर समेत ग्रामीण इलाकों में मची होली की धूम, कई स्थानों पर देर रात पूजा कर जलाई गई होलिका

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: छलड़ी से एक दिन पूर्व नगर समेत जिलेभर के ग्रामीण इलाकों में खूब अबीर गुलाल उड़ा। बच्चों से लेकर पुरुषों और महिलाओं तक सभी होली के रंगों में सराबोर नजर आए।

अल्मोड़ा नगर के थाना बाजार सहित कुछ मोहल्लों में सोमवार रात होलिका दहन किया गया। जबकि यहां पर्वतीय क्षेत्र में आज बुधवार को परंपरागत तौर पर छलड़ी मनाई जाएगी। इधर, मंगलवार को नगर के मल्ला महल में लोक कलाकार संघ की ओर से होली कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान लोक कलाकारों ने होली गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दी।

वहीं, छोलिया नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा। यहां मुख्य अतिथि पूर्व विधायक कैलाश शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार व रंगकर्मी नवीन बिष्ट, पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख आनंद सिंह कनवाल, लोक कलाकार संघ के अध्यक्ष सुंदर लटवाल समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

अल्मोड़ा मल्ला महल में मंगलवार को होली कार्यक्रम में मौजूद लोग।

होली खेलें, लेकिन जरा संभल कर

अल्मोड़ा : रंगों का त्योहार होली की खुशी में थोड़ी सी गलती भारी पड़ सकती है। इसलिए होली खेलें पर जरा संभल कर। कैमिकल रंगों के बदले प्राकृतिक रंगों से ही होली खेलना बेहतर रहेगा। अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सीपी भैसोड़ा ने बताया कि कैमिकल रंगों से आंखों में जलन होने लगती है। इसलिए लोगों को प्राकृतिक रंगों से ही होली खेलनी चाहिए। रंगों से एलर्जी है तो सूखी होली खेलें। होली खेलने के दौरान बच्चों का विशेष ध्यान रखें। अधिक भीगने से बच्चे बीमार हो सकते हैं। होली खेलने के दौरान चश्मा जरूर लगाए।

उधर अल्मोड़ा पुलिस लाइन में होली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस परिवार की महिलाओं ने शिव के मन माही बसे काशी..., मथुरा में खेल रहे होली..., रंग बरसे भीगे चुनरिया..., आदि होली गीतों खड़ी होली की शानदार प्रस्तुति दी।

गैराड़ में रंगकर्मी हरीश चंद्र पांडेय के आवास पर होली गाते होल्यार।

चार दिन हैं ये होली बहार के रे.....

बैरती (अल्मोड़ा) : क्षेत्र में होलियां पूरे शबाब पर हैं। आज गैराड़ में रंगकर्मी हरीश चंद्र पांडेय के आवास पर होलियारों ने रंग जमा दिया। प्रमुख होली कलाकार ललित त्रिपाठी की अगुवाई में होली गायन -वादन शुरू हुआ। बिखरे गुलशन में दाने अनार के रे, चार दिन हैं ये होली बहार के रे..की प्रस्तुति में होलियारों ने रंग जमा दिया। राग धमार ,दोपहरी, काफी ,जंगला काफी, देश, सहाना,विहाग, जैजैवंती आदि में होली गायन वादन हुआ।अन्य कलाकारों में महेश चंद्र उपाध्याय, हिमांशु पांडेय, पंकज पांडेय, विश्वंभर उपाध्याय, कैलाश चंद्र पांडेय, उमेश चंद्र पांडेय, प्रभाकर बिष्ट, मदन उपाध्याय, मनोज उपाध्याय, पीतांबर पांडेय, हरनाथ पांडेय, कमल सिंह, लाल सिंह बिष्ट व हरीश त्रिपाठी आदि ने भी जलवा बिखेरकर भागीदारी की। क्षेत्र के सभी गांवों में महिलाओं की होलियों में भी वासंती रंग छलक रहा है। इससे पूर्व कल सेलागढ़ी में जाने-माने रंगकर्मी ललित त्रिपाठी के आवास पर होली बैठक उपरांत चित्रेश्वर -शिवालय में पान- बैरती क्षेत्र के होलियारों ने शिव मंदिर परिक्रमा कर होली गायन किया। रात्रि में बैरती व पान में भी होलिका दहन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

शिव मंदिर में होली और झोड़ा गीतों ने बांधा समां

रानीखेत : नगर सहित चिलियानौला नगर पालिका में होली महोत्सव की धूम मची हुई है। मंगलवार को रानीखेत नगर में शिव मंदिर समिति रानीखेत के सहयोग से सांस्कृति कार्यक्रम आयोजित हुए। जो पूरे नगर से होकर गुजरा। चिलियानौला में बधाण गांव की होली पूरे शबाब पर है। सोमवार को चौथे दिन होली शिव मंदिर पहुंची। जहां होली गीतों के अलावा झोड़ा गायन ने भी महफिल लूटी। बाद में तमाम स्थानों पर होलियां हुई। शिव मंदिर परिसर में ही पालिका की ओर से महिला होली गायन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पालिका अध्यक्ष अरुण रावत, सभासद सुंदर कुवाबी, शंकर दत्त बुधोड़ी, पूर्व प्रमुख प्रेम सिंह कुवार्बी, पूर्व प्रधान कवींद्र सिंह कुवार्बी, मदन सिंह कुवार्बी रहे।

विद्यालय एवं वृद्धा आश्रम में मनाई होली

बागेश्वर : संघर्ष वाहिनी द्वारा आश्रम पद्धति कन्या विद्यालय एवं वृद्धा आश्रम में होली महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों व वरिष्ठजनों ने गीतों और नृत्य से रंग जमा दिया। बच्चों और बुजुर्गों के साथ होली मनाने से सभी खुश दिखे। आश्रम परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों व बुजुर्गों ने होली गायन एवं नृत्य किया। होली मिलन में कवि जोशी जिलाध्यक्ष संघर्ष वाहिनी, अंकुर उपाध्याय जिला प्रवक्ता, विजय परिहार जिला महामंत्री, नवनीत बिष्ट जिला महामंत्री संगठन, नीरज मनवाल जिला सचिव, महेश नगरकोटी जिला सचिव, पंकज परिहार जिला उपाध्यक्ष, विनोद थापा जिला सोशल मीडिया प्रभारी, दिव्यांशु कुमार जिला सह सचिव, जयदीप कुमार जिला उपाध्यक्ष, हिमांशु कुमार, नवीन कुमार आदि मौजूद रहे।

बागेश्वर में आयोजित होली बैठक में मौजूद होल्यार।

आतंक का पर्याय बना गुलदार पिंजरे में कैद

अल्मोड़ा में खगमरा में लगे पिंजरे में कैद गुलदार। ● अमृत विचार

संवाददाता, अल्मोड़ा

- खगमरा क्षेत्र में बना हुआ था गुलदार का आतंक
- गुलदार के पिंजरे में कैद होने से लोगों ने ली राहत की सांस

अमृत विचार: नगर के खगमरा में आतंक का पर्याय बना गुलदार पिंजरे में कैद हो गया है। गुलदार के पिंजरे में कैद होने से लोगों और वन विभाग के अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

दरअसल, लंबे समय से पुलिस लाइन, खगमरा समेत कई इलाकों में गुलदार की धमक से लोगों में दहशत थी। आए दिन रिहायशी इलाकों में गुलदार की चहलकदमी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो रही थी। जिससे लोगों में भय का माहौल बना हुआ था। वहीं, घरों के आंगन से गुलदार कई कुत्तों को भी उठा ले गया। लोगों की मांग के बाद वन विभाग ने पुलिस लाइन स्थित खगमरा क्षेत्र में पिंजरा लगाया हुआ था। वहीं, मंगलवार तड़के गुलदार पिंजरे में कैद हो गया है। जिसे रेस्क्यू कर विभाग ने एनटीडी स्थित रेस्क्यू सेंटर पहुंचा दिया है। वन विभाग के वन क्षेत्राधिकारी मोहन राम आर्य ने बताया कि शिकायत मिलने पर क्षेत्र में विभाग की ओर से पिंजरा लगाया गया था। गुलदार पिंजरे में कैद हो गया। पकड़े जाने के बाद गुलदार को रेस्क्यू सेंटर भेज दिया गया है।

मार्च के शुरू में ही पारा 30 डिग्री के पास

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: तराई क्षेत्र में इस बार गर्मी ने समय से पहले ही तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। मार्च के शुरुआती दिनों में ही हल्द्वानी में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया है। वहीं फरवरी माह भी पिछले दो वर्षों में सबसे अधिक गर्म दर्ज किया गया, जिससे संकेत मिल रहे हैं कि इस बार मार्च में ही गर्मी की अच्छीखासी शुरुआत हो सकती है।

मौसम विभाग देहरादून के अनुसार के एक्सट्रीम वेदर इवेंट्स इन द मंथ ऑफ मार्च चार्ट के अनुसार वर्ष 2025 में अब तक मार्च का उच्चतम तापमान 36.6 डिग्री सेल्सियस (27 मार्च) दर्ज किया गया है, जबकि न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री (2 मार्च) रहा। पिछले वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें तो मार्च में तापमान का उतार-चढ़ाव बना रहा है। वर्ष 2024 में मार्च का अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री और 2023 में 32.4 डिग्री रहा। खास बात यह है कि 2017 में मार्च का अधिकतम तापमान 36.9 डिग्री तक पहुंच चुका है, जो ऑल टाइम रिकॉर्ड के रूप में दर्ज है। न्यूनतम तापमान का ऑल टाइम रिकॉर्ड 3.4 डिग्री (1989) रहा है। आंकड़ों से स्पष्ट है कि मार्च में तेज गर्मी, ठंडी हवाओं और बारिश का मिश्रित असर देखने को मिलता रहा है।

पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होना जरूरी

हल्द्वानी : यदि पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं होते और वर्षा सामान्य से कम रहती है, तो दिन के तापमान में तेजी से बढ़ोतरी हो सकती है। सुबह-शाम हल्की ठंडक और दोपहर में तेज धूप के कारण वायरल संक्रमण, डिहाइड्रेशन और त्वचा संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। ऐसे में पर्याप्त पानी पीने, धूप से बचाव और हल्के सूती कपड़े पहनने की सलाह दी जा रही है।

चंद्र ग्रहण पर जागेश्वर में बंद रहे मंदिर के कपाट

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: चंद्र ग्रहण के चलते मंगलवार जिलेभर के मंदिरों के कपाट बंद रहे। सुबह से सूतक काल शुरू हुआ। इसके चलते मंदिरों के कपाट बंद किए और श्रद्धालु दर्शन नहीं कर पाए।

मंगलवार सुबह 6:20 बजे चंद्र ग्रहण शुरू हुआ। पुरोहित प्रमोद कुमार लोहनी ने बताया कि हिंदू धर्म में चंद्र ग्रहण के दिन सभी प्रमुख मंदिरों के द्वार ग्रहण खत्म होने तक बंद रखे जाते है। इसके अलावा मान्यताओं के अनुसार ग्रहण के दिन भोजन आदि खाद्य पदार्थों में भी तुलसी की पत्ती डालकर ही उन्हें ग्रहण किया जाता है। उन्होंने बताया कि चंद्र ग्रहण शाम 6.50 बजे समाप्त हो गया था, जिसके बाद लोगों ने स्नान शुद्धि करके पुन अपने देवताओं की पूजा अर्चना यथावत आरंभ की मंदिर के कपाट खोले। चंद्र ग्रहण में जो भी दान दिया जाता है, दान अमृत तुल्य माना जाता है।

पहाड़ कटिंग का समय निर्धारित हो

पिथौरागढ़ : उत्तराखंड क्रांति दल के अधिकारी-कर्मचारी प्रकोष्ठ के कुमाऊं मंडल अध्यक्ष दिनेश गुरुरानी ने बंदरलीमा के पास सड़क चौड़ीकरण के लिए पहाड़ की कटिंग के लिए समय तय किए जाने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि सुबह के समय पहाड़ी कटान के चलते आवाजाही बंद की जा रही है। ऐसे में यात्रियों, पर्यटकों और बोर्ड परीक्षार्थियों को दिक्कत झेलनी पड़ रही है। उन्होंने इस परेशानी के समाधान के लिए पहाड़ कटिंग के लिए समय निर्धारित करने की मांग की है।

डोबा गांव से सटे जंगल में धधकी भीषण आग

संवाददाता, अल्मोड़ा

डोबा गांव से सटे जंगल में लगी आग को बुझाते दमकल कर्मी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: जिले में तापमान बढ़ने के साथ ही वनाग्नि की घटनाएं सामने आने लगी है। मंगलवार को दिन में हवालबाग विकासखंड के डोबा गांव से सटे जंगल अचानक आग से धधक उठी। सूचना पर फायर सर्विस की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद करीब दो घंटे बाद आग पर काबू पाया।

जिले के जंगलों में वनाग्नि की घटनाएं शुरू हो गई है। मंगलवार दिन में हवालबाग ब्लॉक के ग्राम पंचायत डोबा के जंगलों में अचानक आग धधक उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और तेजी से रिहायशी इलाकों की ओर बढ़ने लगी। आग को बढ़ता देख लोगों में भी हड़कंप मच गया। स्थानीय ग्रामीणों ने इसकी सूचना फायर सर्विस को दी।

इस अवसर पर पहुंची टीम ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर किसी तरह काबू पाया। जिसके बाद स्थानीय ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। टीम में एलएफएम किशन सिंह, एफएस विपिन बडोला, दीपक सिंह, दीपक मार्छाल, डब्लूएफएम चांदनी व आकांक्षा शामिल रही।

सरकारी नौकरी नहीं है तो भी मिलेगी 5 हजार पेंशन

- सरकार की अटल पेंशन योजना खासी लोकप्रिय
- ग्राहक की उम्र 18 से 40 साल के बीच होनी चाहिए

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: हर कोई अपनी कमाई में से कुछ न कुछ बचाने की कोशिश करता है और उसे ऐसी जगह पर निवेश करना चाहता है, जिससे बुढ़ापे में वित्तीय संकट से नहीं जूझना पड़े। इनमें सरकार की अटल पेंशन योजना खासी लोकप्रिय है। अगर आपके पास सरकारी नौकरी नहीं है फिर भी 60 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद पेंशन चाहिए तो पोस्ट ऑफिस की अटल पेंशन योजना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

अटल पेंशन योजना भारत के नागरिकों के लिए असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों पर केंद्रित एक पेंशन योजना है। एपीवाई के तहत, 60 साल की उम्र पूरी होने पर 1 से 5 हजार प्रति माह रुपये की न्यूनतम पेंशन की गारंटी ग्राहकों की ओर से योगदान के आधार पर दिया जाता है। भारत का कोई भी नागरिक एपीवाई योजना में शामिल हो सकता हैं। ग्राहक की उम्र 18 से 40 साल के बीच होनी चाहिए। साथ ही उसका एक बचत बैंक खाता डाकघर में होना चाहिए।

60 साल की उम्र के बाद मिलेगी पेंशन

योजना के तहत 60 साल का होने पर हर माह 1 हजार से लेकर 5 हजार रुपए की पेंशन मिलती है। हल्द्वानी पोस्टमास्टर चंदन बिष्ट ने बताया कि इसमें 18 साल से 40 साल तक का व्यक्ति निवेश कर सकता है। इस स्कीम में उसे कम से कम 20 साल निवेश करना होगा। स्कीम में शामिल होने के लिए सेविंग बैंक अकाउंट, आधार और एक्टिव मोबाइल नंबर का होना जरूरी है। अमाउंट कितना कटेगा यह इस बात पर निर्भर करेगा कि आप 60 साल के बाद कितनी पेंशन चाहते हैं। 1 से 5 हजार रुपए प्रतिमाह पेंशन लेने के लिए 42 से लेकर 210 रुपए प्रतिमाह तक निवेश करना होगा। यह 18 साल की उम्र में स्कीम लेने पर होगा। वहीं, यदि कोई 40 साल की उम्र में स्कीम लेता है तो उसे 291 से लेकर 1,454 रुपए प्रतिमाह तक का जमा करने होंगे। साथ ही, इसमें आप सेक्शन 80सी के तहत 1.5 लाख रुपए तक टैक्स बेनीफिट क्लेम भी कर सकते हैं।

भावी आवेदक एपीवाई अकाउंट में समय-समय पर अपडेट की प्राप्ति की सुविधा के लिए पंजीकरण के दौरान बैंक को आधार और मोबाइल नंबर उपलब्ध करा सकता है। हालांकि, आधार कार्ड नामांकन के लिए अनिवार्य नहीं है।

लापरवाही

बेस अस्पताल में सड़क चौड़ीकरण के दौरान दूसरी जगह किया गया था शिफ्ट, दोबारा शुरू नहीं हुई सेवा

एक साल से बंद पड़ी सीटी स्कैन सेवा, मरीज परेशान

संवाददाता, हल्द्वानी

हल्द्वानी के बेस अस्पताल में पसरा सन्नाटा। ● अमृत विचार

अमृत विचार: सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल हल्द्वानी में पिछले लगभग एक वर्ष से सीटी स्कैन मशीन खराब पड़ी है, जिससे मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण के दौरान मशीन को एक स्थान से दूसरे स्थान पर शिफ्ट किया गया था। इसके बाद से यह मशीन दोबारा चालू नहीं हो पाई और सीटी स्कैन की सेवा पूरी तरह ठप हो गई है।

अस्पताल प्रशासन का कहना है कि मशीन काफी पुरानी हो चुकी थी और शिफ्टिंग के बाद तकनीकी रूप से इसे दोबारा शुरू करना संभव नहीं हो पाया। अधिकारियों के अनुसार मशीन की कार्यक्षमता पहले ही सीमित हो चुकी थी और अब इसे संचालित करना व्यावहारिक नहीं है। अस्पताल के पीएमएस डॉ. केएस दत्ताल ने नई सीटी स्कैन मशीन मंगाने का प्रस्ताव शासन को भेजा है, लेकिन अब तक इस प्रस्ताव पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

न्यूरोसर्जन और सीटी स्कैन मशीन बहुत जरूरी

हल्द्वानी : बेस अस्पताल में अभी हाल तक न्यूरोसर्जन डॉ. अमित देवल सप्ताह में एक दिन ओपीडी में मरीज देखते थे लेकिन अब उन्होंने नौकरी छोड़ दी है। अस्पताल में नौ बेड का आईसीयू भी शुरू कर दिया गया है। अब यहां पर न्यूरोसर्जन की नियमित नियुक्ति हो जाए और साथ ही सीटी स्कैन मशीन शुरू कर दी जाए तो मरीजों को काफी लाभ होगा।

इससे अस्पताल में आधुनिक जांच सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। बेस अस्पताल में पूरे कुमाऊं मंडल से बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। पहले यहां प्रतिदिन औसतन 10 से 15 मरीजों के सीटी स्कैन किए जाते थे। दुर्घटना, सिर की चोट, ब्रेन स्ट्रोक, फेफड़ों और पेट से संबंधित गंभीर बीमारियों की जांच के लिए सीटी स्कैन बेहद आवश्यक होता है। सेवा बंद होने से गंभीर मरीजों की जांच में देरी हो रही है। वर्तमान में मरीजों को सीटी स्कैन के लिए तीन किलोमीटर दूर स्थित डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल जाना पड़ रहा है।

हाईवे पर धूल के गुबार से लोग हो रहे परेशान

उत्तरकाशी : गंगोरी में बीआरओ की ओर से गंगोत्री हाईवे के डामरीकरण के नाम पर उखाड़ कर वहां पर नेताला भूस्खलन जोन से मिट्टी लाकर बिछा दी। इससे कारण वहां पर धूल उड़ने के कारण व्यापारियों और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय व्यापारी सुनील राणा, दिग्विजय नेगी, विकास राणा का कहना है कि गंगोरी पुल के समीप बाजार में गंगोत्री हाईवे मात्र वन विभाग के बैरियर के समीप क्षतिग्रस्त था। बीआरओ की ओर से गंगोरी पुल के दोनों पहले सड़क पर बिछाया गया डामर उखाड़ा गया। उसके बाद वहां पर डामरीकरण बिछाने के स्थान पर नेताला भूस्खलन जोन से लाई गई मिट्टी को बिछा दिया गया।

अमृत विचार

बुधवार, 4 मार्च 2026

मन में कृष्ण को बसाकर, उनके भक्त बनकर और निस्वार्थ कर्म (पूजा) करके ही व्यक्ति आनंद और प्रेम के रंग से भर सकता है, जो होली के वास्तविक संदेश "आंतरिक शुद्धता और प्रेम" के अनुकूल है। **–श्रीमद् भागवत गीता**

जंग का बढ़ता दायरा

पश्चिम एशिया बारूद के ढेर पर है। इज़राइल द्वारा ईरान के सैन्य और परमाणु प्रतिष्ठानों पर व्यापक बमबारी के जवाब में ईरान की बहुस्तरीय प्रतिघात रणनीति ने संघर्ष को सीमित झड़प से क्षेत्रीय युद्ध की दिशा में धकेल दिया है। अब यह टकराव केवल दो देशों के बीच नहीं, बल्कि व्यापक त्रासदी का कारण बनता लग रहा है। दोनों पक्ष अपने-अपने नैरेटिव में आत्मरक्षा और निवारण का हवाला दे रहे हैं, किंतु परिणामस्वरूप युद्ध की परिधि बढ़ती जा रही है। यह ठीक है कि यह युद्ध किंचित लंबा चले पर रूस यूक्रेन की तरह वर्षों तक नहीं चलेगा क्योंकि ईरान की परमाणु क्षमता और उसका क्षेत्रीय प्रॉक्सी नेटवर्क-हिज्बुल्लाह, हमास, हूती पहले जितने मजबूत नहीं है पर ईरान ने तीन-चरणीय जवाबी योजना के तहत सीधे हमलों के साथ-साथ क्षेत्रीय मोर्चों को भी सक्रिय करने की जो रणनीति बनाई है वह इस बहाने के साथ कि वह 'आक्रामकता का जवाब' दे रहा है, युद्ध को व्यापक बनाएगी। उसका दावा है कि अमेरिकी ठिकाने उसके वैध लक्ष्य हैं। खाड़ी देशों की स्थिति सबसे जटिल है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश ईरान के प्रभाव से चिंतित हैं, पर वे खुलकर युद्ध में कूदने से बचना चाहते हैं। खाड़ी सहयोग परिषद के सदस्य ऊर्जा अवसंरचना और समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर सतर्क हैं। यदि संघर्ष फारस की खाड़ी और होर्मुज़ जलडमरूमध्य तक फैलता है, तो वैश्विक तेल आपूर्ति पर तात्कालिक असर पड़ेगा। खाड़ी में काम करने वाले लाखों भारतीयों की सुरक्षा और प्रेषण या रिमिटेंस भी दांव पर हैं। किसी एक पक्ष की खुली हिमायत दीर्घकालिक हितों को नुकसान पहुंचा सकती है इसलिए सभी पक्षों से संयम और संवाद की अपील करके कूटनीतिक रूप से भारत संतुलन की नीति पर चल रहा है। यह रुख इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि भारत के इजराइल, ईरान और अरब देशों-तीनों से रणनीतिक संबंध हैं।

रक्षा-सुरक्षा के स्तर पर यह युद्ध ड्रोन, मिसाइल और साइबर क्षमताओं के नए आयाम दिखा रहा है। बहुस्तरीय वायु-रक्षा प्रणालियां, सटीक-मारक मिसाइलें और समुद्री नाकेबंदी की संभावनाएं भविष्य के युद्धों की झलक देती हैं। अमेरिका की नौसैनिक मौजूदगी और इजराइल की इंटेलिजेंस-ड्रिवन स्ट्राइक क्षमता एक ओर है, दूसरी ओर ईरान की असममित रणनीति-प्रॉक्सी नेटवर्क और मिसाइल भंडार है। यदि लेबनान, इराक या यमन के मोर्चे पूरी तरह सक्रिय हुए, तो संघर्ष का दायरा और बढ़ेगा। इस बात की चर्चा जायज है कि यह 'नए विश्व-क्रम' की आहट है। संभव है कि यह टकराव क्षेत्रीय गठबंधनों को पुनर्परिभाषित करे-इजराइल और कुछ अरब देशों के बीच सामरिक समीकरण मजबूत हों, जबकि ईरान-रूस-चीन समीपता बढ़े। युद्ध की अवधि, जनमत, आर्थिक लागत और कूटनीतिक हस्तक्षेप-ये सभी कारक भविष्य में इसकी दिशा तय करेंगे। यह संघर्ष जितना सैन्य है, उतना ही मनोवैज्ञानिक और आर्थिक भी। बाजारों की घबराहट, तेल की कीमतें, शरणार्थी संकट और साइबर हमलों का जोखिम-सब मिलकर इसे वैश्विक चिंता का सबब बना रहे हैं। विश्व समुदाय के लिए चुनौती यह है कि वे संतुलित कूटनीति, ऊर्जा-विविधीकरण और नागरिक सुरक्षा की ठोस तैयारी के साथ आगे बढ़ें। क्योंकि इतिहास गवाह है युद्ध की आग सीमाओं में नहीं सिमटती।

प्रसंगवश

समाज हित में जरूरी है त्योहारों पर आत्ममंथन

भारत को उत्सवों की भूमि कहा जाता है। यहां प्रत्येक पर्व केवल आनंद का अवसर नहीं, बल्कि आध्यात्मिक संदेश का वाहक भी है। किंतु विडंबना यह है कि समय के साथ अनेक त्योहारों का स्वरूप अपने मूल उद्देश्यों से भटकता हुआ दिखाई दे रहा है। आज आवश्यकता है कि हम परंपरा और पाखंड के बीच स्पष्ट भेद करें, और स्वयं से प्रश्न पूछें—क्या हम वास्तव में धर्म का पालन कर रहे हैं या केवल सामाजिक दबाव में प्रवाहित हो रहे हैं? आज अनेक लोग यह स्वीकार करते हैं कि वे कुछ परंपराओं में केवल इसलिए भाग लेते हैं क्योंकि परिवार या समाज ऐसा करता है। "लोग क्या कहेंगे" का भय उन्हें विवश कर देता है। धर्म का आधार विवेक है, भीड़ का अनुसरण नहीं। यदि किसी आचरण में नैतिकता, मर्यादा और आत्मसम्मान का ह्रास हो रहा हो, तो उस पर पुनर्विचार आवश्यक है। साहसपूर्वक सही को स्वीकार करना और गलत का त्याग करना ही सच्ची धार्मिकता का संकेत है।

संतोष तिवारी
लेखक

प्रख्यात आध्यात्मिक चिंतक ओशो ने अपने प्रवचनों में कहा था कि उत्सव का अर्थ है चेतना का विस्तार, न कि अचेतनता में डूब जाना। उनके अनुसार, "उत्सव वह है जो आपको अधिक सजग बनाए; यदि वह आपको बेहोश और उन्मादी बना दे, तो वह धर्म नहीं, भीड़ का उन्माद है।" यह विचार हमें याद दिलाता है कि आध्यात्मिकता का सार आंतरिक जागृति है, बाहरी प्रदर्शन नहीं। सामाजिक और धार्मिक सुधार की दिशा में आर्य समाज ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती ने वेदों की ओर लौटने और अंधविश्वासों का त्याग करने का आह्वान किया। उनका स्पष्ट मत था कि धर्म का अर्थ है सत्य, संयम और समाजहित; किसी भी प्रकार का पाखंड या अनैतिक आचरण धर्म नहीं हो सकता। यह दृष्टिकोण आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उस समय था। यदि किसी परंपरा में विवेक का स्थान अंधानुकरण ले ले, तो सुधार की आवश्यकता स्वाभाविक हो जाती है। धर्म केवल अनुष्ठानों का समूह नहीं है। यह आचरण की शुद्धता, विचारों की पवित्रता और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का नाम है। यदि त्योहार हमें हिंसा, अपमान, पर्यावरण क्षति या अतिरेक की ओर ले जाएं, तो हमें ठहरकर आत्ममंथन करना चाहिए। त्योहारों का उद्देश्य समाज को जोड़ना है, तोड़ना नहीं। वे आनंद और सौहार्द का संदेश देते हैं, भय और असुविधा का नहीं।

समाधान स्पष्ट है—उत्सव का पुनरुत्थान। प्राकृतिक और सुरक्षित रंगों का प्रयोग करें। किसी की अनुमति के बिना रंग न लगाएं। नशा और अश्लीलता से दूरी रखें। होलिका दहन के समय अपने आंतरिक विकारों का प्रतीकात्मक त्याग करें। महाशिवरात्रि पर ध्यान, उपवास और आत्मसंयम का अभ्यास करें। यदि संभव हो तो इन त्योहारों में मांसाहार न करने का भी संकल्प लें, ताकि जीव हत्या से भी दूर रह सकें और करुणा की भावना विकसित हो। यह विरोध का नहीं, सुधार का मार्ग है। हमें त्योहारों का बहिष्कार नहीं करना, बल्कि उन्हें उनके मूल स्वरूप में पुनर्स्थापित करना है। धर्म का सार आत्मशुद्धि और समाजहित है। यदि हम त्योहारों को केवल बाहरी प्रदर्शन का माध्यम बना दें, तो उनका आध्यात्मिक महत्व समाप्त हो जाता है। आइए, हम यह संकल्प लें कि उत्सवों को उन्माद नहीं, उत्साह का माध्यम बनाएंगे; पाखंड नहीं, प्रामाणिकता अपनाएंगे; और बाह्य रंगों से अधिक अपने भीतर के अंधकार को दूर करने का प्रयास करेंगे। यही सच्ची श्रद्धा है। यही सच्चा धर्म है। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

होली : जीवन और नव सृजन का मदनोत्सव

डॉ. विवेकानंद तिवारी
प्रोफेसर, शिमला

होली वास्तव में एक वैदिक यज्ञ है, जिसका मूल स्वरूप आज विस्मृत हो गया है। वैदिक काल में इस पर्व को 'नवान्नेष्टि' कहा गया है। इस दिन खेत के अधपके अन्न का हवन कर प्रसाद बांटने का विधान है। इस अन्न को होला कहा जाता है, इसलिए इसे होलिकोत्सव के रूप में मनाया जाता था।

इस पर्व को नवसंवत्सर का आगमन तथा वसंतागम के उपलक्ष्य में किया हुआ यज्ञ भी माना जाता है। कुछ लोग इस पर्व को अग्निदेव का पूजन मात्र मानते हैं। मनु का जन्म भी इसी दिन का माना जाता है। अतः इसे मन्वादितिथि भी कहा जाता है। पुराणों के अनुसार भगवान शंकर ने अपनी क्रोधाग्नि से कामदेव को भस्म कर दिया था, तभी से यह त्योहार मनाने का प्रचलन हुआ। हमारी संस्कृति मे 'होली' का उत्सव तामसिक वृत्तियों के मुखर होने हेतु नियत किया गया है। इस दिन हमारी मर्यादित प्रकृति भी उन्मुक्त हो जाती है। आमोद-प्रमोद निर्बंध हो जाते हैं। उत्सव की इस सम्मोहनी शक्ति को हमारे द्रष्टा महर्षियों ने समझा था। उन्होंने यज्ञों में वसंत को आज्य कहकर घोषित किया था- यत्पुरुषेण हविषा देवा यज्ञमतन्वत। वसन्तो अस्यासीदाज्यं ग्रीष्मः इध्मः शरद्धवि॥

होलिकोत्सव का वर्णन भविष्योत्तर पुराण में इस प्रकार से किया गया है "राजन्! शीतकाल का अंत है। इस फाल्गुनी पूर्णिमा के पश्चात् प्रातः मुधमास होगा। सभी को आप अभय दीजिए। सभी रंग-बिरंगे वस्त्र पहनकर चंदन, अबीर और गुलाल लगाकर पान चबाते हुए एक-दूसरे पर रंग डालने के लिए पिचकारियां लेकर निकलें, जिनके मन में जो आए सो कहें। ऐसे शब्दों से तथा हवन करने से वह पापिनी (होलिका) नष्ट हो जाती है।" होली या वसंतोत्सव का जो वर्तमान स्वरूप दिखाई पड़ता है वह हजारों वर्ष भारतवर्ष के पूर्व भाग में, जो अनेक प्रकार की उद्यान-क्रीड़ाएं प्राचीनकाल में प्रचलित थी, वे इसी होली पर्व का ही एक अंग थीं।

पाणिनि का 'प्राचांक्रीणायां (6,2,72) सूत्र इनका परिचायक है। 'वात्स्यायन ने उन्हें देश परंपरागत क्रीड़ाएं कहा है। श्रीमद्भागवत (10-75-14.15) में वर्णन इस प्रकार मिलता है-"गंध, माला, भूषण तथा वस्त्रों से अलंकृत पुरुष और स्त्रियां नदी में अवभृथ स्नान करने के लिए गईं। वहां युवतियां तेल, गोरस, सुगंधित जल, हल्दी और कुंकुम आदि से एक-दूसरे को रंगने लगी। घत्तियी (चर्मयंत्र) से अपने देवरों और प्रियजनों को भिगो रही थीं।" ये घत्तियां ही आधुनिक पिचकारियों की आदिरूप थीं। महाकवि माघ (750 ई.) ने पिचकारी का वर्णन किया है। तप्त स्वर्ण के समान उज्ज्वल केसरिया रंग का विशाल स्नानाच्छादन, वस्त्र प्रक्षालन तथा प्रियजनों का सान्निध्य नारियों के जल क्रीड़ा के साधन थे।

प्रारंभ में उत्सवों और पर्वों का आरंभ अत्यंत लघु बिंदु से होता है, जिसमें निरंतर विकास होता रहता है। सामाजिक आवश्यकताएं इनके विकास में विशेष भूमिका निभाती हैं। यही कारण है कि होली जो मूलतः एक वैदिक सोमयज्ञ के अनुष्ठान से प्रारंभ हुआ, आगे चलकर परम भागवत प्रहलाद और उनकी बुआ होलिका के आख्यान से भी जुड़ गया। गवामयन के अंतर्गत महाव्रत के इस परिवर्धित और उपबृंहित पर्व-संस्करण में 'नवशस्येष्टि (नई फसल के अनाज का सेवन करने के लिए किया गया अनुष्ठान) तथा मदनोत्सव अथवा वसंतोत्सव का समावेश भी इसी क्रम में आगे हो गया। वसंत ऋतु के आगमन के स्वागत उत्सव के कारण होली वसंतोत्सव के रूप में मनाई जाती है। मदनोत्सव के पीछे यह रहस्य है कि मानव जीवन में धर्म, अर्थ और मोक्ष के साथ काम भी एक पुरुषार्थ के रूप में प्रतिष्ठित है।

'कामस्तदाग्रे संवर्ततााधि' कहकर वेदों ने सृष्टि के आदिम स्पंदन में भी काम अर्थात् सृजनात्मक इच्छा की अनिवार्यता को स्वीकार किया है। नृत्य, संगीत, चित्र, काव्य, हास-परिहास, व्यंग्य-विनोद और जीवन का समूचा उल्लास इसी तृतीय पुरुषार्थ की विविध अभिव्यक्तियां हैं। मानव-जीवन केवल तप और त्याग का नाम नहीं, उसमें रस, रंग और राग का संतुलित समावेश भी उतना ही आवश्यक है। जैसा कि भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं- हे अर्जुन! प्राणियों में जो धर्मानुकूल कामभाव है, वही मैं हूं। यहां काम का आशय उच्छृंखल भोग नहीं, बल्कि मर्यादित, सृजनशील और जीवनोन्मुख प्रवृत्ति से है, जो समाज को ऊर्जा और सौहार्द प्रदान करती है।

पुराणों में वर्णित है कि फाल्गुन कृष्णाष्टमी को शिव ने अपने तृतीय नेत्र की ज्वाला से कामदेव का दहन किया। किंतु रति की करुण प्रार्थना पर उन्होंने धुलैंडी के दिन कामदेव के प्रद्युम्न रूप में पुनर्जन्म का वर प्रदान किया। यह प्रसंग दमन नहीं, बल्कि शुद्धिकरण और पुनर्स्थापन का प्रतीक है। इसी कारण होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि संयमित कामना, पुनरुत्थान और जीवन के नव-सृजन का 'मदनोत्सव' भी है, जहां आनंद धर्म की मर्यादा में रहकर उत्सव बन जाता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

प्रारंभ में उत्सवों और पर्वों का आरंभ अत्यंत लघु बिंदु से होता है, जिसमें निरंतर विकास होता रहता है। सामाजिक आवश्यकताएं इनके विकास में विशेष भूमिका निभाती हैं।

सोशल फोरम

नई दुनिया में सफलता का सूत्र है टीम वर्क

आज दुनिया में ऐसे परिवार हैं, ऐसे घर हैं, जिनमें एक ही व्यक्ति है। आइसलैंड के वीराने से लेकर बेंगलुरू की भीड़ में ऐसे लोग मौजूद हैं। यह संभव है कि व्यक्ति अकेले ही घर के सभी कार्य कर ले। वहीं दूसरी तरफ, अब ऐसे कार्यस्थल कम हैं, जहां वन-मैन-आर्मी हो। अस्पताल से लेकर नाई की दुकान तक हमें टीम मिलती है। पहले लोग एक चिकित्सक के पास जाकर मलेरिया की दवा ले लेते। उन्हीं चिकित्सक के पास हर्निया के ऑपरेशन से लेकर बच्चे का जन्म भी हो जाता। अगर आप दुनिया के आधुनिक अस्पताल पहुंचें, तो दर्जनभर चिकित्सक मिल कर एक सर्जरी की योजना बना रहे होते हैं। तमाम स्कैन चित्रों के सहयोग से एक वर्चुअल ऑपरेशन हो रहा होता है, जो वर्चुअल रियलिटी सॉफ्टवेयर के सहयोग से संभव होता है। यूं लगता है जैसे किसी अंतरिक्ष यात्रा की योजना बन रही हो। अब 'एकला चोलो रे' नहीं, बल्कि एक बेहतरीन टीम बनाकर कार्य हो रहा है।

प्रवीण झा
लेखक

टीम क्या है? जैसे 'लगान' फिल्म के किरदार भुवन को ही लें। वह अच्छे खिलाड़ी थे, मगर वह फिरकी नहीं डाल सकते थे, तेज गेंदबाजी नहीं कर सकते थे, सबसे बड़ी बात कि अकेले खेल नहीं सकते थे। उन्होंने ऐसी प्रतिभाएं ढूंढी, जिनके पास वे अलग-अलग गुण थे। सौरभ गांगुली ने अलग-अलग काबिलियत वाले युवाओं को जोड़कर टीम बनाई। हमें यह मानकर चलना होगा कि हम भले अपनी पूरी मेहनत और प्रतिभा झोंक दें, मगर हम अष्टभुज नहीं है। न ही सर्वगुण संपन्न। हमें यह पहचानना होगा कि हम क्या बेहतर कर सकते हैं, जो हम नहीं कर सकते, वह आखिर कौन बेहतर कर सकता है? अगर दोनों मिल गए तो क्या कमाल जोड़ी होगी? दो से चार। चार से आठ। आठ से बीस। अल्बर्ट आइंस्टाइन ने जब रिलेटिविटी पर शोधपत्र लिखा, तो उस पर सिर्फ उनका नाम था। वहीं, अगर मनुष्य की आनुवंशिक कुंडली निकालने के लिए बने ह्यूमन जीनोम प्रोजेक्ट का उदाहरण लें, तो उसमें सात देशों के बीस प्रयोगशालाओं के सैकड़ों वैज्ञानिक लगे थे। कोरोना का टीका कई देशों के वैज्ञानिकों ने मिलकर बनाया। हम चाहे गांव में हों या शहर में। खेती-बाड़ी करते हों या कोई अत्याधुनिक तकनीकी कार्य कर रहे हों, हमें ऐसी टीम ढूंढनी होगी, जो हमें श्रेष्ठ परिणाम दे। अगर हर सजग युवा इसी तरह अपने पूरक तलाशें, टीम बनाएं, तो सफलता का रास्ता छोटा और श्रेष्ठतर होता जाएगा। **-फेसबुक वॉल से**

आमने

एसआईआर के पीछे मंशा विपक्ष के वोट को काटना और सत्ता पक्ष को जिताना है। एसआईआर में गड़बड़ियों को लेकर कोर्ट भी गए, प्रदर्शन भी हुए, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। ये (अमित शाह) जहां जाते हैं, वहां भ्रष्टाचार बढ़ जाता है। गुजरात भ्रष्टाचार को मॉडल है। जितने बैंक लुटेरे हैं ज्यादातर गुजरात में हैं। – **उदित राज,** कांग्रेस नेता

अमित शाह ने सही बयान दिया है। बंगाल की जनता बदलाव चाहती है। जैसे यूपी, बिहार विकास के रास्ते पर हैं, वैसे ही बंगाल के लोग भी विकास चाहते हैं। एसआईआर चुनाव आयोग करा रहा है। चुनाव आयोग स्वतंत्र एजेंसी है। मृतकों को सूची से हटाया जा रहा है, जो लोग गांव से शहरों में जाकर बस गए हैं उन्हें सूची से हटाया जा रहा है। –**ओमप्रकाश राजभर,** मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार

सामने

बेहतर कानून व्यवस्था से निवेश की होड़

अमित नारायण
राजनीतिक विश्लेषक

सर्वाधिक एक्सप्रेस वे वाले उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाने के लक्ष्य की पूर्ति के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुरू की गई कवायद रंग ला रही है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में अग्रणी राज्य के रूप में पहचान बनाने वाले उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था की तारीफ अब हर कोई कर रहा है। बेहतर कानून व्यवस्था के कारण ही आज न सिर्फ भारत की बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियां निवेश के लिए आगे आ रही हैं, बल्कि विदेशी निवेशक भी निवेश के लिए तत्पर हैं। उनमें यूपी में निवेश को लेकर एक होड़ सी दिखाई दे रही है।

इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सिंगापुर और जापान दौरे पर मिले निवेश प्रस्ताव और किए गए एमओयू। जब ये निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरेंगे, तो निश्चित रूप से न सिर्फ यूपी से युवाओं का पलायन रुकेगा, बल्कि गरीबी का ग्राफ गिरेगा और हमारी अर्थव्यवस्था भी समृद्ध होगी।

मुख्यमंत्री चार दिनों की सिंगापुर और जापान की यात्रा पर थे। उन्होंने प्रदेश में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए बड़ी कंपनियों के सीईओ से मुलाकात कर उन्हें निवेश के लिए प्रेरित किया। औद्योगिक नीति के बारे में समझाया। इन सीईओ को वे यह बताने और समझाने में कामयाब रहे कि उत्तर प्रदेश में उन्हें न सिर्फ घर जैसा माहौल मिलेगा, बल्कि उनकी मांग के अनुरूप दक्ष कार्मिक, बेहतर कानून- व्यवस्था भी मिलेगी। एक बेहतरीन रोड नेटवर्क भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में जापान में विभिन्न कंपनियों के साथ 90 हजार करोड़ रुपये और सिंगापुर में 60 हजार करोड़ के एमओयू साइन किए गए हैं। दोनों देशों से ढाई लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिलना बहुत बड़ी उपलब्धि है। इन कंपनियों को उनकी मांग के अनुरूप भूमि भी उपलब्ध कराने के लिए सरकार के औद्योगिक विकास प्राधिकरण जुट गए हैं। जापान के यामानाशी प्रांत के साथ ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक को लेकर करार कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। वहां भारतीय छात्रों को जापान में उच्चस्तरीय प्रशिक्षण मिलने का मार्ग खुल गया है।

प्रदेश सरकार ने बजट में रोबोटिक्स के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने के लिए भारी भरकम बजट की व्यवस्था की है, जो भारत और जापान संबंधों को नई ऊंचाई तक ले जाएगा। जापान की कुबोटा कार्पोरेशन, स्पार्क मिंडा (सहयोग में टोयो डेंसो), जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री जैसी कंपनियां प्रदेश में भारी भरकम निवेश कर बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगी।

मुख्यमंत्री ने तो इस दौरे से लौटने के बाद खुद ही घोषणा की कि इन निवेश प्रस्तावों के धरातल पर आने से पांच लाख से अधिक युवाओं को रोजगार मिलेगा और उत्तर प्रदेश को वर्ष 2029-30 तक वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने का जो सपना है, उसे पूरा करने में अहम योगदान देगा। मुख्यमंत्री के दौरे पर निवेश के प्रस्ताव मिलने के साथ ही एमओयू तो हुए ही सबसे बड़ी बात टेक्नोलॉजी ट्रांसफर को लेकर हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रथम कार्यकाल और इस कार्यकाल में कई बड़ी कंपनियों ने औद्योगिक इकाइयां स्थापित की हैं। उन्होंने रोजगार भी खूब दिए हैं। यह वजह है कि मुख्यमंत्री ने अपने विदेश दौरे के लिए जापान और सिंगापुर को चुना। वहां उन्हें सफलता भी मिली।

उधर उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जर्मनी का दौरा किया। उनके इस दौरे के दौरान करीब 10 हजार करोड़ रुपये के एमओयू साइन किए गए हैं। अभी वहां की कई और कंपनियां यूपी आकर एमओयू साइन करेंगी। अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, जर्मनी समेत तमाम देशों के निवेशकों में यूपी में निवेश को लेकर उत्साह है। इसीलिए वे खुद ही सरकार और अधिकारियों से संपर्क कर रहे हैं। उनमें उत्साह के पीछे सबसे बड़ा कारण सूबे के बुनियादी ढांचे में हो रहा तेजी से बदलाव है।

यहां न सिर्फ एक के बाद एक नए एक्सप्रेस वे का निर्माण हो रहा है, बल्कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भी राष्ट्रीय राजमार्गों को चौड़ा कर रहा है। परिवहन बेहतर होने से कंपनियों को अपने उत्पाद ले जाने में आसानी होगी। इसी तरह डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर भी माल पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। बेहतर रोड नेटवर्क के साथ ही एक के बाद एक एयरपोर्ट की स्थापना, भूमि आवंटन से लेकर मानचित्र स्वीकृति, विभिन्न प्रकार की एनओसी निर्गत करने में प्रक्रिया के सरलीकरण ने निवेश को आकर्षित किया है। जेवर एयरपोर्ट की स्थापना, मेरठ-दिल्ली रैपिड रेल का संचालन बड़ी उपलब्धि है। प्रयागराज-मेरठ गंगा एक्सप्रेस वे मील का पत्थर साबित होगा। इन परियोजनाओं की वजह से निवेशक बड़ी तेजी से इकाई स्थापना के लिए आगे आ रहे हैं।

डिफेंस, फार्मा और सेमी कंडक्टर चिप बनाने वाली इकाइयां अब यहां तेजी से स्थापित होंगी। निवेश आकर्षित करने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा तैयार की गई नीतियां भी कारगर साबित हो रही हैं, क्योंकि बड़े पैमाने पर निवेशकों को छूट भी मिल रही है, जिसका वे आसानी से लाभ उठा पा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बजट में जो सुविधाएं निवेशकों के लिए घोषित की हैं, वह भी निवेश बढ़ाने में अहम योगदान दे रही हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

प्रदेश सरकार ने बजट में रोबोटिक्स के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने के लिए भारी भरकम बजट की व्यवस्था की है, जो भारत और जापान संबंधों को नई ऊंचाई तक ले जाएगा।

सामयिकी

दुनियाभर की साजिशों का शिकार एशिया

एशिया का भू-राजनीतिक परिदृश्य सदियों से संघर्ष, हस्तक्षेप और साजिशों से घिरा रहा है। यह महाद्वीप जनसंख्या, संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से समृद्ध है, फिर भी बार-बार युद्ध, अस्थिरता और गरीबी की आग में झोंका जाता रहा है। आज ईरान-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ता तनाव हो या कंबोडिया-थाईलैंड के बीच सीमा विवाद, ये घटनाएं केवल संयोग नहीं प्रतीत होतीं। इनके पीछे एक व्यापक वैश्विक रणनीति काम करती दिखती है, जिसमें एशिया को अशांत रखकर बाहरी शक्तियां अपने हित साधती हैं। एशिया जले और विकसित देशों की तिजोरियां भरें-यही इस राजनीति का कठोर यथार्थ है। ग्लोबल साउथ के देश संसाधनों से भरपूर हैं, पर निर्णय-शक्ति से वंचित। तेल, गैस, कोयला, दुर्लभ खनिज, उपजाऊ भूमि और युवा जनसंख्या होने के बावजूद ये देश कर्ज, बेरोजगारी और राजनीतिक अस्थिरता में उलझे रहते हैं। इसका कारण केवल आंतरिक कमजोरियां नहीं, बल्कि वह वैश्विक व्यवस्था भी है, जो इन्हें निर्भर बनाए रखने के लिए दशकों से गढ़ी गई है। औपनिवेशिक काल की लूट आज मुक्त व्यापार और मानवाधिकारों की आड़ में नए रूप में जारी है।

डॉ. सत्यवान सौरभ
शिक्षक

ईरान-पाकिस्तान तनाव इसका उदाहरण है। ईरान प्रतिबंधों की मार झेल रहा है, जबकि पाकिस्तान आर्थिक दबाव में है। ऐसे में सीमा पर उभरता तनाव व्यापक प्रभाव डाल सकता है। बलूचिस्तान जैसे क्षेत्रों में अस्थिरता दोनों देशों को आमने-सामने ला सकती है। यदि स्थिति बिगड़ती है, तो दक्षिण और पश्चिम एशिया के ऊर्जा मार्ग प्रभावित होंगे। तेल-गैस की कीमतें बढ़ेंगी और लाभ वैश्विक बाजारों को नियंत्रित करने वाली शक्तियों को मिलेगा। युद्ध एशिया में होगा, पर मुनाफा कहीं और दर्ज होगा। इतिहास गवाह है कि बाहरी ताकतें स्थानीय विवादों को हवा देकर अपने हित साधती रही हैं। वे कभी मध्यस्थ बनती हैं, तो कभी सैन्य सहायता के नाम पर ठिकाने स्थापित कर लेती हैं। अफगानिस्तान इसका उदाहरण है, जहां दशकों तक संघर्ष चला और अंततः वही देश सर्वाधिक तबाह हुआ। दक्षिण-पूर्व एशिया में कंबोडिया-थाईलैंड विवाद भी चिंताजनक है। सीमा क्षेत्रों को लेकर पुराना तनाव हाल में सैन्य रूप लेता दिखा है। यह क्षेत्र दुर्लभ खनिजों से समृद्ध है, जिनकी मांग नई तकनीक और ऊर्जा परिवर्तन के दौर में बढ़ रही है। ऐसे में बाहरी हस्तक्षेप संसाधनों तक पहुंच का माध्यम बन जाता है और नुकसान स्थानीय जनता को उठाना पड़ता है।

ग्लोबल साउथ की यह स्थिति अचानक नहीं बनी। विकसित देशों ने एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका को कच्चे माल के स्रोत और बाजार के रूप में इस्तेमाल किया। औपनिवेशिक शासन समाप्त हुआ, पर आर्थिक ढांचा नहीं बदला। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएं कर्ज देती हैं, पर शर्तों के माध्यम से नीतिगत स्वतंत्रता सीमित कर देती हैं। समाधान आर्थिक स्वावलंबन और क्षेत्रीय सहयोग में है। संसाधनों पर नियंत्रण तभी संभव है, जब स्थानीय उद्योग मजबूत हों और मूल्यवर्धन पर जोर दिया जाए। आत्मनिर्भरता का अर्थ अलगाव नहीं, बल्कि बराबरी के आधार पर वैश्विक जुड़ाव है। अंततः एशिया का भविष्य उसके अपने हाथों में है। यदि यह महाद्वीप टकराव में उलझा रहा, तो अस्थिरता बनी रहेगी, पर यदि यह एकजुट होकर अपने संसाधनों और नीतियों पर नियंत्रण स्थापित करता है, तो वैश्विक शक्ति संतुलन बदल सकता है। ग्लोबल साउथ को दया नहीं, न्याय चाहिए, हस्तक्षेप नहीं, सम्मान चाहिए। यही न्यायपूर्ण विश्व व्यवस्था की दिशा है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

बालमन की आरंभिक अभिव्यक्ति

दीवार पर चित्रकारी

वरिष्ठ पत्रकार कुमार सौवीर की कलम का कायल हूं। पिछले दिनों उनसे मिलने कलाकार मित्र भूपेंद्र अस्थाना के साथ उनके आवास मोतीनगर, लखनऊ जाना हुआ। देर रात तक ढेरों बतकही और चर्चाओं के बीच रात्रि भोजन का दौर चला।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

अपनी तरह के संभवतः इकलौते मन मिजाज वाले इन जैसों से मिलना, नई जानकारियों एवं संस्मरणों का पिटारा खुलने जैसा लगता है। इन सभी बातों के बावजूद उनके इस घर ने जिस चीज से बेहद प्रभावित किया, वह था पूरे घर की दीवारों पर मौजूद चित्रकारी। पूरे घर में कोई भी ऐसी दीवार या कोना नहीं था, जो चित्रों से सजा नहीं था। वैसे इससे पहले भी हमने कई घर की दीवारों पर बच्चों द्वारा बनाए चित्र देखे हैं, किंतु पहली बार किसी ऐसे घर में था, जिसका इंच दर इंच इन चित्रों से भरा था।

हम कलाकारों का तो मानना है कि इस तरह के बच्चों को भरपूर प्रोत्साहन मिलना चाहिए। क्योंकि घर की दीवारों को तो आप कभी भी साफ कर सकते हैं। किंतु अपने बच्चों का बचपन आप दुबारा लौटा नहीं सकते हैं। शायद इसीलिए निदा फाजली साहब ने कहा है: बच्चों के छोटे हाथों को चांद सितारे छूने दो/चार किताबें पढ़कर ये भी हम जैसे हो जाएंगे।

बच्चों द्वारा रेखाएं खींचने या घर की दीवारों पर चित्र बनाने की इस प्रक्रिया के बारे में समझा जाता है कि इसके जरिए वे अपनी उपस्थिति दर्शाना चाहते हैं। यहां यह प्रयास कुमार सौवीर के नाती भावार्थ मिश्र की अभिव्यक्ति थी। बच्चों द्वारा इस अभिव्यक्ति पर वरिष्ठ कला इतिहासकार/समीक्षक जोनी एमएल की टिप्पणी है कि -" चित्र बनाना मनुष्य की स्वाभाविक प्रवृत्ति है। दरअसल इसके जरिए वे किसी न किसी रूप में इस संसार पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहते हैं। दीवारों पर चित्र बनाना इसी मूल प्रवृत्ति का प्रारंभिक रूप है, जो मनुष्य में बचपन से ही दिखाई देता है। बच्चे जब दीवारों पर चित्र बनाते हैं, तो वे केवल खेल नहीं कर रहे होते, बल्कि अपनी दुनिया को समझने और उसे व्यक्त करने का प्रयास कर रहे होते हैं।

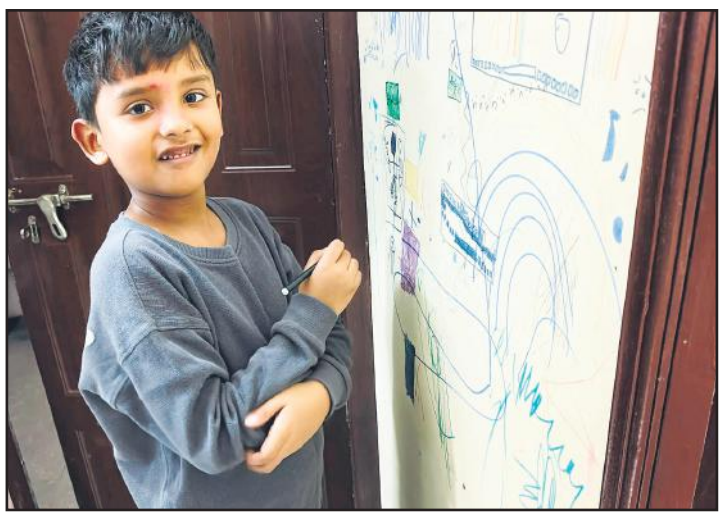

बड़ों को ये चित्र भले ही सरल, भोले या अर्थहीन प्रतीत हों, परंतु वास्तव में ये चित्र बच्चों की अपनी जटिल प्रतीकात्मक भाषा का हिस्सा होते हैं। उनके लिए यह अपने आसपास की दुनिया से संवाद और सामंजस्य बनाने की प्रक्रिया का सर्वाधिक सहज और सुलभ माध्यम है। आगे चलकर जब उन्हें अभिव्यक्ति के अन्य साधन मिल जाते हैं, तो अधिकांश लोग इस तरह के चित्र बनाना अक्सर छोड़ ही देते हैं, लेकिन कुछ लोग जो इस प्रवृत्ति को बनाए रखते हैं, वही आगे चलकर चित्रकार बनते हैं।"

वहीं मनोविज्ञान बच्चों द्वारा घर की दीवारों पर चित्र बनाने की इस प्रवृत्ति को शरारत या अनुशासनहीनता के रूप में नहीं, बल्कि उनके स्वाभाविक विकासक्रम के एक महत्वपूर्ण चरण के रूप में देखता है। विकासात्मक मनोवैज्ञानिक जैसे जीन पियाजे का मानना है कि प्रारंभिक अवस्था में बच्चा प्रतीकों के माध्यम से संसार को समझना शुरू करता है। दीवार पर रेखाएं खींचना उसके लिए केवल आकृति बनाना नहीं, बल्कि अनुभवों को व्यवस्थित करने का प्रयास है। इसी प्रकार सिगमंड फ्रायड की मनोविश्लेषणात्मक दृष्टि से यह क्रिया दबी हुई इच्छाओं, जिज्ञासा और आत्म-अभिव्यक्ति का रूप हो सकती है। आधुनिक बाल मनोविज्ञान इसे स्किल विकास, रचनात्मकता और आत्म पहचान के निर्माण से भी जोड़ता है।

इस तरह से देखें तो दीवारों पर बने चित्र बच्चे की आंतरिक दुनिया, उसकी भावनाओं और परिवेश से उसके संवाद का दृश्य दस्तावेज माने जाते हैं। इसलिए अनुरोध है कि अब जब भी आपका बच्चा घर की दीवारों पर अपनी दुनिया उकेरने लगे तो उसे रोकिए नहीं, बल्कि प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार प्रदान करें। क्योंकि यह उस बच्चे की अपनी दुनिया रचने या सिरजने के लिए खुला आकाश दे दीजिए। मेरे लिए ऐसे तमाम माता-पिता और अभिभावक स्तुत्य हैं, जो अपने बच्चों के लिए घर की दीवारों की सफेदी की कुर्बानी देने से हिचकते नहीं हैं। वैसे तो इन बाल कलाकार का नाम है 'भावार्थ मिश्रा', लेकिन नानाजी यानी कुमार सौवीर ने इन्हें नाम दिया है 'च्यवनप्राश'।

अनोखी परंपरा

डेनमार्क में अविवाहितों का खास दिन मसालों की होली

शादी को लेकर एक मशहूर कहावत है- "शादी का लड्डू जो खाए वो पछताए और जो न खाए वो भी पछताए।" यह कहावत भले ही मजाकिया अंदाज में कही जाती हो, लेकिन दुनिया के अलग-अलग देशों में विवाह और अविवाहित जीवन से जुड़ी अनेक रोचक परंपराएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक अनोखी परंपरा यूरोप के देश डेनमार्क में देखने को मिलती है, जिसके बारे में जानकर आपको हैरानी भी होगी और मुस्कान भी आ जाएगी।

डेनमार्क में यदि कोई युवक या युवती 25 वर्ष की आयु तक अविवाहित रहता है, तो उसके मित्र एक विशेष रस्म निभाते हैं। इस अवसर पर उसे किसी लैंप पोस्ट, खंभे या पेड़ से बांध दिया जाता है और फिर उस पर दालचीनी पाउडर सहित विभिन्न मसालों की वर्षा की जाती है। पूरा वातावरण मसालों की खुशबू और उड़ते पाउडर से भर उठता है। दृश्य इतना रंगीन और उत्साहपूर्ण होता है कि देखने वालों को भारत की होली की याद आ जाए। फर्क बस इतना है कि यहां रंगों की जगह गरम मसालों का प्रयोग होता है।

यह परंपरा केवल मजाक या शरारत भर नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक ऐतिहासिक पृष्ठभूमि भी बताई जाती है। पुराने समय में डेनमार्क में मसाले बेचने वाले सेल्समैन एक शहर से दूसरे शहर घूमते रहते थे। लगातार यात्राओं के कारण वे समय पर विवाह नहीं कर पाते थे। ऐसे अविवाहित पुरुषों को 'पेबरस्वेन्ड्स' और महिलाओं को 'पेबरमो' कहा जाता था। धीरे-धीरे उन्हें मसालों से सराबोर करने की परंपरा शुरू हुई, जो आज तक एक सामाजिक उत्सव के रूप में निभाई जाती है। मान्यता यह भी है कि जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है, वैसे-वैसे मसालों की मात्रा भी बढ़ाई जाती है। इस रस्म के दौरान दोस्त और परिजन खुले मैदान, पार्क या लॉन में एकत्र होते हैं। हंसी-ठिठोली, खाने-पीने और मस्ती के बीच अविवाहित व्यक्ति को सिर से पांव तक दालचीनी से ढक दिया जाता है। अंत में पानी डालकर मसालों को धोया जाता है। पूरा आयोजन उत्सव जैसा माहौल पैदा कर देता है। यदि भारतीय परंपराओं से इसकी तुलना करें, तो शादी से पहले होने वाली हल्दी की रस्म का स्मरण हो आता है। भारत में हल्दी लगाने को शुभ माना जाता है। मान्यता है कि यह दूल्हा-दुल्हन को नकारात्मक प्रभावों से बचाती है। कई स्थानों पर हल्दी के बाद वर-वधू को घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं होती और उन्हें बुरी नजर से बचाने के लिए पवित्र धागा या ताबीज भी बांधा जाता है।

डेनमार्क की यह परंपरा भले ही हंसी-मजाक से जुड़ी हो, पर इसे वहां आज भी उत्साहपूर्वक निभाया जाता है। दिलचस्प बात यह है कि इसे शुभ संकेत माना जाता है और विश्वास किया जाता है कि इस रस्म के बाद अविवाहित युवक-युवतियों को शीघ्र ही उपयुक्त जीवनसाथी मिल जाता है।

आर्ट गैलरी

प्रकृति का प्रचंड रूप और शाश्वत शांति : द ग्रेट वेव ऑफ कानागावा

'द ग्रेट वेव ऑफ कानागावा' विश्व कला इतिहास की सर्वाधिक प्रसिद्ध कृतियों में से एक है। यह काष्ठछाप (वुडब्लॉक प्रिंट) उन्नीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में बनाई गई थी और यह 'थर्टी-सिक्स व्यूज ऑफ माउंट फूजी' श्रृंखला का हिस्सा है। चित्र में समुद्र की एक विकराल लहर अपने चरम पर उठी हुई दिखाई देती है। उसकी फेनिल धाराएं पंजों की भांति फैलकर सामने चल रही नौकाओं को अपने आगोश में लेने को तत्पर प्रतीत होती हैं। इन छोटी नौकाओं में बैठे मछुआरे प्रकृति की प्रचंड शक्ति के सामने अत्यंत क्षुद्र और असहाय नजर आते हैं।

चित्र की पृष्ठभूमि में शांत, स्थिर और दूर खड़ा फूजी पर्वत दिखाई देता है। उग्र समुद्र और अडिग पर्वत के बीच का यह विरोधाभास जीवन के गहरे दार्शनिक अर्थों को व्यक्त करता है, अस्थिरता और स्थिरता, भय और विश्वास, क्षणभंगुरता और शाश्वतता। चित्र में प्रयुक्त गहरा नीला रंग, विशेषत: 'प्रशियन ब्लू', समुद्र की गहराई और रहस्यमयता को उभारता है। यह कृति केवल एक प्राकृतिक दृश्य नहीं, बल्कि मनुष्य और प्रकृति के संबंध का सशक्त प्रतीक है।

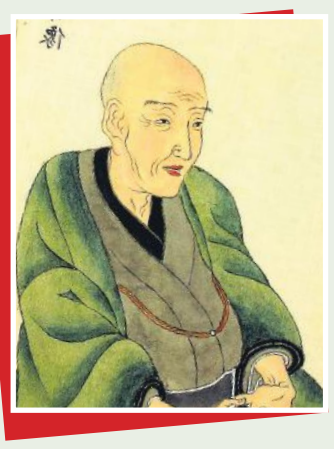

कात्सुशिका होकुसाई के बारे में

कात्सुशिका होकुसाई (1760–1849) जापान की 'उकियो-ए' कला परंपरा के महानतम कलाकारों में गिने जाते हैं। 'उकियो-ए' का अर्थ है- "क्षणभंगुर संसार के चित्र।" इस शैली में नगर जीवन, प्रकृति, अभिनेत्रियां, योद्धा और दैनिक जीवन के विविध दृश्य अंकित किए जाते थे। होकुसाई ने अपने लंबे और सक्रिय जीवन में लगभग तीस हजार से अधिक चित्र, रेखांकन और काष्ठछाप कृतियां निर्मित कीं। वे अत्यंत प्रयोगशील और जिज्ञासु स्वभाव के कलाकार थे। उन्होंने अपने जीवनकाल में कई बार अपना नाम बदला, जो उनके निरंतर विकसित होते कलात्मक व्यक्तित्व का संकेत था। होकुसाई का मानना था कि वे जीवन के अंतिम चरणों में जाकर ही सच्चे अर्थों में उत्कृष्ट कला रच पाएंगे। उनकी रचनाओं में प्रकृति के प्रति गहरा आकर्षण, सूक्ष्म अवलोकन और रेखाओं की अद्भुत ऊर्जा दिखाई देती है। होकुसाई का प्रभाव केवल जापान तक सीमित नहीं रहा। उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में यूरोप में 'जापोनिज्म' आंदोलन के दौरान उनकी कृतियों ने अनेक पाश्चात्य कलाकारों को प्रेरित किया। आज वे विश्व कला जगत में एक कालजयी नाम के रूप में प्रतिष्ठित हैं और 'द ग्रेट वेव ऑफ कानागावा' उनकी अमर पहचान बन चुकी है।

लोकायन

प्रेम, आस्था और संस्कारों का संगम

विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो कुलों और परंपराओं का संगम माना जाता है। इसी सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण अंग है कोहबर की परंपरा, जो आज भी पूरी आस्था और उत्साह के साथ निभाई जाती है। कोहबर परंपरा आज भी बिहार खासकर मिथिलांचल में प्रचलित है। कोहबर केवल दीवार पर बनाई गई एक आकृति भर नहीं है, बल्कि यह नवदंपति के जीवन की मंगलकामना, कुलदेवता के आशीर्वाद और पारिवारिक परंपराओं का जीवंत प्रतीक है।

अरूणिमा सिंह
लेखिका

'कोहबर' शब्द का अर्थ है वह स्थान जहां विवाह के बाद वर-वधू का प्रथम मिलन होता है। जिस कक्ष में कुलदेवता की स्थापना की जाती है, उसे भी कोहबर कहा जाता है। इसे कुछ स्थानों पर 'कौतुकगार' नाम से भी जाना जाता है। विवाह के बाद जब वधू पहली बार वर का दर्शन करती है, उस पावन क्षण को भी कोहबर की संज्ञा दी जाती है।

मातृपूजन, जिसे मटकोर या भत्तवान भी कहा जाता है, उसी दिन कोहबर बनाने की शुरुआत होती है। एक ओर मंडप में पूजा-अर्चना चलती है, तो दूसरी ओर परिवार की नेगहरुवा बुआ या कोई अनुभवी महिला गोबर से दीवार पर कोहबर की रूपरेखा उकेरती हैं। सबसे पहले गोबर से आधार तैयार किया जाता है और बीच में पांच पिंडियां बनाई जाती हैं। कुलदेवता के समीप जो मुख्य कोहबर बनता है, उसमें इक्कीस पिंडियां लगाई जाती हैं, जबकि अन्य स्थानों पर पांच-पांच पिंडियां ही होती हैं।

आमतौर पर एक बड़ा कोहबर कुलदेवता के पास बनाया जाता है, दो उसी कक्ष के द्वार के दोनों ओर और दो मुख्य द्वार के दोनों तरफ। मातृपूजन के दिन कोहबर बन जाने के बाद कुलदेवता, सिल-लोढ़ा और पहरुवा प्रतीकात्मक रूप से बांध दिए जाते हैं। विवाह वाले दिन प्रातः गोबर से बने कोहबर को गेरू से सजाकर अधिक आकर्षक रूप दिया जाता है। विवाह से पूर्व इन प्रतीकों को खोलते हुए आग्रह किया जाता है कि वे भी वर-वधू को आशीर्वाद देने चलें।

विवाह उपरांत नवदंपति को कुलदेवता के समीप बने कोहबर में ले जाया जाता है। वहीं 'लपकौर' की रस्म होती है, जिसमें दही-गुड़ एक-दूसरे को खिलाया जाता है और 'बाती मिलाने' की रस्म निभाई जाती है। इसी स्थान पर अंगूठी खोजने की रस्म भी होती है। यह परंपरा दोनों पक्षों में अलग-अलग अवसरों पर संपन्न की जाती है।

नब्बे के दशक तक कई घरों में विवाह से पूर्व वर-वधू का मिलना सामान्य नहीं था। ऐसे में कोहबर ही वह अवसर बनता था, जब दोनों पहली बार एक-दूसरे से खुलकर मिलते थे। बाती मिलाने के समय दूल्हे का मुस्कराते हुए शर्त रखना- "पहले दुल्हन का मुख दिखाइए" इन पलों को और भी मधुर बना देता था। कभी-कभी कुछ क्षण अकेले में बातचीत की अनुमति भी मिल जाती थी। कोहबर में बिताए ये छोटे-छोटे पल ही नवजीवन की नींव रखते थे। इन्हीं स्मृतियों के सहारे वर-वधू विवाह और गौने के बीच के समय को मधुर प्रतीक्षा में बिताते थे। यही कारण है कि कोहबर केवल एक रस्म नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और पारिवारिक आशीर्वाद का अमिट प्रतीक है।

भारत की आदिवासी-लोक चित्रकला

वर्तमान में ऐसे आदिवासी- लोक शिल्पियों एवं कलाकारों की संख्या बहुत ही कम रह गई है, जो अपनी कला के अतीत एवं पारंपरिक ज्ञान के बारे में बता सकते हैं। यह मेरा सौभाग्य रहा कि मैं ऐसे अनेक कलाकारों से मिल सका और उनके वर्षों के अनुभवों को लिपिबद्ध कर सका। मैंने भारत के मध्यप्रदेश क्षेत्र के लगभग सत्तर आदिवासी–लोक चित्रकारों की पहचान की, उनके साक्ष्य में विवरण जुटाए, उनके फोटोग्राफ लिए, जिनका संकलन इस पुस्तक में प्रस्तुत किया गया है।

भारत अपनी सांस्कृतिक विविधता के लिए विश्वविख्यात है। यहां प्रत्येक सांस्कृतिक अंचल की अपनी विशिष्ट आदिवासी-लोक कलाएं हैं। लोक शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है- लोक एवं कला। लोक से आशय उन सामान्य जनों से है, जो ग्रामीण भारत में बसते हैं अथवा वहां से निकलकर नगरों में आ बसे हैं, परंतु अपनी ग्रामीण परंपराओं, लोक–रीतियों, विश्वासों और मान्यताओं से गहरे जुड़े हैं। इन्हीं सामान्य जन द्वारा किया गया कलाकर्म लोककला है। इस पुस्तक में भारत की आदिवासी- लोक चित्रकला को परिभाषित एवं व्याख्यायित कर उसके विभिन्न क्षेत्रीय रूपों के उदाहरणों को समाहित किया गया है। पुस्तक का एक अध्याय आदिवासी-लोक चित्रकला को परिभाषित करने, उसकी व्याख्या करने और उसे वर्गीकृत करने में समर्पित है, जिसके कुछ अंश यहां प्रस्तुत हैं-भारतीय लोक जीवनमान में चित्रों की मान्यताओं के सांस्कृतिक महत्व को प्राचीन काल से ही स्वीकार किया गया है। इसके माध्यम से परंपरागत एवं अलौकिक शक्तियों से संवाद स्थापित करने में प्रयासरत रहे हैं। उन्होंने सामुदायिक स्तर पर एक चित्रभाषा विकसित की जिसमें अनेक प्रतीक, अभिप्राय एवं संकेतों को विकसित कर लिया गया, जिन्हें वे अपनी पीढ़ियों को सहज ही हस्तांतरित करते चले गए। प्रत्येक पीढ़ी ने इन्हें अपने समय के अनुरूप समृद्ध किया है और आज इनमें रूपांतरित स्वरूप हमारे समक्ष है।

अपने परंपरागत स्वरूप में आदिवासी-लोक चित्रकला क्षेत्र विशेष या समुदाय विशेष के जन-सामान्य द्वारा किया गया वह कलाकर्म है, जिसके मूल में शुभ और विवेक होता है और अवसर विशेष से जुड़े अनुष्ठान एवं मान्यताओं को संपन्न करने हेतु किया जाता है। मूलतः यह कलाकर्म आर्थिक लाभ हेतु नहीं, बल्कि अपने जीवन की कठिनाइयों और समस्याओं से उबरने हेतु, सुख एवं शांति पाने हेतु पारंपरिक श्रद्धाओं से आशीर्वाद प्राप्ति के लिए किया जाता है। यह चित्र प्रार्थनाएं हैं, जिनके माध्यम से वे लोक एवं परलोक के मध्य संवाद स्थापित करते हैं, अपने इष्ट देवी-देवताओं को आह्वान करते हैं, उन्हें मनाते हैं, उनका धन्यवाद ज्ञापित करते हैं और उनकी अपेक्षाएं रखते हैं। यह चित्र मात्र सजावटी वस्तु नहीं, आदिवासी-लोक जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। यह आदिवासी-लोक कलाकारों के विश्वदृष्टि एवं सामाजिक-धार्मिक मान्यताओं का ही है, जो उनकी कला में व्यक्त होती हैं। नगर कला जहां मानव का मानव को संबोधन है, वहीं पारंपरिक आदिवासी-लोक चित्रकला मानव का मानव के साथ देवताओं को संबोधन भी है। लोक एवं परलोक के मध्य इस संवाद के अर्थ वहीं उन चित्रों के साथ आदिवासी-लोक कलाकारों की विश्वदृष्टि एवं सामाजिक-धार्मिक मान्यताओं में निहित हैं। इन्हें समझे बिना पारंपरिक आदिवासी लोक चित्रकला को समझना भी संभव नहीं है।

मुश्ताक खान
लेखक, नई दिल्ली

रंग तरंग

होली जैसे मैंने देखी

बरेली में होली अनोखे ढंग से मनाई जाती रही है। पिछले लगभग 80 वर्षों में मैंने इसके स्वरूप में अनेक परिवर्तन होते देखे हैं। पहले होली की तैयारी पंद्रह दिन पहले ही शुरू हो जाती थी और एक सप्ताह पूर्व से ही रंगबाजी प्रारंभ हो जाती थी। मोहल्लों के लड़के गलियों के बाहर, नुक्कड़ों पर झुंड बनाकर खड़े हो जाते थे और राह चलते लोगों पर पानी और रंग डालते थे। इस दौरान झगड़ा भी हो जाता था, और ऊंची आवाज में हुड़दंग करते दिखाई देते थे। लड़कों को इसमें बड़ा आनंद आता था। होली के एक दिन पहले बड़े-बड़े कड़ावों और ड्रमों में रंग घोलकर तैयारियां की जाती थीं। हैंडपंपों से रंगों के मोर्चे लगते थे और एक-दूसरे के चेहरे पर रंगों की बौछार की जाती थी। जिसका मुंह पहले पलट जाता, उसे हारा हुआ माना जाता था। इन रंगीले मुकाबलों के बाद सब एक-दूसरे को रंग लगाते और हुरियारे मिलकर होली के नारे लगाते थे। साथ ही बमनपुरी से होली की राम बारात निकलती थी, जो आज भी परंपरा के रूप में निकलती है।

अब समय बदल गया है और होली के उत्सव में भी बड़ा परिवर्तन आया है। आज होली केवल एक या आधे दिन का उत्सव बनकर रह गई है। पहले जैसे हुरियारों के बड़े झुंड दिखाई नहीं देते। लड़ाई-झगड़े लगभग समाप्त हो गए हैं। आज होली अपेक्षाकृत शालीनता और प्रेम के साथ मनाई जाती है। दोपहर के बाद लोग नए कपड़े पहनकर होली मिलाप मेले में पहुंचते हैं। वहां एक-दूसरे से गले मिलते हैं, बधाइयां देते हैं। छोटे-बड़े सभी आपसी सम्मान के साथ मिलते हैं और छोटे, बड़ों के पैर छूकर आशीर्वाद लेते हैं।

-महेंद्र कुमार सक्सेना, चित्रकार

सात से 15 वर्ष के बच्चों का आधार में बायोमेट्रक अपडेट मुफ्त

नयी दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने छह महीने के भीतर देशभर के एक लाख से अधिक स्कूलों में अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट का अभियान पूरा कर लिया है। इस अभियान से करीब 1.2 करोड़ स्कूली बच्चे लाभांवित हुए हैं। आधिकारिक बयान के मुताबिक, इस अभियान के तहत सात से 15 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए आधार में फिंगरप्रिंट एवं आंखों की पुतलियों के स्कैन को अद्यतन करने की सुविधा अक्टूबर, 2025 से एक वर्ष की अवधि के लिए मुफ्त रखी गई है।

अमृत विचार

हल्द्वानी, बुधवार ,4 मार्च 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

ब्रिटानिया को 6.37 करोड़ का जीएसटी मांग का नोटिस

नयी दिल्ली। ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज को 6.37 करोड़ रुपये का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) मांग का नोटिस जारी किया है। कंपनी ने कहा कि वह इस आदेश के खिलाफ उपलब्ध कानूनी विकल्पों पर विचार कर रही है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि यह आदेश केंद्रीय माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) और केंद्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, ठाणे कार्यालय की ओर से जारी किया गया है। यह मामला वित्त वर्ष 2020-21 से 2023-24 के बीच का है। विभाग ने कंपनी से 2.12 करोड़ रुपये कर और 4.24 करोड़ रुपये जुर्माना जमा करने को कहा है। इस तरह कुल 6.37 करोड़ रुपये की मांग की गई है।

बिग एफएम का रियल एस्टेट में प्रवेश, 4,000 करोड़ राजस्व का लक्ष्य

नयी दिल्ली। रेडियो नेटवर्क बिग एफएम ने रियल एस्टेट कारोबार में कदम रखने की घोषणा की है। कंपनी ने बिग एफएम रियल्टी ब्रांड नाम से इस क्षेत्र में कदम रखते हुए अगले तीन साल में 3,500 से 4,000 करोड़ रुपये के कुल राजस्व का लक्ष्य रखा है। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि अपनी पहली प्रमुख परियोजना के तहत कंपनी ने उत्तर प्रदेश के बहराइच में लखनऊ–बहराइच रोड पर लगभग 300 करोड़ रुपये में 80 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया है। इस परियोजना से करीब 1,200 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने का अनुमान है।

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3400 मसूरी- 1000 बासमती- 7400-9000 परमल- 1400-3000

दाल दलहन-काला चना- 2000-3200 साबुत चना दाल- 1200 मूंग साबुत- 5200 राजमा- 8200-11600 दाल उड़द- 6400 साबुत मसूर दाल- 3000 मसूर दाल- 1200 उड़द साबुत- 10200 काबुली चना- 6200-10200 अरहर दाल- 10200 -12400 लोबिया/ करमानी- 2200-3400

भारत के पास आठ सप्ताह का कच्चा तेल भंडार

नयी दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य संघर्ष और तनाव के बीच भारत सरकार के शीर्ष सूत्रों ने आश्वस्त किया है कि देश के पास पेट्रोल, डीजल और अन्य ईंधनों की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए छह से आठ सप्ताह का पर्याप्त भंडार मौजूद है। भारत के कच्चे तेल और एलपीजी आयात का लगभग आधा हिस्सा 'होर्मुज जलडमरूमध्य' से होकर गुजरता है। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर जहाजों की आवाजाही में रुकावट आई है।

पेट्रोलियम मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सरकार निरंतर स्थिति की निगरानी कर रही है और इस संकट से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। देश के पास वर्तमान में लगभग 25 दिन की खपत के बराबर कच्चे तेल और इतनी ही अवधि के लिए तैयार ईंधन का भंडार उपलब्ध है। हालांकि, तत्काल कमी की संभावना नहीं है, लेकिन कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में उछाल और परिवहन लागत में वृद्धि से भारत के आयात बिल और मुद्रास्फीति पर प्रभाव पड़ सकता है। मंत्रालय ने एक अलग बयान में कहा कि पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने वर्तमान परिस्थितियों में देश की तैयारियों पर मीडिया को जानकारी दी है।

जमशेदपुर में टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी टाटा को श्रद्धांजलि देते टाटा ग्रुप के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन।

187वीं जयंती पर जेएन टाटा को दी श्रद्धांजलि

जमशेदपुर, एजेंसी

उद्योगपति और परोपकारी जमशेदजी नसरवानजी टाटा की 187वीं जयंती मंगलवार को झारखंड के जमशेदपुर में मनाई गई। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये इस अवसर पर जे एन टाटा को याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा, 'राष्ट्र को औद्योगिक प्रगति की राह दिखाने वाले टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी टाटा की जयंती पर मैं उन्हें शत-शत नमन करता हूं।'

उन्होंने कहा कि जमशेदजी टाटा ने जिस आधुनिक, समृद्ध और मजबूत औद्योगिक प्रणाली की कल्पना की थी, वह आज देश की विकास यात्रा की मजबूत नींव बन गई है। झारखंड से शुरू हुई टाटा समूह की यह यात्रा निरंतर और मजबूती के साथ आगे बढ़ती रहे।

इस अवसर पर टाटा स्टील द्वारा भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा और उनके परिवार के अलावा टाटा स्टील व टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन शामिल हुए।

कार्यक्रम में टाटा स्टील के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक टी वी नरेंद्रन और निदेशक मंडल के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

खाड़ी युद्ध: भारत के ऊर्जा क्षेत्र को झटका, एलएनजी में कटौती

बढ़ रही परिवहन लागत, संघर्ष लंबा चला तो 100 डॉलर प्रति बैरल पहुंचेंगे कच्चे तेल के दाम

नयी दिल्ली, एजेंसी

- **कतर ने बंद की रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी स्थित एलएनजी सुविधाएं**
- **तेल की बढ़ती आयात लागत से महंगा हो सकता भारत में घरेलू ईंधन**

भारत और विश्व ऊर्जा बाजार पर पश्चिम एशिया के तनाव का प्रभाव साफ नजर आने लगा है, क्योंकि ईरान और अमेरिका-इजरायल संघर्ष ने तेल, गैस और शिपिंग की आपूर्ति में बड़े व्यवधान पैदा किये हैं। देश की ऊर्जा कंपनियां अब तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति में कटौती और कीमतों में वृद्धि के लिए तैयार हैं, जो भारी मशीनरी, उर्वरक और पेट्रो केमिकल प्लांट सहित कई उद्योगों में ईंधन का काम आती है। इस बीच खाड़ी में स्थिति के कारण समुद्री मार्गों पर भी गंभीर व्यवधान आ रहे हैं।

भारत के एलएनजी आपूर्ति के बड़े स्रोत कतर ने रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी स्थित अपनी प्रमुख एलएनजी सुविधाओं को बंद कर दिया है। कतर की यह बंदी विश्व के सबसे बड़े एलएनजी निर्यातक के उत्पादन को रोक देती है और गैस की कीमतों को तेजी से बढ़ा सकती है। यह फैसले ईरान के ड्रोन हमलों के बाद लिये गये हैं, जिनके कारण रास लाफान और मेसाइद औद्योगिक क्षेत्रों की उत्पादन गतिविधियां रुक गयी हैं। भारत जैसे बड़े एलएनजी आयातक देश पर इसका सीधा असर दिख रहा है।

कतर तथा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे खाड़ी देशों से एलएनजी आयात पर निर्भरता के कारण उपयोगकर्ता कंपनियों को आपूर्ति में कमी का सामना करना पड़ रहा है। इस कारण गैस आपूर्ति में कटौती कर दी गयी है और पेट्रोनेट एलएनजी तथा अन्य आयातक कम्पनियों ने ग्राहक इकाइयों को सीमित आपूर्ति की सूचना दी है। साथ ही, संकट की दूसरी बड़ी वजह तेल की कीमतों में उछाल है।

खाड़ी के तनाव के बीच ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 80 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गयी हैति पर द और कुछ बाजारों में यह 82 डॉलर तक पहुंच चुकी है। इससे तेल की बढ़ती आयात लागत से भारत के घरेलू ईंधन की कीमतों एवं मुद्रास्फीति दबाव बढ़ सकता है। महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज़ जलडमरूमध्य से व्यापार की वस्तुओं का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है।

दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत वैश्विक तेल एवं गैस तो इस मार्ग से आती ही है, साथ ही भारत का करीब 60 प्रतिशत एलएनजी तथा लगभग आधा कच्चा तेल इसी मार्ग से आता है। इससे होने वाले व्यवधान से पोतवहन, लागत, बीमा प्रीमियम और परिवहन दरों में तेज बढ़ोतरी देखने को मिल रही है, जो ऊर्जा आपूर्ति की लागत को और बढ़ा सकती है। विश्लेषक चेतावनी दे रहे हैं कि अगर संघर्ष लंबा रहा, तो तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ सकती हैं।

अधिक जोखिम वाले इलाकों से गुजरने पर जहाजों को देना होगा अधिक प्रीमियम

नयी दिल्ली,एजेंसी

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच मालवाहक जहाजों के लिए युद्ध जोखिम से जुड़ा बीमा प्रीमियम बढ़ने की आशंका जताते हुए विशेषज्ञों ने मंगलवार को कहा कि अधिक जोखिम वाले इलाकों से गुजरने वाले जहाजों को अब अतिरिक्त प्रीमियम चुकाना होगा।

पॉलिसीबाजार के प्रमुख (समुद्री बीमा) बालसुंदरम आर. ने कहा कि कच्चे तेल और एलएनजी के परिवहन में शामिल शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एससीआई) के जहाजों की लाल सागर जैसे संवेदनशील समुद्री क्षेत्रों से गुजरने पर युद्ध जोखिम कवरेज हासिल करने पर लागत बढ़ सकती है। बीमा क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि युद्ध जोखिम और हड़ताल, दंगे तथा नागरिक अशांति कवर के लिए बीमा कंपनियां आमतौर पर तीन से सात दिन के नोटिस पर कवरेज रद्द कर सकती हैं।

प्रूडेंट इंश्योरेंस ब्रोकर्स के समुद्री विशेषज्ञता प्रमुख गौरव अग्रवाल ने कहा कि हाल ही में जहाज पर युद्ध कवरेज रद्द करने का नोटिस जारी किया गया है और मालवाहक बीमा पर भी ऐसा कदम जल्द उठाया जा सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि बीमा कवरेज रद्द होने के बाद नया युद्ध जोखिम कवर उपलब्ध भी होता है, तो उसकी कीमत काफी अधिक हो सकती है। इंश्योरेंस ब्रोकर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईबीएआई) के हरि राधाकृष्णन ने कहा कि कुछ मामलों में प्रीमियम दर 0.25–0.5 प्रतिशत से बढ़कर लगभग एक प्रतिशत तक पहुंच गई हैं। इससे ढुलाई लागत में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और वैश्विक व्यापार प्रवाह पर असर पड़ेगा। बीमा सलाहकारों का मानना है कि संघर्ष लंबा चलने की स्थिति में जहाज खेप की लागत, ढुलाई खर्च और जोखिम प्रीमियम दोनों बढ़ जाएंगे।

एएआई ने अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परिचालकों से ईंधन भंडार का विवरण मांगा

नयी दिल्ली/मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के मद्देनजर देश के सभी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा संचालकों से उपलब्ध ईंधन भंडार और अगले सात दिन के लिए अनुमानित आवश्यकता का विवरण देने को कहा है। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह निर्देश पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष की पृष्ठभूमि में आया है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित होने का खतरा है। सूत्र ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर ईंधन आपूर्ति की स्थिति को स्पष्ट रूप से समझने के लिए एहतियाती उपाय के तौर पर ये विवरण मांगे गए हैं। भारत में दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई सहित 33 अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे हैं। मंत्रालय के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, दो मार्च को देश के हवाई अड्डों से 355 उड़ानें रवाना हुईं और 344 उड़ानें आईं।

कृषि खाद्य क्षेत्र में संबंधों को मजबूत करेंगे भारत-कनाडा

नयी दिल्ली, एजेंसी

- **दोनों देशों के संस्थानों ने सहमति पत्र पर किये हस्ताक्षर**

भारत और कनाडा ने कृषि खाद्य क्षेत्र में आपसी सहयोग को और मजबूत किया है। इसके लिए राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान-कुंडली (निफ्टेम-के) और (यूनिवर्सिटी ऑफ़ सस्केचेवान यू-सास्क) के बीच पांच साल के सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

एक सरकारी बयान के मुताबिक, इस समझौते पर निफ्टेम-के के निदेशक हरिंदर सिंह ओबेरॉय और यू-सास्क के उपाध्यक्ष (शोध) बलजीत सिंह ने सस्केचेवान के प्रीमियर स्कॉट मोए और भारत के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों द्वारा दाल प्रोटीन में एक साझा समर्थित उत्कृष्टता केन्द्र की घोषणा के बाद हुई है, जिसे निफ्टेम-के और यू-सास्क नेतृत्व करेंगे। सहमति पत्र में साझा शोध परियोजनाओं, ऑनलाइन शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रम, शिक्षक और छात्रों के आदान-प्रदान, खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी में एकीकृत डिग्री प्रोग्राम और उद्योग-उन्मुख अल्पावधिक पाठ्यक्रम शामिल हैं।

इसमें नवाचार, टिकाऊ खाद्य प्रणाली, खाद्य सुरक्षा और मूल्य श्रृंखला विकास को आगे बढ़ाने के मकसद से मिलकर वित्तपोषण प्रस्ताव, सेमिनार और वर्कशॉप की भी बात है। अधिकारियों ने कहा कि इस सहयोग से शोध से चलने वाले औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलने और कृषि खाद्य क्षेत्र में भारत-कनाडा सहयोग को और मज़बूती मिलने की उम्मीद है।

साथ ही खाद्य प्रौद्योगिकी और उद्यमशीलता में निफ्टेम-के का वैश्विक जुड़ाव बढ़ेगा।

अंतर-मंत्रालयीय समूह रखेगा पश्चिम एशिया पर नजर

नयी दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि सरकार ने पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रमों पर करीबी नजर रखने के लिए एक अंतर-मंत्रालयीय समूह का गठन किया है। निर्यातकों ने आशंका जताई है कि अमेरिका और इजराइल के ईरान पर संयुक्त हमलों के कारण पश्चिम एशिया क्षेत्र में बढ़ते तनाव का भारत के व्यापार पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

बजट के बाद आयोजित एक वेबिनार को संबोधित करते हुए गोयल ने कह कि हमने एक अंतर-मंत्रालयीय समूह का गठन किया है जो प्रतिदिन बैठक कर रहा है और पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रहा है ताकि हमारे पोत परिवहन, लॉजिस्टिक, निर्यात या यहां तक कि महत्वपूर्ण आयात में किसी भी तरह की कमजोर रुख का आकलन किया जा सके।

चीन से आयातित पीवीसी रेजिन के खिलाफ प्रतिपूर्ति शुल्क जांच शुरू

नयी दिल्ली,एजेंसी

घरेलू कंपनियों की शिकायतों के बाद भारत ने चीन से आयातित पीवीसी (पॉलीविनाइल क्लोराइड) रेजिन के खिलाफ प्रतिपूर्ति शुल्क जांच शुरू कर दी है। इस उत्पाद का उपयोग पाइप, बोतल और केबल सहित कई क्षेत्रों में किया जाता है।

वाणिज्य मंत्रालय की इकाई व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने केम्प्लास्ट कुड्डालोर विनाइल्स, डीसीएम श्रीराम और डीसीडब्ल्यू लिमिटेड द्वारा दायर एक आवेदन के बाद यह जांच शुरू की है। आवेदकों ने आरोप लगाया है कि चीन अपने पीवीसी सस्पेंशन रेजिन निर्माताओं को सब्सिडी दे रहा है और वे कंपनियां भारतीय बाजारों में सस्ते दामों पर माल 'डंप' कर रही हैं, जिससे घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

डीजीटीआर ने एक अधिसूचना में कहा कि घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए पुख्ता आवेदन और सब्सिडी की मौजूदगी एवं उससे होने वाली क्षति के प्रथम दृष्टया साक्ष्यों से संतुष्ट होने के बाद प्राधिकरण इसके द्वारा सब्सिडी-रोधी जांच शुरू करता है। महानिदेशालय कथित सब्सिडी की मौजूदगी, सीमा और प्रभाव का निर्धारण करेगा।

इसके बाद वह प्रतिपूर्ति शुल्क की उस राशि की सिफारिश करेगा, जो लागू होने पर घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी। आवेदकों का आरोप है कि चीन के उत्पादकों और निर्यातकों को वहां की सरकार द्वारा विभिन्न स्तरों पर दी जाने वाली सब्सिडी का लाभ मिला है।

समय सीमा बढ़ी, 19 मार्च तक दें एनईपी के मसौदे पर सुझाव

नयी दिल्ली,एजेंसी। बिजली मंत्रालय ने राष्ट्रीय विद्युत नीति-2026 के मसौदे पर संबंधित पक्षों से सुझाव आमंत्रित करने की समयसीमा एक माह बढ़ाकर 19 मार्च तक कर दी है।

मंत्रालय ने 25 फरवरी को जारी एक अधिसूचना में कहा कि कई पक्षों ने विद्युत नीति के मसौदे के प्रावधानों पर गौर करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा था। उनके अनुरोध पर यह समयसीमा बढ़ाई गई है। इससे पहले, टिप्पणियां और सुझाव देने की अंतिम तिथि 19 फरवरी थी। राष्ट्रीय विद्युत नीति (एनईपी) 2026 का उद्देश्य वितरण कंपनियों के उच्च घाटे और ऋण, शुल्क के लागत के अनुरूप न होने और एक की कीमत पर दूसरे को सब्सिडी जैसी समस्याओं का समाधान करना है। मंत्रालय ने पहले कहा था कि 2005 से कई उपलब्धियां हासिल करने के बावजूद यह सुधार किया जा रहा है।

मुआवजे में देरी: नियोक्ता को ही भरना होगा जुर्माना

नयी दिल्ली, एजेंसी

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा-बीमा कंपनी की जिम्मेदारी केवल मूल मुआवजा और ब्याज तक सीमित**

सुप्रीम कोर्ट ने कर्मचारी मुआवजा अधिनियम को लेकर एक बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि कार्यस्थल पर दुर्घटना के शिकार कर्मचारी को मुआवजा देने में देरी होने पर लगने वाला जुर्माना केवल नियोक्ता को ही भरना होगा। इसे बीमा कंपनी के मत्थे नहीं मढ़ा जा सकता। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पी.बी. वराले की पीठ ने दिल्ली हाईकोर्ट के एक पुराने आदेश को पलटते हुए यह व्यवस्था दी। कोर्ट ने कहा कि बीमा कंपनी की जिम्मेदारी केवल मूल मुआवजा और ब्याज तक सीमित है। चूंकि देरी नियोक्ता की व्यक्तिगत लापरवाही का परिणाम है, इसलिए इसके दंड का बोझ भी उसी को उठाना होगा। अदालत ने कहा कि 1995 में कानून में किए गए बदलावों का उद्देश्य ही यह था कि मुआवजे और जुर्माने को अलग-अलग रखा जाए। यह एक 'सामाजिक कल्याण कानून' है, जिसका मकसद पीड़ित कर्मचारी या उसके परिवार को तुरंत राहत पहुंचाना है। यदि नियोक्ता एक महीने के भीतर भुगतान नहीं करता, तो उस पर मुआवजे की राशि का 50 प्रतिशत तक जुर्माना लगाया जा सकता है।

क्या था पूरा मामला?

यह मामला 2017 में एक कमर्शियल ड्राइवर की मौत से जुड़ा है। लेबर कमिश्नर ने करीब 7.36 लाख रुपये मुआवजा और 50% जुर्माना तय किया था। हाईकोर्ट ने बीमा कंपनी को पूरा पैसा देने को कहा था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि बीमा कंपनी एम्प्लॉयर की निजी गलती (देरी) के लिए उत्तरदायी नहीं है। अब नियोक्ता को 2.57 लाख रुपये का जुर्माना अपनी जेब से देना होगा।

एआई और आईटी क्षेत्र में सुधार से 12 फीसदी बढ़ीं नियुक्तियां

मुंबई, एजेंसी

कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाए जाने और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में सुधार के चलते देश में दफ्तर में बैठकर काम करने वाले पेशेवरों (व्हाइट कॉलर) की नियुक्तियों में इस साल फरवरी में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। 'नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स' के अनुसार, व्हाइट-कॉलर नौकरियों के बाजार ने हाल के वर्षों में फरवरी महीने का अपना सबसे शानदार प्रदर्शन किया है। इंडेक्स फरवरी, 2025 के 2,890 अंक के मुकाबले 12 प्रतिशत बढ़कर फरवरी, 2026 में 3,233 अंक पर पहुंच गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी की तुलना में फरवरी में नियुक्तियों की रफ्तार में 23 प्रतिशत की तेजी देखी गई, जो सामान्य तौर पर देखी जाने वाली 13-16 प्रतिशत की वृद्धि से काफी अधिक है।

फरवरी में आईटी क्षेत्र में नियुक्तियों में सालाना आधार पर छह प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि इस क्षेत्र में नए लोगों (फ्रेशर्स) की भर्ती में आठ प्रतिशत का इजाफा हुआ। रिपोर्ट कहती है कि भारत स्थित बहुराष्ट्रीय आईटी कंपनियां इसकी मुख्य चालक रहीं, जहां नियुक्तियों में 55 प्रतिशत का उछाल देखा गया।

आईटी क्षेत्र के भीतर एआई-मशीन लर्निंग' से जुड़ी नियुक्तियों में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह दर्शाता है कि फरवरी का प्रदर्शन उच्च-कौशल और उच्च-मूल्य वाले प्रतिभा क्षेत्रों पर केंद्रित रहा।

रिपोर्ट के अनुसार, नए लोगों की भर्ती में सालाना आधार पर 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि 20 लाख रुपये प्रति वर्ष से अधिक के वेतन पैकेज वाले पदों की मांग में 23 प्रतिशत का इजाफा हुआ। वहीं, गैर-आईटी क्षेत्रों ने भी नियुक्ति की गति को बनाए रखा। इसमें बीमा क्षेत्र 28 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सबसे आगे रहा।

जरूरी बात | एचडीएफसी बैंक पहली अप्रैल से बढ़ा रहा है अपने सेवा शुल्क

महंगा होगा लॉकर, बदल जाएंगे एटीएम–यूपीआई के नियम

नयी दिल्ली, एजेंसी

- **लॉकर के उपयोग पर 184 फीसदी तक अधिक शुल्क देना होगा**
- **पांच मुफ्त ट्रांजैक्शन के बाद यूपीआई से आहरण पर भी देना होगा शुल्क**

एचडीएफी बैंक के करोड़ों ग्राहकों के लिए खबर बहुत जरूरी है। पहली अप्रैल से बैंक ने अपने सेवा शुल्कों में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। बैंक ने जो फैसला किया है उससे आपकी जेब पर खासा असर पड़ने वाला है।

नए वित्त वर्ष की शुरुआत से ही बैंक ने अपने लॉकर किराये में 184% तक की भारी बढ़ोत्तरी करने का निर्णय किया है। साथ ही एटीएम से कैश निकालने के नियमों को भी सख्त कर दिया है। आइये जानते हैं कि आने वाले महीने के साथ एचडीएफसी बैंक ग्राहकों के लिए क्या-क्या बदलने वाला है...

लॉकर किराया: 184% तक की जबरदस्त बढ़ोत्तरी : बैंक ने लॉकर के वार्षिक किराये को बदला है. सबसे ज्यादा असर एक्सट्रा मीडियम और छोटे आकार के लॉकर लेने वाले ग्राहकों पर पड़ेगा। मेट्रो शहरों में एक्सट्रा मीडियम लॉकर का किराया 4400 रुपये से सीधे बढ़कर 12500 हो जाएगा, अर्थात पूरे 184% की वृद्धि की गयी है। वहीं एक्सट्रा स्मॉल लॉकर का किराया 1350 रुपये से बढ़कर 3300 रुपये किया गया है। अर्थात 144% की वृद्धि की गयी है।

बैंक ने एक नई प्रीमियम कैटेगरी मेट्रो प्लस शुरू की है, जहां चार्ज और भी ज्यादा होंगे। यहां एक्सट्रा लार्ज लॉकर के लिए आपको सालाना 40000 रुपये तक चुकाने पड़ सकते हैं। इतना ही नहीं अब लॉकर को एक्सेस करने के लिए आधार आधारित बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन अनिवार्य हो जाएगा।

इसके अलावा अब एटीएम से कैशन निकालना भी महंगा होने वाला है। अभी तक तक कई ग्राहक एटीएम से बिना कार्ड के यूपीआई के जरिए कैश निकाल लेते थे, लेकिन पहली अप्रैल 2026 से इसका गणित बदल जाएगा। अब यूपीआई के जरिए किए गए कैश विड्रॉल को आपकी मासिक फ्री एटीएम ट्रांजेक्शन लिमिट में गिना जाएगा। अगर आप एचडीएफसी बैंक के एटीएम पर अपनी 5 फ्री ट्रांजेक्शन की सीमा पार कर लेते हैं, यूपीआई से पैसा आहरण करने पर भी आपको 23 रुपये प्लस जीएसटी अतिरिक्त देना होगा।

बैंक के अनुसार उसका उद्देश्य कैश ट्रांजेक्शन के बजाय डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देना और एटीएम के बढ़ते रखरखाव खर्च को कवर करना है।

बता दें कि धीरे-धीरे बैंकिंग अधिक डिजिटल और महंगी होती जा रही है। अन्य बैंक भी एचडीएफसी बैंक के इस कदम से प्रेरित होकर अपने सेवा शुल्कों में बदलाव कर सकते हैं। इसलिए अपनी बैंकिंग आदतों को बदल लीजिए।

पाकिस्तान में 16 जगहों पर हमले, जवाबी कार्रवाई में 67 अफगान तालिबान मारे गए

इस्लामाबाद, एजेंसी

- पाकिस्तानी वायुसेना ने रात भर चलाया सीमा क्षेत्र में अभियान

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने मंगलवार तड़के दक्षिण-पश्चिमी सीमा पर 16 स्थानों पर हुए हमलों को नाकाम कर दिया और रातभर जारी अभियानों में अफगान तालिबान के 67 और लड़ाकों को मार गिराया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

सूचना मंत्री अताउल्ला तरार ने अफगान तालिबान के हमलों के जवाब में 26 फरवरी को शुरू किए गए ऑपरेशन 'गजब-लिल-हक' के बारे में जानकारी दी। तरार ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से सटे सीमावर्ती क्षेत्र में रात भर चले अभियानों में अफगान तालिबान के 40 लड़ाके मारे गए।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर किये गए एक पोस्ट में बताया कि एक स्थान पर शारीरिक हमला करने का प्रयास किया गया, जबकि 12 स्थानों पर गोलीबारी की गई, जिन्हें बिना किसी जानमाल के नुकसान के नाकाम कर दिया गया। अफगान तालिबान ने उत्तरी बलूचिस्तान के किला सैफुल्लाह, नोश्की और चमन जिलों में 16 स्थानों पर सीमा पार से शारीरिक हमला किया, जबकि पाकिस्तानी सैनिकों ने 25 स्थानों पर गोलीबारी की। उन्होंने कहा कि सभी ठिकानों पर हुए हमलों को नाकाम कर दिया गया, जिसमें अफगान तालिबान के 27 लड़ाके मारे गए और कई घायल हुए। मंत्री ने यह भी बताया कि उत्तरी बलूचिस्तान में तैनात अर्धसैनिक बल फ्रंटियर कोर (एफसी) का एक जवान शहीद हो गया, जबकि पांच जवान घायल हो गए। सोमवार को मंत्री ने कहा था कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने 435 अफगान तालिबान लड़ाकों को मार गिराया और 630 अन्य घायल हो गए।

वर्ल्ड ब्रीफ

दक्षिण अफ्रीका में इमारत ढही, नौ मरे

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग शहर में एक इमारत ढहने से मरने वालों की संख्या मंगलवार को बढ़कर नौ हो गई। आपातकालीन सेवाओं और शहर के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सरकार इमारत को अवैध बताते हुए उसे ध्वस्त करने की तैयारी कर रही है। जोहानिसबर्ग आपातकालीन प्रबंधन सेवाओं की प्रवक्ता जोलिले खुमाओलो ने कहा कि दो और शव बरामद किए गए हैं जबकि एक अन्य शव मलबे में पड़ा दिखा है। बचाव टीम शवों को कंक्रीट के मलबे से बाहर निकालने में व्यस्त हैं। जोहानिसबर्ग के सार्वजनिक सुरक्षा अधिकारी मिनी त्शावाकू ने पुष्टि की।

रजा पहलवी का समान अधिकारों का वादा

वॉशिंगटन। ईरान से निर्वासित पूर्व शाह के बेटे रजा पहलवी ने देश के जातीय समुदायों से एकजुट रहने का आह्वान किया है। उन्होंने अपने बयान में कहा, भविष्य में धर्म और राज्य की अलग-अलग व्यवस्था पर आधारित शासन में जनता को किसी भी भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ेगा। पहलवी ने कहा कि हम इस शासन के पतन की कगार पर हैं। उन्होंने स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश करने वाली अवसरवादी ताकतों से सतर्क रहने का आग्रह किया और संकल्प लिया कि इस्लामिक गणराज्य के बाद के ईरान में सभी समुदाय कानून के शासन और समान नागरिकता अधिकारों के तहत रहेंगे।

ईरान के गेराश में 4.3 तीव्रता का भूकंप

तेहरान। दक्षिणी ईरान के गेराश शहर के निकट मंगलवार को 4.3 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) द्वारा जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गयी है। भूकंप का केंद्र भूमि की सतह से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई में था। विशेषज्ञों के अनुसार, इतनी कम गहराई वाले भूकंप सामान्यत: प्राकृतिक टेक्टोनिक गतिविधियों से जुड़े होते हैं और इस भूगर्भीय रूप से सक्रिय क्षेत्र में ऐसे झटके असामान्य नहीं माने जाते।

चुनौतियों के बीच चीन में होगी वार्षिक संसद

बीजिंग। रियल एस्टेट क्षेत्र की सुस्ती, छोटे व्यवसायों की मुश्किलें और युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी चीन की रफ्तार को थाम रही हैं। चीनी नेता शी जिनपिंग की उच्च प्रौद्योगिकी और एआई पर आधारित महत्वाकांक्षाओं और धीमी पड़ती आर्थिक वृद्धि की कठोर वास्तविकताओं के बीच संसद नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की वार्षिक बैठक गुरुवार से शुरू हो रही है।

परमाणु पर प्रहार या तेल का खेल

अमेरिका और इजराइल द्वारा 28 फरवरी, 2026 को ईरान पर किए गए सैन्य हमलों ने दुनिया को हिला दिया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में शुरू हुए इस अभियान का आधिकारिक उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना बताया गया है, लेकिन इसके पीछे की भू-राजनीतिक परतें कहीं अधिक गहरी हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या और प्रमुख परमाणु केंद्रों पर हमलों ने खाड़ी क्षेत्र को एक भीषण युद्ध की ओर धकेल दिया है। फरवरी महीने के अंतिम दिनों में शुरू हुआ यह हमला केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि दशकों से चल रहे अमेरिका-ईरान तनाव का चरम बिंदु है। अमेरिका का तर्क है कि ईरान ने परमाणु बम बनाने के समय को घटाकर एक हफ्ते से भी कम कर दिया था, जिससे वैश्विक सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया। हालांकि, आलोचक इसे तेल का खेल और सत्ता परिवर्तन की चाल मान रहे हैं।

अमेरिका-ईरान जंग

हमले की अमेरिकी वजह

- परमाणु संवर्धन : अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण (आईएईए) की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने यूरेनियम को 60% से अधिक शुद्धता तक संवर्धित कर लिया था, जो सैन्य ग्रेड के बहुत करीब है।
- मिसाइल कार्यक्रम : अमेरिका का दावा है कि ईरान ऐसी लंबी दूरी की मिसाइलें विकसित कर रहा था जो यूरोप और अमेरिकी मुख्य भूमि तक पहुंच सकती हैं जिससे उनकी सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया था।
- सत्ता परिवर्तन : राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरानी जनता से सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया है। ईरान में आम लोग खामेनेई के शासन के खिलाफ हैं।

क्या है यह तेल का खेल

- ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमले के आधिकारिक कारणों में तेल का जिक्र नहीं है, लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का नियंत्रण वैश्विक तेल आपूर्ति का 20% हिस्सा तय करता है। रणनीतिकारों का मानना है कि ईरान की क्षेत्रीय शक्ति को कुचलकर अमेरिका ऊर्जा मार्गों पर अपना वर्चस्व बनाए रखना चाहता है। आलोचकों का कहना है कि मध्य पूर्व में सऊदी अरब के अलावा इराक, यूएई, कुवैत और ईरान कच्चे तेल के बड़े उत्पादक हैं।
- ईरान पर हमले के पीछे भी वेनेजुएला की तरह तेल की बू आती है। अमेरिका तेल उत्पादन और उसके परिवहन में अपना दबदबा कायम करना चाहता है। ईरान पर हमले के पीछे यह भी बड़ी वजह हो सकती है। पिछले दिनों अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला बोलकर वहां के राष्ट्रपति मादुरो को गिरफ्तार कर लिया था। जिसकी दुनिया भर में निंदा की गई थी। वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा प्रमाणित तेल भंडार है लेकिन उत्पादन कम।

मध्य पूर्व के बड़े तेल उत्पादक

- बड़े खिलाड़ी : सऊदी अरब के अलावा इराक, यूएई, कुवैत और ईरान तेल के बड़े खिलाड़ी हैं। ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद वह भारी मात्रा में उत्पादन कर रहा है।
- सऊदी अरब : यह क्षेत्र का सबसे बड़ा और दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक है। 2024 में इसका उत्पादन लगभग 10.87 मिलियन बैरल प्रतिदिन था।
- ईरान : भारी प्रतिबंधों के बावजूद ईरान का उत्पादन बढ़ा है। 2024 में यह लगभग 4.62 मिलियन बैरल प्रतिदिन उत्पादन के साथ क्षेत्र का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक था।
- इराक : यह लगभग 4.50 मिलियन बैरल प्रतिदिन उत्पादन के साथ प्रमुख खिलाड़ी है।

भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था विश्व के लिए आशा की किरण

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमारी अर्थव्यवस्था में तीव्र वृद्धि विकसित भारत की मजबूत नींव

- बजट 2026-27 पर राष्ट्रीय वेबिनार का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी

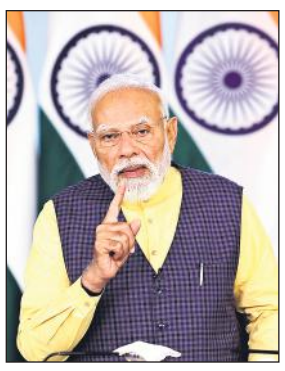

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव के आज के दौर में भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था विश्व के लिए आशा की किरण बन गई है इसकी तीव्र वृद्धि विकसित भारत की मजबूत नींव है।

प्रधानमंत्री ने बजट 2026-27 पर राष्ट्रीय वेबिनार की इस वर्ष की श्रृंखला की दूसरी कड़ी के उद्घाटन संबोधन में कहा कि इस बार के बजट में अर्थव्यवस्था के उन स्तंभों और क्षेत्रों को मजबूत करने के ठोस कदम उठाए गए हैं जो वैश्विक परिवर्तनों को देखते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया इस समय विनिर्माण के लिए मजबूत भागीदारों की तलाश में है और भारत ने हाल में विभिन्न देशों और समूहों से जो मुक्त व्यापार समझौते किये हैं उससे देश के उद्योग-व्यवसाय जगत के लिए अवसरों का एक बड़ा द्वार खुला है। इसका फायदा उद्योग जगत को ही उठाना है और इसके लिए उसे अनुसंधान, बाजारों के अध्ययन और नवाचार पर समय तथा साधन खर्च करने होंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय उद्योगों को अवसरों का पूरा लाभ उठाना है तो उन्हें गुणवत्ता को अपना महामंत्र बनाना होगा। प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के लक्ष्य की प्रति के लिए सभी हितधारकों के बीच सामूहिक हिस्सेदारी की आवश्यकता को रेखांकित किया। आर्थिक वृद्धि की निरंतरता बनाए रखने और रफ्तार तेज करने के विषय पर आयोजित इस वेबिनार में प्रधानमंत्री ने अधिक निर्माण करो, अधिक उत्पादन करो, अधिक संपर्क स्थापित करो और अधिक निर्यात करो के मूल मंत्रों को दोहराया।

बाधाओं को दूर करने को सरकार अग्रसर

प्रधानमंत्री ने विनिर्माण क्षेत्र में प्रमुख क्षमताओं को मजबूत करने और मौजूदा बाधाओं को दूर करने के लिए सरकार के प्रयासों का उल्लेख किया। मोदी ने जोर देते हुए कहा, दुर्लभ खनिज तत्वों के लिए समर्पित रेयर अर्थ कॉरिडोर और कंटेनर विनिर्माण जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने का उद्देश्य व्यापार के लिए अनुकूल परिवेश को मजबूत करना है। प्रधानमंत्री ने बजट में घोषित 'बायोफार्मा शक्ति मिशन' का भी उल्लेख किया जिसका उद्देश्य भारत को जैविक औषधियों और अगली पीढ़ी की उपचार प्रणालियों के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। कहा, हम उन्नत बायोफार्मा अनुसंधान और विनिर्माण में नेतृत्व की ओर बढ़ना चाहते हैं। मोदी ने वैश्विक परिस्थितियों में हो रहे बदलावों के संदर्भ में कहा कि दुनिया विश्वसनीय और मजबूत विनिर्माण साझेदारों की तलाश में है।

चर्चाएं और उससे निकलने वाले सुझावों की होगी महत्वपूर्ण भूमिका

प्रधानमंत्री ने प्रतिभागियों से कहा, निश्चित रूप से, आज आप लोगों के बीच होने वाली चर्चाएं और उनसे निकलने वाले सुझाव महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रधानमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों के बीच तालमेल के संबंध में बोलते हुए यह स्पष्ट किया कि विनिर्माण, संचालन व्यवस्था, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) और शहरी केंद्र अलग-अलग इकाइयां नहीं हैं बल्कि एक ही आर्थिक संरचना के परस्पर जुड़े हुए स्तंभ हैं। उन्होंने विस्तार से बताया कि किस प्रकार विनिर्माण निर्यात को बढ़ावा देता है जबकि प्रतिस्पर्धी एमएसएमई लचीलेपन और नवाचार को प्रोत्साहित करते हैं। मोदी ने कहा, इस वर्ष के बजट ने इन सभी स्तंभों को बहुत मजबूती प्रदान की है। उन्होंने कहा कि उद्योग, वित्तीय संस्थानों और राज्य सरकारों की सक्रिय भागीदारी के बिना केवल नीतिगत दिशा-निर्देशों से ही परिणाम प्राप्त नहीं होंगे। उन्होंने हितधारकों से विनिर्माण और उत्पादन बढ़ाने तथा लागत संरचना को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने पर चर्चा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

पश्चिम एशिया संघर्ष : मोदी ने ओमान के सुल्तान व कुवैत के प्रिंस से की बात

- बातचीत के दौरान दोनों देशों पर किए गए हमलों पर जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक, कुवैत के युवराज शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से बात की और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के दौरान उनके देश पर हुए हमलों को लेकर चिंता जताई।

अधिकारियों के मुताबिक टेलीफोन पर हुई बातचीत में, प्रधानमंत्री मोदी ने इन नेताओं से वहां रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों के कल्याण और सुरक्षा पर भी चर्चा की। एक अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री ने मंगलवार दोपहर बाद खाड़ी क्षेत्र के तीन महत्वपूर्ण नेताओं से बातचीत की।

प्रधानमंत्री ने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक, कुवैत के युवराज शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से फोन पर बातचीत की। मोदी ने इन नेताओं से बातचीत के दौरान, उनके देश पर हुए हमलों को लेकर चिंता जताई और वहां रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों के कल्याण और सुरक्षा पर चर्चा की। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू किए गए संयुक्त हमले के बाद फोन पर यह बातचीत हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले दो दिन में बहरीन के शाह और सऊदी अरब के युवराज से बात की तथा दोनों देशों पर हाल ही में हुए हमलों की निंदा की। मोदी ने कहा कि भारत इस कठिन घड़ी में उनके साथ एकजुटता से खड़ा है। प्रधानमंत्री ने जॉर्डन के शाह अब्दुल्ला द्वितीय से भी बात की है और क्षेत्र में बिगड़ती स्थिति पर चिंता व्यक्त की। मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी बात की है। खाड़ी देशों और पश्चिम एशिया में लगभग 90 लाख भारतीय रहते हैं। इनमें से लगभग 10,000 भारतीय नागरिक ईरान में हैं, जबकि 40,000 से अधिक लोग इजराइल में रहते हैं। पश्चिम एशिया का हवाई क्षेत्र अभी लगभग बंद है। पश्चिम एशिया में सैन्य तनाव बढ़ने के कारण उड़ानों के बाधित होने से सैकड़ों भारतीय दुबई, दोहा और अन्य प्रमुख हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं।

हमला नहीं करते तो ईरान कुछ महीनों में प्राप्त कर लेता परमाणु प्रतिरोधक क्षमता : नेतन्याहू

यरूशलम। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को कहा कि इजराइल और अमेरिका ने ईरान पर हमला इसलिए किया क्योंकि तेहरान ने अपना परमाणु कार्यक्रम फिर से शुरू कर दिया था और वह कुछ ही महीनों में परमाणु प्रतिरक्षा प्राप्त कर लेता। नेतन्याहू ने कहा कि ईरान पर हमला करना बेहद जरूरी था क्योंकि तेहरान अपने मिसाइल एवं परमाणु कार्यक्रमों को हमलों से बचाने के लिए नए भूमिगत ठिकाने बना रहा था। उन्होंने कहा, ईरान ने नए ठिकाने, नए स्थल, भूमिगत बंकर बनाना शुरू कर दिया, जो उसके बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम और परमाणु बम कार्यक्रम को कुछ ही महीनों में सुरक्षित कर देते। अभी कोई कार्रवाई नहीं की जाती तो भविष्य में भी कोई कार्रवाई नहीं हो पाती। इजराइली प्रधानमंत्री ने कहा, हमें अभी कार्रवाई करनी पड़ी, इसका कारण यह है कि पिछले साल जून में हुए 12 दिवसीय युद्ध में उनके परमाणु ठिकानों और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर हमला करने के बाद उन्होंने नए ठिकाने और भूमिगत बंकर बनाने शुरू कर दिए, जो कुछ ही महीनों में उनके बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम और परमाणु बम कार्यक्रम को सुरक्षित कर देते।

कोर्ट के आदेशों के खिलाफ अपील प्रवृत्ति पर लगे रोक

नई दिल्ली, एजेंसी

- विधि अधिकारियों ने ऐसे मामलों को बताया बड़ी चुनौती

अदालती आदेशों के खिलाफ केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों द्वारा बिना सोचे-समझे अपील दाखिल करने की प्रवृत्ति को सरकार से जुड़े मुकदमों पर अंकुश लगाने के लिए एक प्रमुख चुनौती बताया गया है।

सरकारी मुकदमों के प्रभावी और कुशल प्रबंधन पर हाल ही में आयोजित एक सम्मेलन में, दो दर्जन से अधिक केंद्रीय सचिवों और शीर्ष विधि अधिकारियों ने सेवा और अन्य मामलों में अपीलों के लिए स्पष्ट मानदंड, मुकदमों के समन्वित निपटान के लिए प्रत्येक विभाग में एक विशिष्ट अधिकारी की नियुक्ति और अदालती फैसलों के समयबद्ध कार्यान्वयन के लिए तंत्र की सिफारिश की ताकि अवमानना संबंधी मुकदमों को कम किया जा सके। केंद्रीय विधि मंत्रालय द्वारा शनिवार को आयोजित सम्मेलन में, सेवा संबंधी मुकदमों, जवाबी हलफनामा दाखिल करने से पहले उचित परामर्श का अभाव, विभिन्न मंत्रालयों द्वारा अपनाए गए भिन्न रुख, विभागों और पैनल वकीलों के बीच समन्वय की कमी तथा सुविचारित नीतिगत निर्णय के बजाय बिना किसी सोच-विचार के अपील दाखिल करने की प्रवृत्ति जैसी प्रमुख चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया। अधिकारियों और मंत्रालय द्वारा विभिन्न मामलों से संबंधित विवरण साझा किए गए।

मेलानिया ट्रंप ने की संरा सुरक्षा परिषद की बैठक की अध्यक्षता

संयुक्त राष्ट्र। अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक संघर्षरत क्षेत्रों में बच्चों के मुद्दे पर केंद्रित थी, जो उनके प्रमुख अभियानों में से एक रहा है।

यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका, इजराइल के साथ मिलकर ईरान पर हमले कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि वह वैश्विक संस्था के सबसे शक्तिशाली निकाय में अध्यक्ष का पद संभालने वाली पहली महिला हैं जो दुनिया के किसी राष्ट्र प्रमुख की पत्नी हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी को यह अवसर इसलिए दिया गया है क्योंकि अमेरिका मार्च के लिए परिषद की अध्यक्षता संभाल रहा है।

टीडीबी के पूर्व अध्यक्ष वासु से ईडी की पूछताछ

कोच्चि, एजेंसी

- शबरिमला सोना चोरी मामले में एजेंसी कर रही जांच

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शबरिमला मंदिर में सोना चोरी होने की घटना से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व अध्यक्ष एन. वासु से मंगलवार को पूछताछ की।

वासु को पिछले साल शबरिमला में सोने की चोरी के मामलों में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) ने गिरफ्तार किया था और हाल ही में उन्हें वैधानिक जमानत पर रिहा किया गया था। जांच के तौर पर ईडी ने अब तक शबरिमला के पूर्व प्रशासनिक अधिकारियों एस श्रीकुमार और मुरारी बाबू, पूर्व टीडीबी सचिव एस जयश्री और अभिनेता जयराम से पूछताछ की है।

एजेंसी ने इस साल जनवरी में केरल पुलिस की दो प्राथमिकियों के आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया था।

एजेंसी की ओर से दर्ज किए गए मामले में शबरिमला स्थित भगवान अयप्पा मंदिर के द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्तियों और श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाजों से कथित तौर पर सोने की हेराफेरी का आरोप लगाया गया था।

केरल उच्च न्यायालय द्वारा गठित और उसकी देखरेख में गठित विशेष जांच समिति मंदिर से कथित तौर पर सोने के गबन की जांच कर रही है।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष आज नई परियोजनाओं में धन निवेश कर सकते हैं। विद्यार्थियों के लिये दिन बहुत अच्छा है। विद्या को सीखने का प्रयास करेंगे।

वृष आज कार्यक्षेत्र में उच्चाधिकारी आपसे अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे। अपने खर्चों पर धीरे-धीरे नियन्त्रण कर लेंगे।

मिथुन आज जीवनसाथी की भावनाओं का ध्यान रखें। प्रशासन से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत शुभ है। आपके स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है।

कर्क आज कार्यक्षेत्र में नए मित्र बन सकते हैं। किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। अपने मन की बातें प्रेमीजन से साझा कर सकते हैं।

सिंह आज अधिकारी वर्ग की आज्ञा का उल्लन्घन न करें। शाम को तनाव से राहत मिलेगी। पेट में दर्द की शिकायत हो सकती है।

कन्या आज प्रतिभा को विकसित करने में सफल रहेंगे। कड़ी मेहनत का उत्तम परिणाम मिलेगा। छोटी-छोटी गलतियों को सुधारने का प्रयास करें।

तुला आज परिवार एवं समाज में प्रतिष्ठा की चिंता रहेगी। अपने विरोधियों को हल्के में न लें। आपका मन उदास हो सकता है।

वृश्चिक आज आपकी एकाग्रता में वृद्धि होगी। सभी दिशाओं से शुभ समाचार मिलेंगे। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

धनु आज बच्चों के साथ पिकनिक की योजना बना सकते हैं। आय के साधनों में वृद्धि होगी। विवाह योग्य लोगों को उत्तम प्रस्ताव मिलेंगे।

मकर आज घर की बातें बाहर वालों से शेयर न करें। व्यवसाय में उत्तम धन लाभ होगा। मन की नकारात्मकता दूर होगी।

कुंभ आज थकान की वजह से आप अपने कार्यों में अधिक ध्यान नहीं दे पायेंगे। धन से जुड़े मामलों में लापरवाही करना उचित नहीं है।

मीन आज बुरी नीयत वाले लोग आपको धोखा देने की कोशिश करेंगे। दिन का शुरुआती भाग बहुत शुभ रहेगा।

आज का पंचांग

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 4 मार्च, बुधवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- चैत्र, पक्ष-कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 04.48 तक तत्पश्चात द्वितीया।

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु-** वसंत।
चन्द्रबल- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुम्भ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- पूर्वाफाल्गुनी 07.39 तक तत्पश्चात उत्तरफाल्गुनी।

सुडोकू - 78 का हल

4	7	3	6	9	5	1	8	2
1	9	5	2	4	8	3	7	6
8	2	6	3	1	7	4	9	5
6	1	7	4	2	3	9	5	8
9	5	2	7	8	1	6	4	3
3	4	8	9	5	6	7	2	1
7	8	1	5	3	4	2	6	9
5	6	9	1	7	2	8	3	4
2	3	4	8	6	9	5	1	7

सुडोकू -79

		6	9		1			
1			2	4				
2		4			9	9		5
		7	5		4		4	
6		3	1					9
	8					6		
9		8				2		6
				2	8			7
			6		3	1		

अमेरिका-ईरान जंग

हमलों को लेकर अंतराष्ट्रीय कानून की प्रासंगिता पर उठ रहे सवाल

ईरान में बालिका विद्यालय पर हमले के बाद छिड़ी नई बहस

जोंडालुप, एजेंसी

- मिनाब शहर में हुए हमले में हुई थी करीब डेढ़ सौ छात्राओं की मौत

अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर संयुक्त सैन्य कार्रवाई शुरू किए जाने के बाद दक्षिणी शहर मिनाब में शजराह तैय्यबेह बालिका प्राथमिक विद्यालय पर हमले की खबरों ने अंतर्राष्ट्रीय कानून की प्रासंगिकता पर नई बहस छेड़ दी है। खबरों के अनुसार, हमले के समय विद्यालय में बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद थीं।

ईरानी अधिकारियों ने दावा किया है कि इस घटना में 150 से अधिक लोगों की मौत हुई, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं, जबकि 60 अन्य घायल हुए हैं। इन आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। अंतर्राष्ट्रीय मीडिया द्वारा सत्यापित वीडियो में बचावकर्मियों को मलबे में तलाश करते, स्कूल बैग निकालते और दीवारों पर जलने के निशान देखे जा सकते हैं। अमेरिकी अखबार 'न्यूयॉर्क टाइम्स' का कहना है कि उसने ऐसे वीडियो सत्यापित किए हैं जिनमें विद्यालय के पास इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) का एक नौसैनिक अड्डा और उस अड्डे पर हमले के दृश्य दिखाई देते हैं।

संयुक्त राष्ट्र में ईरान के प्रतिनिधियों ने इसे नागरिक बुनियादी ढांचे को जानबूझकर निशाना बनाने का मामला बताते हुए युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराध करार दिया है। अमेरिका और इज़राइल ने सार्वजनिक रूप से विद्यालय को निशाना बनाने की पुष्टि नहीं की है। अमेरिकी सैन्य कमान 'सेंटकॉम' ने कहा कि नागरिकों को हुए संभावित नुकसान की रिपोर्टों को गंभीरता से लिया जा रहा है और जांच की जा रही है। उसने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और अनपेक्षित क्षति को न्यूनतम करने के लिए सभी एहतियाती कदम उठाए जाते हैं।

कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून लागू होता है, जो भेद, अनुपातिकता और सैन्य आवश्यकता जैसे सिद्धांतों पर आधारित है। इन सिद्धांतों के तहत केवल सैन्य ठिकानों और लड़ाकों को निशाना बनाया जा सकता है, जबकि स्कूल, अस्पताल और सार्वजनिक परिवहन जैसे नागरिक ढांचे संरक्षित माने जाते हैं। किसी लक्ष्य की प्रकृति को लेकर संदेह होने पर उसे असैन्य माना जाना चाहिए।

यूनेस्को ने सांस्कृतिक विरासत स्थलों के भविष्य पर जताई चिंता

पेरिस। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने अमेरिका-इजरायल हवाई हमले के बाद ईरान के गोलेस्तान पैलेस को हुए नुकसान पर चिंता व्यक्त की है। संयुक्त राष्ट्र की सांस्कृतिक एजेंसी ने ईरान में अमेरिका-इजरायल बमबारी के बाद मध्य पूर्व में कई विरासत स्थलों के भविष्य पर चिंता जताई है। ईरान की मेहर समाचार एजेंसी के अनुसार, सोमवार को तेहरान में अर्ग स्क्वायर पर हुए हवाई हमले के कारण गोलेस्तान पैलेस चपेट में आ गया। कथित तौर पर महल की खिड़कियों, दरवाजों और शीशों को नुकसान पहुंचा है। गोलेस्तान पैलेस तेहरान के ऐतिहासिक केंद्र के बीचोबीच स्थित है। यह चारदीवारी वाला महल शहर के सबसे पुराने परिसरों में से एक है। यूनेस्को के अनुसार, 1779 में सत्ता में आने वाले कजार परिवार ने तेहरान को देश की राजधानी बनाया तथा यह पैलेस सत्ता का केंद्र बन गया। तालाबों और बगीचों से घिरे इस महल ने अपनी सजावट और प्रमुख विशिष्टताएं 19वीं शताब्दी में प्राप्त की थी।

बिल क्लिंटन ने एप्स्टीन से संबंधों को नकारा

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने सांसदों के समक्ष बंद कमरे में दी गवाही में यौन अपराधी जेफ्री एप्स्टीन से दूरी बनाने की कोशिश की। यह बयान उन्होंने प्रतिनिधि सभा की निगरानी समिति के समक्ष दी गयी गवाही में दिया, जिनके वीडियो सोमवार को जारी किए गए। क्लिंटन ने कहा कि 2008 में एप्स्टीन द्वारा एक नाबालिग लड़की से वेश्यावृत्ति कराने के आरोप में दोष स्वीकार करने से कई वर्ष पहले ही उन्होंने उससे संबंध समाप्त कर लिए थे।, उनकी पत्नी हिलेरी क्लिंटन ने कहा कि उन्हें एप्स्टीन से मुलाकात की याद तक नहीं है। एप्स्टीन ने 2019 में न्यूयॉर्क में नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और तस्करी के आरोपों में जेल में आत्महत्या कर ली थी।

एक बात बहुत साफ है कि हम प्रेशर से भागें नहीं। हम इसे अपनाएं, हम इसका सामना करें, और अगर कभी हमें लगे कि हम प्रेशर में हैं, तो पक्का करें कि हम पॉजिटिव रास्ता अपनाएं। इस गेम का मजा लें, इस स्पोर्ट के लिए, आपने अपनी पूरी जिंदगी यही खेला है।
-गौतम गंभीर

स्टेडियम

हल्द्वानी, बुधवार, 4 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सेमीफाइनल में आज

टीम	समय
न्यूजीलैंड-द. अफ्रीका	शाम 7 बजे

हाईलाइट

भारत-इंग्लैंड की टीमें एक-दूसरे को बखूबी जानती हैं : कुरेन

मुंबई। भारत के खिलाफ टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल से पहले इंग्लैंड के सैम कुरेन ने कहा कि दोनों टीमें एक दूसरे के खिलाफ इतना खेल चुकी हैं कि कुछ छिपाने के लिए नहीं है लेकिन उन्हें अपनी टीम से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद है। इंग्लैंड ने 2022 में भारत को सेमीफाइनल में दस विकेट से हराने के बाद खिताब जीता था जबकि भारत ने 2024 में इंग्लैंड को 78 रन से हराने के बाद खिताब जीता था। कुरेन ने वानखेड़े स्टेडियम पर इंग्लैंड के अभ्यास सत्र से पहले कहा इस मैदान पर हम काफी खेल चुके हैं लिहाजा कुछ छिपा नहीं है। उन्होंने कहा हमारे पास अभ्यास के लिये दो दिन का समय है जिससे हालात के अनुकूल ढलने में मदद मिलेगी। इन स्टेडियमों में हम इतना खेल चुके हैं कि अलग अलग हालात की आदत हो गई है।

चंद्र ग्रहण की वजह से अभ्यास में विलंब

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल से पहले चंद्र ग्रहण की वजह से मंगलवार शाम के ट्रेनिंग सत्र में एक घंटे से अधिक का विलंब किया। टी20 विश्व कप के सह मेजबान भारत को पहले यहां वानखेड़े स्टेडियम में शाम छह से नौ बजे तक ट्रेनिंग करनी थी लेकिन टीम आखिरकार शाम सात बजकर 20 मिनट के करीब मैदान पर उतरी। सहयोगी स्टाफ के कुछ सदस्य खिलाड़ियों और कोच से पहले मैदान पर पहुंच गए थे लेकिन ट्रेनिंग कुछ देर बाद शुरू हुई। स्टेडियम की फ्लडलाइट भी शाम करीब छह बजकर 50 मिनट पर चालू कर दी गईं थी।

प्रेशर से भागो मत सामना करो : गंभीर

नई दिल्ली। इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने अपने प्लेयर्स से नॉकआउट के प्रेशर को अपनाने की अपील की है, क्योंकि डिफेंडिंग चैंपियन टीम गुरुवार को मशहूर वानखेड़े स्टेडियम में टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में दो बार की विनर इंग्लैंड का सामना करने के लिए तैयार है। बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया (बीसीसीआई) द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में बोलते हुए, गंभीर ने साफ किया कि इंडिया इस मौके की अहमियत से पीछे नहीं हटेगा। भारत की 2007 और 2011 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के सदस्य गंभीर ने माना कि घर पर नॉकआउट खेलने का ज्यादा वजन होता है, लेकिन उन्होंने जोर दिया कि टीम को पॉजिटिव लेना चाहिए।

लक्ष्य ने शी युकी को हराकर किया उलटफेर

बर्मिंघम। भारत के लक्ष्य सेन ने मंगलवार को यहां अपनी मानसिक मजबूती और शारीरिक ताकत का शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियशिप के पुरुष एकल के पहले दौर में चीन के शी युकी को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में हरा दिया। लक्ष्य ने इस मुकाबले में 23-21, 19-21, 21-17 से जीत हासिल की। उन्होंने दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी युकी को व्यक्तिगत मुकाबले में पहली बार हराया। लक्ष्य ने 2023 में एशियाई खेलों की टीम चैंपियनशिप में चीन के इस खिलाड़ी को हराया था।

दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के कप्तानों की भूमिका होगी अहम

टी-20 विश्व कप : पहला सेमीफाइनल आज, आत्मविश्वास से भरी हैं दोनों टीमें

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम।

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर।

कोलकाता, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार को यहां टी-20 विश्व कप के पहले सेमीफाइनल में रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है, जिसमें दोनों टीम के कप्तानों की भूमिका अहम होगी। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडन मार्करम और न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर इस समय शानदार फॉर्म में हैं। अमूमन ऐसा नहीं होता कि दोनों टीमों के कप्तान ही सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी हों। ऐसे में मार्करम और सैंटनर के बीच मुकाबला दिलचस्प होगा, जो ईडन गार्डन्स में हजारों दर्शकों को रोमांच से भर देगा। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच आईसीसी प्रतियोगिताओं में प्रतिद्वंद्विता 2015 में वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल के दौरान अपने चरम पर पहुंच गई थी। तब न्यूजीलैंड ने एक रोमांचक मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हरा दिया था जिससे डेल स्टेन और एबी डी विलियर्स जैसे खिलाड़ियों को करारा झटका लगा था।

दक्षिण अफ्रीका अब शुकरी कॉनराड के मार्गदर्शन में खतरनाक टीम बन गई है, जिसने पिछले साल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतकर अपने दृढ़ संकल्प का परिचय दिया था। दक्षिण अफ्रीका ने हालांकि अभी तक सीमित ओवरों की कोई ट्रॉफी नहीं जीती है लेकिन ''चोकर'' का विख्यात तमगा अब उनके क्रिकेट शब्दकोश का हिस्सा नहीं है। इस मुकाबले के केंद्र में दो ऐसे कप्तान हैं, जिनकी अक्सर उतनी प्रशंसा या चर्चा नहीं होती जितनी होनी चाहिए थी क्योंकि वह रणनीतिक और तकनीकी रूप से उन कप्तानों से कहीं बेहतर हैं जिनकी कहीं अधिक प्रशंसा की जाती है। मार्करम ने अभी तक इस टूर्नामेंट में 175 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 268 रन बनाए हैं। उन्होंने पावर प्ले में गेंदबाजों को अच्छी तरह से निशाना बनाया है। दूसरी तरफ सैंटनर ने 6.35 की इकॉनमी रेट के साथ बल्लेबाजों को बांधे रखा है। उन्होंने बल्लेबाजी में भी कमाल दिखाया है। मार्क्रम, क्विंटन डीकॉक, डेवाल्ड ब्रेविस, रयान रिकलेटन, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर और मार्को यानसन जैसे दमदार बल्लेबाजों से सजी दक्षिण अफ्रीका की टीम किसी भी विरोधी टीम की नींद उड़ा सकती है। लेकिन सैंटनर के पास रचिन रविंद्र (सात से कम इकॉनमी रेट से नौ विकेट), ग्लेन फिलिप्स और कोल मैककॉन्ची जैसे स्पिनर होंगे जिन्होंने अभी तक मिलकर अच्छा प्रदर्शन किया है। अगर भारत को छोड़ दिया जाए तो दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार इतने अच्छे स्पिन आक्रमण का सामना करेगी। न्यूजीलैंड के पास दक्षिण अफ्रीका को चुनौती देने के लिए एक अच्छे लेग स्पिनर की कमी है क्योंकि ईश सोढ़ी ने अब तक खेले गए मैचों में कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया है।

टीम

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, टिम सीफर्ट, रचिन रविंद्र, डेवोन कॉनवे, काइल जैमीसन, जैकब डफी, ग्लेन फिलिप्स, डैरिल मिचेल, लॉकी फर्ग्यूसन, मार्क चैपमैन, मैट हेनरी, इश सोढ़ी, लॉकी फर्ग्यूसन, कोल मैककॉन्ची, जेम्स नीशम।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्करम (कप्तान), क्विंटन डीकॉक, रयान रिकलटन, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, मार्को यानसन, कॉर्बिन बॉश, कैगिसो रबाडा, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, एनरिक नॉर्किया, जेसन स्मिथ।

अभ्यास सत्र के दौरान दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी।

अपने साथी के साथ न्यूजीलैंड के ईश सोढ़ी (बाएं)।

दक्षिण अफ्रीका के क्वेना मफाका।

बुमराह को पावरप्ले में कम से कम दो ओवर मिलने चाहिए : गावस्कर

बेंगलुरु, एजेंसी

अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि हैरी ब्रुक और जसप्रीत बुमराह के बीच की जंग भारत और इंग्लैंड के बीच टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल मुकाबले का नतीजा तय करेगी तथा उन्होंने भारतीय टीम प्रबंधन से अपनी तेज गेंदबाजी के अगुआ को पावरप्ले में कम से कम दो ओवर देने का आग्रह किया।

मौजूदा चैंपियन भारत गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड से भिड़ेगा। इससे पहले 2022 और 2024 में भी इन दोनों टीमों के बीच सेमाईफाइल खेला गया था। इंग्लैंड ने 2022 में एडिलेड में भारत को 10 विकेट से हराया, जबकि रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने दो साल बाद वेस्टइंडीज के प्रोविडेंस में इसका बदला चुकता कर दिया था।गावस्कर ने चैम्प्स फाउंडेशन के लिए आयोजित की जा रही डीपी वर्ल्ड सेलिब्रिटी गोल्फ प्रतियोगिता से पहले मीडिया से कहा मेरा मानना है कि बुमराह को पावरप्ले में कम से कम दो ओवर करने चाहिए, क्योंकि नई गेंद से अगर वह शुरू में विकेट ले लेते हैं, तो भारत का पलड़ा भारी हो जाएगा। वह जोस बटलर, फिल साल्ट और हैरी ब्रूक के विकेट लेकर इंग्लैंड की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर सकते हैं। बुमराह पावरप्ले के दौरान एक ओवर ही गेंदबाजी करते रहे हैं, क्योंकि टीम डेथ ओवरों के लिए उनके कम से कम दो ओवर बचाकर रखती है। गावस्कर ने कहा कि बुमराह को चार ओवर के बाद गेंद सौंपने का कोई मतलब नहीं है।

> जहां तक बुमराह का सवाल है तो उनको समझना आसान नहीं है। वह पहले वाइड गेंद फेंकते हैं तो अक्सर लगता है कि गेंद अंदर की तरफ आएगी। लेकिन वह गेंद को स्विंग करा सकते हैं। इसीलिए वह तीनों प्रारूप में इतने खतरनाक गेंदबाज हैं।
> **-सुनील गावस्कर**

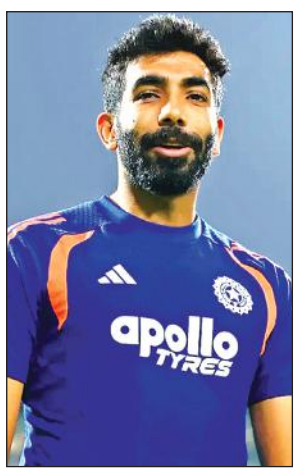

उन्होंने कहा जब चार ओवर पहले ही फेंके जा चुके हैं और बल्लेबाजों को लगभग 20 गेंदें खेलने को मिल चुकी हैं, तो इसका मतलब होगा कि जब बुमराह गेंदबाजी करने के लिए आएंगे तो दोनों बल्लेबाजों को 8-10 गेंदें खेलने को मिल चुकी है और उन्होंने क्रीज पर अपने पांव जमा लिए होंगे। बुमराह और भारत दोनों के लिए यह बेहतर नहीं होगा कि बुमराह शुरू में गेंदबाजी करके विकेट हासिल करें। इस गुरु भारतीय कप्तान ने कहा कि दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला होने की संभावना है लेकिन भारतीय बल्लेबाजी में लचीलापन है।

मंधाना महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर

दुबई। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल में संपन्न तीन मैच की शृंखला में उम्दा प्रदर्शन की बदौलत मंगलवार को जारी आईसीसी महिला एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गईं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में 58 और 31 रन की पारियां खेलने वाली स्मृति के 790 अंक हैं और उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोलवार्ट को पछाड़ा जिनके 782 अंक हैं। वोलवार्ट के पास मार्च और अप्रैल में न्यूजीलैंड के खिलाफ शृंखला के दौरान फिर से शीर्ष स्थान हासिल करने का मौका होगा।

अपने अंतिम एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच में शतक जड़ने वाली एलिसा हीली ने 744 अंक के साथ रैंकिंग में चौथे स्थान पर रहते हुए अलविदा कहा। बेथ मूनी तीसरे जबकि एशले गार्डनर (724) पांचवें स्थान पर रहीं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर नौवें स्थान के साथ शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रहीं जबकि जेमिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर हैं।

विश्व कप विजेता महिला टीम लॉरेस पुरस्कार के लिए नामित

मैड्रिड, एजेंसी

भारत की महिला क्रिकेट टीम को पिछले साल पहली बार विश्व कप खिताब जीतने के लिए लॉरेस की साल की सर्वश्रेष्ठ टीम के पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। लॉरेस स्पोर्ट ने मंगलवार को नामांकन की पुष्टि की। भारतीय टीम इस पुरस्कार के लिए नामित होने वाली पहली महिला क्रिकेट टीम है। यह विश्व कप में टीम के शानदार प्रदर्शन की पहचान है। भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में जीत के दौरान महिलाओं के एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास के सबसे बड़े लक्ष्य को हासिल किया था।

हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम को इंग्लैंड की महिला फुटबॉल टीम, यूरोपीय राइडर कप टीम, फ्रांस की फुटबॉल लीग की टीम पेरिस सेंट जर्मेन और मैकलारेन फॉर्मूला वन टीम जैसी बड़ी टीमों के साथ नामित किया गया है। लॉरेस स्पोर्ट ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्रिकेट विश्व कप सेमीफाइनल में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास के सबसे बड़े लक्ष्य (339) को हासिल किया। इसके बाद टीम ने दक्षिण अफ्रीका अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला खिताब जीता और इस पुरस्कार के लिए नामित होने वाली पहली महिला क्रिकेट टीम है। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि भारतीय महिला टीम की जीत देश के क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र में एक अहम पल था।

सैकिया ने बयान में कहा विश्व कप 2025 की जीत ना केवल टीम के लिए बल्कि हमारे देश के पूरे क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक अहम पल था। टीम ने युवा लड़कियों की एक नई पीढ़ी को क्रिकेट अपनाने के लिए प्रेरित किया है और हम उन नींव और सहयोग प्रणाली को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो आने वाले वर्षों तक इस कामयाबी को बनाए रखेंगे।

एएफसी एशियाई कप | मैच से पहले सामने आया शर्मनाक सच, अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के भीतर कुप्रबंधन उजागर

भारतीय महिला टीम के पास उचित खेल किट नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया में एएफसी महिला एशिया कप के मैच से ठीक एक दिन पहले टीम की खिलाड़ियों ने उचित किट नहीं होने का मामला उठाया है जिससे अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के भीतर कुप्रबंधन भी उजागर होता है। भारत बुधवार को पर्थ में वियतनाम के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा। उससे पहले टीम की सभी 26 खिलाड़ियों ने एआईएफएफ के उप महासचिव एम सत्यनारायणन को पत्र लिखकर उचित कपड़ों और खेल किट की कमी पर अपनी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इससे उनके मनोबल पर असर पड़ा है और उनका ध्यान भंग हुआ है।

पत्र में कहा गया है, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए पेशेवर मानकों को पूरा करना जरूरी होता है। जिसमें खिलाड़ियों को फिट आने वाली उचित पोशाक भी शामिल है। इससे एआईएफएफ प्रबंधन में पेशेवरपन की कमी का पता चलता है। पत्र के अनुसार पिछले कुछ दिनों में खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को उचित पोशाक नहीं होने के कारण टूर्नामेंट से पहले ही चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इस महत्वपूर्ण प्रतियोगिता के लिए गलत मैच किट के आने से मनोबल पर बुरा असर पड़ा है और इससे हमारे एकाग्रता भंग हुई है। इस पत्र पर कप्तान स्वीटी देवी नागमबम और देश की तरफ से सर्वाधिक मैच खेलने वाली ग्रेस डांगमेई समेत आठ खिलाड़ियों ने हस्ताक्षर किए हैं। पत्र में कहा गया है कि अन्य खिलाड़ी भी इस पत्र से सहमत हैं। पत्र में सभी 26 खिलाड़ियों के नाम दिए गए हैं। पत्र के अनुसार, सभी खिलाड़ियों ने दो मार्च को दोपहर दो बजे बैठक की और सर्वसम्मति से यह पत्र लिखने का फैसला किया। बैठक में स्वीटी देवी, मनीषा कल्याण, ग्रेस डांगमेई, संगीता बसफोरे, पंथोई चानू, संजू, प्यारी ज़ाक्सा, श्रेया ने अहम भूमिका निभाई।

भारत का पहला मैच वियतनाम से, अंतर्राष्ट्रीय मैचों का कम अनुभव पड़ सकता है भारी

पर्थ। भारतीय टीम बुधवार को यहां अपने से अधिक रैंकिंग वाली वियतनाम की टीम के खिलाफ एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने अभियान की शुरुआत करेगी जिसमें उसे अंतरराष्ट्रीय मैचों में खेलने का कम अनुभव भारी पड़ सकता है। भारत चार टीमों के ग्रुप में रैंकिंग के लिहाज से सबसे निचले पायदान पर है और उसने इस साल एक भी अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। ग्रुप की अन्य तीन टीमें वियतनाम, जापान और चीनी ताइपे हैं। भारतीय टीम ने आखिरी अंतर्राष्ट्रीय मैच अक्टूबर 2025 में ईरान व नेपाल के खिलाफ खेले थे।